सुविचार
वीर कभी बड़े मौकों का इंतजार नहीं करते, छोटे मौकों को ही बड़ा बना देते हैं।

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

12
Rashmika Mandanna Hides Her Face...

Ranchi ● Saturday, 04 May 2024 ● Year : 02 ● Issue : 105 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SHARE

सेंसेक्स	:	73,878.15
निफ्टी	:	22,475.85

SARAFA

सोना	:	6,735
चांदी	:	87.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

चाईबासा में गरजे प्रधानमंत्री, कांग्रेस और झामुमो पर जमकर साधा निशाना
दिल्ली से कम नहीं झारखंड : मोदी

PHOTON NEWS CHAIBASA : शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय दौरे पर चाईबासा पहुंचे। उन्होंने चाईबासा के टाटा कॉलेज मैदान में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस और झामुमो पर जमकर निशाना साधा। मोदी ने कहा कि झारखंड क्रांतिकारियों की धरती है। कांग्रेस ने झारखंड का कभी सम्मान नहीं किया है। कांग्रेस को आदिवासी विरोधी करार देते हुए कहा कि इंडी गठबंधन ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का विरोध किया था। साथ ही कहा कि मेरा झारखंड दिल्ली से कम है क्या। उन्होंने कहा कि आपका यह प्यार और आशीर्वाद ही मोदी की ताकत है। भाजपा और झारखंड का रिश्ता दिल का है। यहां के लोगों की भावनाओं को यदि कोई समझता और सुलझाता है तो वो सिर्फ और सिर्फ भाजपा ही है। झारखंड को अटल ने बनाया, भाजपा ने बनाया। कांग्रेस ने झारखंड का घोर विरोध किया। ये भाजपा की ताकत थी, अटल की दूरदृष्टि थी कि झारखंड बना।

रांची में रोड शो के दौरान लोगों का अभिवादन स्वीकार करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

वायनाड में हार रहे, रायबरेली में जगह खोज रहे शहजादे

BARDHAMAN : शुक्रवार को पश्चिम बंगाल में बर्द्धमान के तालित में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनावी सभा में इंडी गठबंधन पर जमकर निशाना साधा। संबोधन के दौरान कई बार जनता से संवाद कर भावनात्मक रूप से जोड़ा। कहा कि शहजादे वायनाड में चुनाव हार रहे, रायबरेली में जगह खोज रहे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद की भतीजी सपा नेता मारिया आलम खां के वोट जेहाद की अपील पर प्रधानमंत्री ने कहा- ये लोग हताश हो चुके हैं। मोदी के खिलाफ वोट जेहाद की बात कर रहे। और तो और ये एससी-एसटी व ओबीसी का हक छीनकर मुस्लिमों को देना चाहते हैं।

14 मई को वाराणसी में नामांकन दाखिल करेंगे पीएम

VARANASHI : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 मई को वाराणसी लोकसभा सीट से नामांकन करेंगे। नामांकन से पहले वे काशी विश्वनाथ और काल भैरव के दर्शन करेंगे। मोदी 13 मई को वाराणसी पहुंचेंगे और रोड शो करेंगे। वाराणसी में सातवें चरण में वोटिंग होनी है। पीएम सबसे पहले श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में षोडशोपचार विधि से पूजन करेंगे, फिर कालभैरव में मंदिर जाकर विशेष पूजा करेंगे। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल ने स्थानीय नेताओं के साथ पीएम मोदी के नामांकन को लेकर चर्चा की। पुरोहितों ने पीएम के पर्चा भरने के लिए 14 मई की तारीख को अच्छा बताया।

रांची में पीएम के रोड शो में उमड़ा जनसैलाब

- भगवान बिरसा की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण
- राजधानी में 'अबकी बार 400 पार' की गूंज
- ढोल-नगाड़ों व लोकल डांस के साथ स्वागत

RANCHI : शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड की राजधानी रांची में रोड शो किया। पीएम मोदी ने भारत माता चौक हरमू से रोड शो की शुरूआत की। इससे पहले उन्होंने एयरपोर्ट से निकलने के बाद बिरसा चौक स्थित भगवान बिरसा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद उनका काफिला आगे बढ़ा। काफिले में रांची लोकसभा के भाजपा प्रत्याशी संजय सेठ, भाजपा विधायक दल के नेता अमर कुमार बावरी ने खुली जीप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत किया। इसके बाद रोड शो की शुरूआत हुई। काफिला जैसे-जैसे अपने निर्धारित कार्यक्रम स्थल रातू रोड चौराहे के करीब पहुंच रहा था लोगों में काफी उत्साह देखने को मिला। इस दौरान लोगों ने अबकी बार 400 पार के नारे लगाए। वहीं, खुली जिप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोगों को नमस्कार करते हुए जा रहे थे। साथ ही हाथ में कमल का निशान लिए थे, जो लोगों को दिखाते हुए और मुस्कुराते हुए मतदान की अपील कर रहे थे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार रातू रोड चौराहे के पास स्वागत कार्यक्रम रखा गया था। जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत ढोल नगाड़े और लोकल डांस के साथ किया गया। इसके बाद प्रधानमंत्री का काफिला राजभवन की ओर बढ़ गया। बता दें कि रांची में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार रोड शो किया। पहली बार साल 2019 में उन्होंने रोड शो किया था।

BRIEF NEWS

बंगाल गवर्नर के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायत

KOLKATA : पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस पर राजभवन की महिला कर्मी ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। उसने मामले को लेकर हरे स्ट्रीट थाने में लिखित शिकायत दी है। एजेंसी के मुताबिक, महिला का आरोप है कि वो 24 मार्च को स्थायी नौकरी का निवेदन लेकर राज्यपाल के पास गई थी। तब राज्यपाल ने बदसलूकी की। गुरुवार को फिर यही हुआ तो वह राजभवन के बाहर तैनात पुलिस अधिकारी के पास शिकायत लेकर गई। हालांकि, राज्यपाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर महिला के आरोपों का खंडन किया है। उन्होंने कहा, 'ये मुझे बदनाम करने की साजिश है। मेरे ऊपर बेबुनियाद आरोप लगाए गए हैं। सत्य की जीत होगी। उन्होंने आगे कहा कि मैं बनावटी नरेटिव से डरने वाला नहीं। कोई मुझे बदनाम करके चुनावी फायदा चाहता है, तो भगवान भला करे। मैं भ्रष्टाचार-हिंसा के खिलाफ लड़ाई नहीं रोक सकता।'

चतरा में एक दर्जन आईईडी बरामद, किए गए नष्ट

CHATRA : जिले के कुशमाहा जंगल से सुरक्षाबलों ने शुक्रवार को एक दर्जन आईईडी बरामद किया। बम निरोधक दस्ते की टीम ने बरामद आईईडी को मौके पर नष्ट कर दिया है। जानकारी के मुताबिक, चतरा जिले के प्रतापपुर थाना क्षेत्र स्थित कुशमाहा जंगल में सर्चिंग के दौरान सीआरपीएफ और जिला पुलिस की संयुक्त टीम ने डेढ़-डेढ़ किलो के एक दर्जन आईईडी बरामद किया, जिसे बीडीएस की टीम ने मौके पर नष्ट कर दिया। इलाके में सुरक्षाबलों का सर्च अभियान जारी है।

छत्तीसगढ़ में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़

SUKMA : छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में शुक्रवार सुबह पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। बताया जा रहा है कि जवान नक्सलियों के कोर इलाके में घुसे हैं। 2 से 3 बार रुक-रुक कर गोलीबारी हुई है। फिलहाल, मुठभेड़ खत्म हो गई है और सर्चिंग जारी है। सुकमा एसपी किरण चव्हाण ने मुठभेड़ की पुष्टि की है। जानकारी के मुताबिक, जवानों को सूचना मिली थी कि रायगुड़म इलाके में भारी संख्या में नक्सली मौजूद हैं। इसी सूचना के आधार पर डीआरजी और कोबरा बटालियन के जवानों को मौके के लिए रवाना किया गया था। जहां जवानों को आता देख नक्सलियों ने फायर खोल दिया। इसके बाद जवानों ने भी मोर्चा संभाला और नक्सलियों की गोलियों का जवाब दिया। दोनों तरफ से हुई गोलीबारी में जवानों को भारी पड़ता देख नक्सली जंगल की आड़ लेकर भाग निकले। पुलिस ने उनका पीछा किया और करीब 2 से 3 बार रुक-रुक कर गोलीबारी हुई।

जमशेदपुर से झामुमो प्रत्याशी समीर मोहंती ने किया नॉमिनेशन
मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने कहा- भाजपा परोसती है झूठ, हम जीतेंगे सभी 14 सीटें

- सीएम सहित गठबंधन के कई वरिष्ठ नेता रहे मौजूद
- महंगाई चरम सीमा पर है, लेकिन भाजपा चुप
- मजदूरों के हित के बारे में कभी नहीं सोचा

नामांकन दाखिल करते समीर कुमार मोहंती।

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जमशेदपुर लोकसभा क्षेत्र से झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रत्याशी और बहरागोड़ा के विधायक समीर कुमार मोहंती ने शुक्रवार को नामांकन दाखिल कर दिया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त अनन्य मित्तल को नामांकन पत्र सौंपते समय मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन, राज्यसभा सदस्य महुआ माजी, झामुमो के महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य, जिला अध्यक्ष व घाटशिला के विधायक रामदास सोरेन के अलावा झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता भी मौजूद थे। झामुमो की नामांकन रैली साकची के बोधि मंदिर मैदान से उपायुक्त कार्यालय तक गई। यहां पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने कहा कि भाजपा ने लोगो ने केवल ठगने और झूठ बोलने का काम किया हैं। महंगाई चरम सीमा पर है, लेकिन भाजपा चुप है। मजदूरों के हित के बारे में भाजपा ने कभी नहीं सोचा। जनता समझ चुकी है। इंडिया गठबंधन इस बार झारखंड की सभी 14 लोकसभा सीट से जीतेगी।

कल्पना ने गांडेय विस क्षेत्र में किया जनसंपर्क

GIRIDIH: गांडेय विधानसभा क्षेत्र उपचुनाव में झामुमो प्रत्याशी कल्पना सोरेन ने शुक्रवार को जनसंपर्क अभियान चलाया। मौके पर कल्पना सोरेन ने कहा कि 31 जनवरी को हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद स्थिति काफी बदल गयी। पार्टी के कार्यकर्ता और नेता तनाव में थे कि आगे क्या होगा? कार्यकर्ताओं ने मुझसे आगे आने का आग्रह किया। नेता के प्रति उनका प्यार देखकर मैंने सोचा कि जब तक हेमंत वापस नहीं आ जाते तब तक इस कमी को पूरा करना मेरी नैतिक जिम्मेदारी है और मैं राजनीति में आयी। कल्पना ने कहा कि मैं हेमंत सोरेन से जेल में सप्ताह में एक बार मिलती हूं लेकिन वह एक मुलाकात मनोबल बढ़ाने और ताकत देने के लिए पर्याप्त है। यह चुनाव एक लड़ाई है। एक प्रतियोगिता है, जिसमें हमें झारखंड को विकास की राह पर आगे ले जाना है।

मौजूद रहीं सोनिया, खड़गे और प्रियंका
रायबरेली से राहुल गांधी ने दाखिल किया नामांकन

AGENCY RAEBARELI : लोकसभा चुनाव में यूपी की अमेठी और रायबरेली सीट पर काफी इंतजार के बाद आखिरकार कांग्रेस ने अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। इसी कड़ी में रायबरेली लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी राहुल गांधी ने नामांकन पत्र भी दाखिल कर दिया है। इस मौके पर राहुल गांधी के साथ उनकी मां सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी भी मौजूद रहीं। बता दें, इस सीट से सोनिया गांधी पांच बार सांसद रह चुकी हैं। 2019 में उन्होंने साफ कर दिया था कि वही उनकी आखिरी चुनाव है। फिलहाल वो राज्यसभा सांसद हैं। गौरतलब है कि अमेठी और रायबरेली लोकसभा सीट को लेकर कांग्रेस ने अपने पत्ते नहीं खोल थे। बीजेपी समेत कई राजनीतिद दलों ने इन दोनों सीट से अपने प्रत्याशी के नाम की घोषणा पहले ही कर दी थी। नामांकन भी अधिकतर उम्मीदवारों ने कर दिया था। लेकिन, कांग्रेस की ओर से प्रत्याशी के नाम की घोषणा नहीं की गई थी।

हजारीबाग ले जाए जा रहे थे 7 पेटियों में सोना-चांदी के आभूषण
एसएसटी टीम ने पकड़े पांच करोड़ के जेवर, आईटी विभाग ने शुरू की जांच

CRIME REPORTER RANCHI : रामगढ़ और हजारीबाग की सीमा पर मांडू थाना के समीप बने चेकनाके पर एसएसटी टीम ने पांच करोड रुपए के सोने और चांदी के जेवर जब्त किए गए हैं। रामगढ़ डीसी चंदन कुमार ने बताया कि आयकर विभाग के अधिकारियों की टीम इस पूरे मामले की जांच कर रही है। जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि उसका प्रयोग चुनाव के दौरान होना था या नहीं। उसमें किसी प्रकार की इनकम टैक्स की चोरी तो नहीं की गई है। बताया जाता है कि रांची एयरपोर्ट से सात पेटियों में लगभग पांच करोड रुपए के सोने और चांदी के जेवर लेकर गार्ड आलोक सिंह, ड्राइवर सुमन और स्कॉटर वीरेंद्र हजारीबाग जा रहे थे।

आभूषणों की जांच करते आईटी विभाग के अधिकारी।

सीपीआई के नेशनल सेक्रेटरी अतुल कुमार अंजान का निधन

RANCHI : भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के नेशनल सेक्रेटरी अतुल कुमार अंजान का शुक्रवार सुबह निधन हो गया। 60 साल के अतुल ने लखनऊ के मेयो अस्पताल में आखिरी सांस ली। जानकारी के अनुसार, अतुल कुमार अंजान कैंसर से पीड़ित थे। पिछले एक महीने से लखनऊ के गोमतीनगर स्थित मेयो अस्पताल में मौत से जंग लड़ रहे थे। लेकिन वो यह जंग हार गये और इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। अतुल कुमार अंजान के निधन पर राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत सिंह ने शोक व्यक्त किया है।

हिंसा का एक साल : अभी तक दिखाई नहीं देते सामान्य हालात
मणिपुर में आज भी 250 राहत शिविरों में रह रहे हैं 58 हजार से अधिक लोग

- पिछले साल शुरू हुई इस जातीय हिंसा में अब तक मारे जा चुके हैं 200 से ज्यादा लोग
- पिछले एक साल में कुकी-जोमी इलाकों में नहीं जा पाए हैं राज्य के मुख्यमंत्री

AGENCY IMPHAL : 3 मई को मणिपुर में जारी जातीय हिंसा एक साल पूरा हो गया। इसके बावजूद राज्य में मैतेई और कुकी-जोमी जनजाति के बीच तनाव कम होने का नाम नहीं ले रहा है। कहीं भी सामान्य हालात नहीं दिखाई दे रहे हैं। पिछले साल 3 मई को शुरू हुई इस जातीय हिंसा में अब तक 200 से ज्यादा लोग मारे जा चुके है। आज भी 58 हजार से अधिक बेघर लोग राहत शिविरों में तकलीफों झेल रहे हैं। राज्य की कानून-व्यवस्था की स्थिति इतनी खराब है कि जेड सुरक्षा के साथ भी राज्य के मुख्यमंत्री पिछले एक साल में कुकी-जोमी इलाकों में जानमाल के नुकसान का जायजा लेने नहीं जा पाए है। यहां समाज बिखर चुके हैं। दफ्तर हों या अस्पताल, कहीं भी सरकारी सिस्टम नहीं बचा है। सरकार के सर्कुलर के बावजूद सरकारी दफ्तरों से कर्मचारी गायब हैं।

करीम सिटी कॉलेज में सत्यजित राय की स्मृति में व्याख्यान का आयोजन
किसी कलाकार के लिए पॉलिटिकली करेक्ट बने रहना चुनौती : चंदन

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : करीम सिटी कॉलेज के साकची स्थित कैंपस के ऑडिटोरियम में शुक्रवार को 'सत्यजित राय स्मृति व्याख्यान' का आयोजन किया गया। इसमें 'सत्यजित राय का अपूर्व संसार' नाम की पुस्तक का लोकार्पण किया गया। इसमें कुल 41 लेखकों के आलेख संग्रहित किए गए हैं ।

भारतीय सिनेमा में सत्यजित राय का बड़ा मुकाम : कार्यक्रम के दौरान बतौर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद प्रसिद्ध कथाकार एवं वरिष्ठ साहित्यकार चंदन पांडेय ने कहा कि किसी भी कलाकार के लिए हमेशा पॉलिटिकल करेक्ट होना बेहद चुनौती पूर्ण कार्य है। उन्होंने कहा कि हमें ऐसा लगता है कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के निधन पर पूरे देश में जिस तरह से गांव-गांव में अस्थि कलश भेजा गया, वह पहली बार हुआ लेकिन नायक खड़ा करने के प्रयास अतीत में भी हुए हैं। हकीकत यह है कि महात्मा गांधी की हत्या के बाद तत्कालीन सरकार ने भी देश में पैदा हुई संवेदना को दिशा देने का प्रयास किया था। उन्होंने कहा कि कई बार हमें आगे बढ़ने के लिए इतिहास को एक धक्का देना पड़ता है। धक्के से पैदा हुई गति इतनी तेज होती है कि कई बार यह हमें कुचलकर आगे निकल सकती है लेकिन इसमें समन्वय बनाए रखना ही सबसे बड़ा कौशल होता है। 'सत्यजित राय का अपूर्व संसार' नाम से संपादित डॉ विजय शर्मा की पुस्तक का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इसमें कई बहुत अच्छे और महत्वपूर्ण लेख हैं। उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से सत्यजित राय भारतीय फि ल्म जगत की सबसे बड़ी शख्सियत रहे हैं। आज अलग-अलग भाषाओं में उन पर बहुत कुछ लिखा गया है लेकिन किसी भी फिल्मकार,साहित्यकार अथवा कलाकार का पुनर्मूल्यांकन निरंतर होते रहना चाहिए। इससे संबंधित व्यक्तित्व के अंदर छिपी अलग-अलग प्रतिभा का पता चलता है।

पुस्तक का विमोचन करतीं डॉ. नेहा तिवारी, डॉ. विजय शर्मा, डॉ. अशोक कुमार झा 'अविचल', प्रसिद्ध कथाकार चंदन पांडेय, डॉ. मो. रियाज, पूर्वी घोष व डॉ. क्षमा त्रिपाठी।

ऑनलाइन शामिल हुए आशीष

कार्यक्रम नई दिल्ली फिल्म फाउंडेशन के महासचिव आशीष कुमार सिंह ने ऑनलाइन हिस्सा लिया। सत्यजित राय पर बोलते हुए उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि सत्यजित राय की फिल्मों में सभी पात्रों को पर्याप्त महत्व दिया जाता रहा है। कई लोगों का ऐसा मानना है कि सत्यजित राय की फिल्मों के बगैर भारतीय सिनेमा की कल्पना अधूरी है। उनकी फिल्मों में इतिहास के अलग-अलग कालखंडों के दर्शन होते हैं।

झारखंड के जुड़ाव का जिक्र

कार्यक्रम में स्वागत भाषण करीम सिटी कॉलेज के प्राचार्य डॉ मोहम्मद रियाज ने दिया। उन्होंने सत्यजित राय की फिल्म पाथेर पांचाली और झारखंड के जुड़ाव का जिक्र किया। कार्यक्रम का संचालन करीम सिटी कॉलेज के जनसंचार विभाग की विभागाध्यक्ष एवं अंग्रेजी विभाग की वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक डॉ नेहा तिवारी ने किया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन साहित्य कला फाउंडेशन की मुख्य ट्रस्टी डॉ. क्षमा त्रिपाठी ने किया।

मास कम्युनिकेशन विभाग ने आयोजित किया कार्यक्रम

करीम सिटी कॉलेज के मास कम्युनिकेशन विभाग की ओर से आयोजित यह कार्यक्रम साहित्यिक संस्था 'सृजन संवाद', 'साहित्य कला फाउंडेशन' तथा 'नई दिल्ली फिल्म फाउंडेशन के सहयोग हुआ। इस दौरान अतिथियों ने फिल्म निर्देशक सत्यजित राय पर आधारित विजय शर्मा की संपादित पुस्तक का विमोचन किया। यह पुस्तक दो भागों में लिखी गई है।

चुनावी कैंपेन में भाग लेने का मिल सकता है मौका
केजरीवाल की अंतरिम बेल पर सुप्रीम कोर्ट करेगा विचार

AGENCY NEW DELHI : दिल्ली शराब नीति मामले में अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी और रिमांड पर सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को दो घंटे बहस हुई। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच ने कहा कि लोकसभा चुनाव को देखते हुए केजरीवाल की अंतरिम जमानत पर विचार किया जा सकता है, ताकि वे कैंपेन में हिस्सा ले सकें। बेंच ने कहा कि मेन केस यानी जिसमें केजरीवाल ने अपनी गिरफ्तारी और रिमांड को चुनौती दी है, इसमें समय लग सकता है। इसलिए चुनाव को देखते हुए हम उनकी अंतरिम जमानत याचिका पर सुनवाई पर विचार कर सकते हैं। केजरीवाल और ईडी तैयार रहें। हम 7 मई को इस पर सुनवाई करेंगे। केजरीवाल की ओर से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी और ईडी की तरफ से एएसजी एसवी राजू ने सुप्रीम कोर्ट में दलीलें रखीं। सिंघवी ने एक बार फिर गिरफ्तारी के आधार पर सवाल उठाया। वहीं एसवी राजू ने केजरीवाल की गिरफ्तारी का आधार बताया।

मेकअप धुलेगा नहीं, खिलेगा!

■ मेकअप सुन्दर और टिकाऊ होने के लिए सबसे पहले त्वचा का स्वस्थ और सुन्दर होना सबसे आवश्यक है। बरसात के मौसम में वातावरण में मौजूद नमी के कारण रोमछिद्र ब्लॉक हो जाते हैं। इसलिए आप सुबह अपनी त्वचा को स्क्रब कर लीजिए। रात को सोने के पहले चेहरे को फेस वॉश से क्लीन कर लीजिए। इससे त्वचा साफ और सुकोमल रहेगी।

■ बरसात के दिनों में मेकअप टिकाऊ रहे इसके लिए वॉटर प्रूफ पैन स्टिक, और वॉटर प्रूफ पैन-केक का इस्तेमाल आप बेस बनाने के लिए कर सकती हैं। पार्टी में जाते समय आप चाहें तो केवल टू-वे केक का इस्तेमाल भी बेस के लिए कर सकती हैं। इससे भी मेकअप काफी देर तक टिका रहता है।

■ आंखों को बड़ा और सुन्दर दिखने के लिए आई लाइनर लगाते समय ध्यान रखना चाहिए कि लाइनर वॉटरप्रूफ हो ताकि बूंदा-बांदी पड़ने पर फैले नहीं। अगर आप रोज-रोज लाइनर नहीं लगाना चाहती हैं तो आप पर्मानेंट आई लाइनर भी लगावा सकती हैं। इससे आंखें हर समय और हर मौसम में सुन्दर दिखती हैं।

■ आजकल कजरारे नैनों का फैशन है, लेकिन बरसात के दिनों में पानी से काजल फैलने की संभावना बनी रहती है इसलिए इस मौसम में वॉटरप्रूफ आई लाइनर का इस्तेमाल आप चाहें तो काजल की जगह कर सकती हैं। अच्छा रहेगा कि आप आंखों में पर्मानेंट काजल करवालें इससे काजल फैलने का डर भी नहीं रहेगा और आंखें हर पल कजरारी नजर आएंगी।

■ पलकें ज्यादा कर्ली, धनी और सुन्दर दिखे इसके लिए आप इस मौसम में वॉटरप्रूफ मस्कारा का प्रयोग करें तो अच्छा रहेगा। आप किसी अच्छे कॉस्मेटिक क्लीनिक से पर्मानेंट मस्करा भी लगवा सकती हैं इससे आपको रोज-रोज मस्कारा लगाने की जरूरत नहीं होगी क्योंकि पर्मानेंट मस्कारा 10-15 दिनों तक टिकता है।

■ आप अगर बिन्दी लगाने जा रहें हैं तो इस मौसम में अच्छी क्वालिटी की चिपकने वाली बिन्दी का प्रयोग करें क्योंकि लिक्विड अथवा पाउडर बिन्दी इस मौसम में टिक नहीं पाती। खास मौकों पर आप किसी अच्छे ब्यूटी क्लीनिक से वॉटरप्रूफ बिन्दी भी बनावा सकती हैं।

■ बरसात के मौसम में होंठ सुन्दर दिखे और लिपस्टिक देर तक टिकी रहे इसके लिए आप पहले लिप लाइनर से होंठों को शेप दें और फिर मैट लिपस्टिर लगाकर पाउडर पफ से ट्रॉस्परेंट पाउडर लगा लें, इसके ऊपर लिप ग्लौस लगा लीजिए। लिपस्टिक देर तक टिकेगी भी और सुन्दर भी दिखेगी।

■ इस मौसम में बालों को सैट करने के लिए हेयर स्टाईलिंग जैल और कर्लिंग स्टाइल से बालों को सैट नहीं करना चाहिए। इससे भींगने पर बाल चिपचिपे हो जाते हैं और कर्ल किए गए बाल कर्ल भी नहीं रह पाते हैं। बेहतर होगा कि इस मौसम में आप नेचुरल और अनकेप्ट हेयर स्टाइल रखें।

■ वर्षा में भींगने से ऑयल और मैल के कारण बालों में चिपचिपापन आ जाता है इसलिए भींगे बालों को माइल्ड शैम्पू से साफ कर लें।

■ शिफॉन, रेशमी, स्टार्च वाले कपड़े इस मौसम में नहीं पहनने चाहिए क्योंकि ये खराब हो जाते हैं। महीन सूती कपड़े जो पानी में भींगने पर ट्रॉनसिपरेंट हो जाते हैं जहां तक संभव हो नहीं पहनने चाहिए। बेहतर होगा कि आप थिक कॉटन, टेरीकॉटन या क्रेप जैसे कपड़े इस मौसम में पहनें यह शरीर के लिए आरामदायक और अनुकूल भी रहेंगे।

कावुली चना अचार

सामग्री : 150 ग्राम काबुली चना, 1 टेबलस्पून नमक, 1 टीस्पून सरसों का पाउडर, 1 टेबलस्पून सौंफ, 1 टीस्पून कलौंजी, 1/4 टीस्पून हींग, आधा टीस्पून हल्दी, 1 टेबलस्पून लाल मिर्च पाउडर, 200 मिली। सरसों या तिल का तेल।

विधि : कच्चे आम के पानी में काबुली चना, हल्दी और नमक मिलाकर रातभर के लिए भिगोकर रख दें। सुबह उसमें सरसों पाउडर और हल्दी मिलाएं। सौंफ, कलौंजी और हींग मिलाकर एक साथ भून लें। इसे काबुली चना के मिश्रण में डालकर अच्छी तरह से मिला लें। कड़ाही में तेल को गरम करें। फिर ठंडा होने के बाद उसमें काबुली चना का मिश्रण मिलाकर 8 घंटे के लिए रख दें।

खरीदारी करते समय...

● खरीदारी करने के लिए बार-बार न जाएं। बेहतर यही है कि शॉपिंग के लिए जाने से पहले आवश्यक वस्तुओं की सूची बना ली जाए और कोशिश करें कि माह में एक-दो बार में ही सारी वस्तुएं खरीद ली जाएं। इस तरह समय की बचत के साथ अनावश्यक खर्च भी कम होगा।

● बाजार में वस्तुओं के प्रचलित दामों के उतार-चढ़ाव पर नजर रखें। महंगी वस्तुओं की खरीदारी से पूर्व उनकी गुणवत्ता व मूल्य की जांच-पड़ताल कर लें।

● घर में आय-व्यय का संकलन रजिस्टर बनाएं, जिसमें खरीदी गई मुख्य वस्तुओं का विवरण दिनांक व मूल्य सहित अंकित करें। महंगी वस्तुओं की रसीद विक्रेता से अवश्य लें तथा उसे भी संकलन रजिस्टर में नत्थी करें।

● पारिवारिक आय को ध्यान में रखते हुए ही खरीदारी करें।

● खरीदारी करते समय यह ध्यान रखना बहुत जरूरी है कि कहीं आपकी खरीदारी से घर-परिवार के जरूरी एवं आकस्मिक खर्चे जैसे बिजली, पानी, टेलीफोन के बिल, दूध, धोबी, अखबार वाले का भुगतान, बच्चों की फीस अथवा ट्यूशन आदि का भुगतान तो प्रभावित नहीं हो रहा?

● 'कम खर्च बालानंसी' को ध्यान में रखते हुए अनावश्यक खरीदारी से बचें।

● बच्चों में बचत करने की आदत विकसित करें। आवश्यक जरूरतों को छोड़कर घर में ज्यादा नकदी न रखें। नजदीक के डाकघर या बैंक में ही बचत पास बुक खुलवाएं ताकि जरूरत पड़ने पर रूपये आसानी से निकलवाये जा सकें।

रूसी से बचने के उपाय

1. बालों की जड़ों को छूते हुए, मोटे दांत वाले, उत्तम क्वालिटी के कंघे से नियमित कंघी करें। पांच मिनट तक कंघी करने से बालों में जमा गंदगी त्वचा से छूटेगी।
2. कंघी करने के पश्चात गोल दांतों वाले ब्रश से पांच मिनट तक बालों में आहिस्ता-आहिस्ता ब्रश करें। रक्तसंचार तेज होगा।
3. कंघी व ब्रश करते वक्त ध्यान रहे कि रूसी चेहरे या खुले अंगों पर न गिरे। बालों को चेहरे के पीछे की तरफ ब्रश करें व जहां-जहां रूसी गिरी हो, उस स्थान को किसी एंटीसेप्टिक की सहायता से पोंछ लें।
4. रूसी वाले कंघे व ब्रश को गर्म पानी व साबुन से धो डालें व थोड़ी देर धूप में रखें या एंटीसेप्टिक लगाएं।
5. सप्ताह में एक या दो बाद एंटीसेप्टिक तेल से सिर की मालिश करें। मालिश करने के बाद बालों को भाप दें। इससे तेल बालों की गहराई तक जाता है और बालों को पर्याप्त ऑक्सीजन प्राप्त होता है।
6. बालों को धोने के बाद हर्बल पैक लगाएं। इस हर्बल पैक से रूसी भी दूर होगी, साथ ही बालों को अतिरिक्त खुराक भी मिलेगा।
7. सप्ताह में एक बार गुनगुने तेल में 8-10 बूंदें कैलेंडुला क्यू मिलाकर मालिश करें। तीन-चार घंटे बाद बाल धो लें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-2-5-7

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। रूकावटें आएंगी। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-2-6-8

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-1-4-6

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-2-4-6

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। शुभांक-5-7-8

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। शांतिपूर्वक कार्य करें। धार्मिक यात्रा का योग हैं। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। शुभांक-2-5-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-5-6

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहें। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। शुभांक-4-7-9

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-3-5-9

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-3-6-8

काकुरो पहेली - 3171

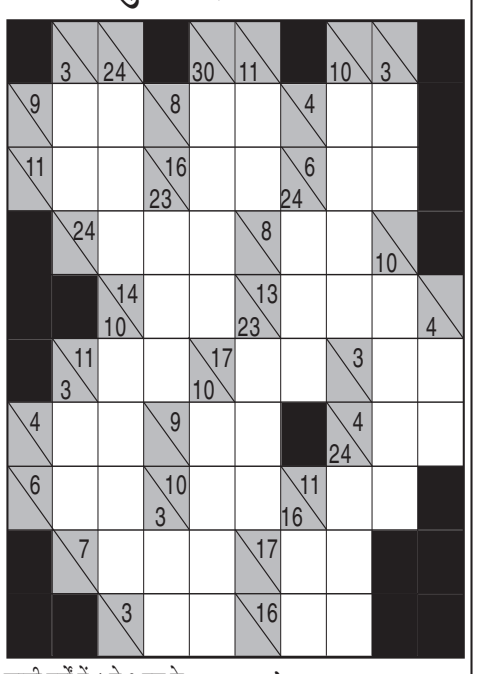

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

	1	2	3	4
1				
2				
3				

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4=15
1+2+3+4=16

काकुरो - 3170 का हल

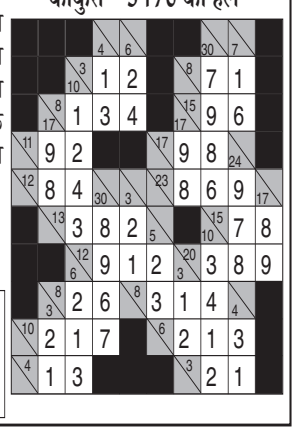

हंसी के फव्वारें

सेकेंड क्लास के डिब्बे में बहुत ज्यादा भीड़ थी. एक यात्री ने उसमें चढ़ने की कोशिश की . तभी अन्दर से किसी ने कहा- 'इधर जगह नहीं है कोई दूसरा कम्पार्टमेंट देखिए!'

'अरे भई! मुझे तो सिर्फ खड़े रहने भर के लिए स्थान चाहिए.' बाहर वाले ने कहा.

'तो फिर प्लेटफार्म पर ही आराम से खड़े रहिए न. अन्दर आकर हमको क्यों तंग करते हो?' अन्दर से तुरन्त आवाज आई.

□ □ □

सुरेश को गम्भीर सोच में डूबे देखकर उसके मित्र नरेश ने पूछा- 'क्यों भई,इतनी गहराई से क्या सोच रहे हो?'

'बेटे के कारण मैं बहुत परेशानी में हुँ . कुछ समझ में नहीं आता कि क्या करूँ? मैं चाहता हूँ कि वह जज बने. बेटे की मां चाहती है कि वह प्रोफेसर बने और बेटा डाक्टर बनने की जिद किये बैठा है.'

'तुम्हारे लड़के की उम्र कितनी है?' नरेश ने जिज्ञासावश पूछा.

'चार साल!' सुरेश ने बताया.

इसपर नरेश ने अपना माथा पीट लिया.

□ □ □

शालिनी - मेरे पिताजी का साहित्य में गहरा योगदान है.

रीतू -क्या वे बहुत बड़े लेखक हैं?

शालिनी ने कहा- नहीं, वे किताबों की जिल्दसाजी करते हैं.

फिल्म वर्ग पहेली- 3171

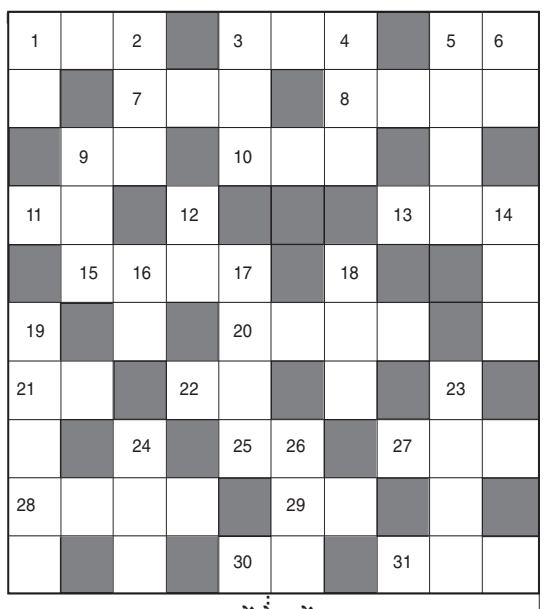

ऊपर से नीचेः-

१. 'दुनिया हसीनों का' गीत वाली बॉबी देओल, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
२. अनिल धवन, नीतूसिंह की 'अपने दिल में जगह' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मैं निकला' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-३
४. करण दीवान, वैजयंती की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-३
५. 'किताबें बहुत सी' गीत वाली शाहरूख, काजोल, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-४
६. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'बांसुरी बजाय के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'मिलने से पहले' गीत वाली शरद कपूर, मुकुल आनंद, सुष्मिता की फिल्म-३
१२. विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'एक तो ये बैरी' गीत वाली दिलीपकुमार, शर्मिला की फिल्म-३
१६. रितिक, करीना की 'ए री रे एरी क्या है' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आपका चेहरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, नसीर, सोनू, पल्लवी की फिल्म-४
१८. गोविंदा, ऋषिकपूर, नीलम, मीनाक्षी की 'तेरे डैडी ने दिया' गीत वाली फिल्म-३
१९. शाहरूख, सैफ, प्रीती जिंटा की 'कुछ तो हुआ है' गीत वाली फिल्म-२,१,१,१
२३. अमिताभ, सलमान, हेमा की 'चली चली फिर चली' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'इंतहा हो गई' गीत वाली फिल्म-३

बायें से दायें:-

१. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'जब दिल चुराए' गीत वाली फिल्म-३
३. 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली धर्मेन्द्र, रेखा की फिल्म-३
५. सलमान, नगमा की 'चांदनी रात है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'टुट गई तड़क करके' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी की फिल्म-३
८. अनिल धवन, रेहाना सुल्तान की 'दिल बेचैन रहा' गीत वाली फिल्म-२,२
९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली संजयदत्त, सलमान खान, रवीना की फिल्म-२
१०. डैनी, विनोद मेहरा, मौसमी की 'संसार है एक' गीत वाली फिल्म-३
११. 'गाड़ी बुला रही है' गीत वाली धर्मेन्द्र हेमा की फिल्म-२
१३. जीतेन्द्र, रामेश्वरी की 'काहे बिंदिया लगाई' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'वो लड़की बहुत' गीत वाली अजय देवगन, नेहा धूपिया की फिल्म-४
२०. बॉबी, अक्षय खन्ना, अमीषा की 'दिल ने कर लिया' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'मुझे साजन के' गीत वाली अनिल, जैकी, मनीषा, माधुरी की फिल्म-२
२२. सनी, सुनील, सेलिना की 'प्यार होने लगा' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल की फिल्म-२
२७. फरदीन खान, उर्मिला की 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'लाल लाल होठों पे' गीत वाली अजय देवगन, जूही की फिल्म-४
२९. फिल्म 'एलओसी' में अजय देवगन के साथ किस की जोड़ी है-२
३०. 'सोल्जर' में प्रीति का नायक?-२
३१. 'मेरे दिल का पता' गीत वाली राहुल राय, दीपक, पूजा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3170

ए	ल	ओ	सी		जा	नी	दु	श्म	न
क		म		दि	ल		श्म		गी
रि	श्ते		फू	ल		अ	न	जा	ना
श्ता		शू		वा	स्त	व		नू	
	दि	ल	ज	ले		ता	रा		प्रि
	ल्ल		ख्म		आ	र	जू		य
सं	गी	त		खु	शी		चा	ह	त
ग		ला	वा		र्वा		चा		मा
म	हे	श		आ	द	मी		बू	
	मा		रं	ग		ना	ग	म	णि

सूडोकु -3171

		5			8			
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6						1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
			2			7		

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3170 का हल

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

शब्द पहेली - 3171

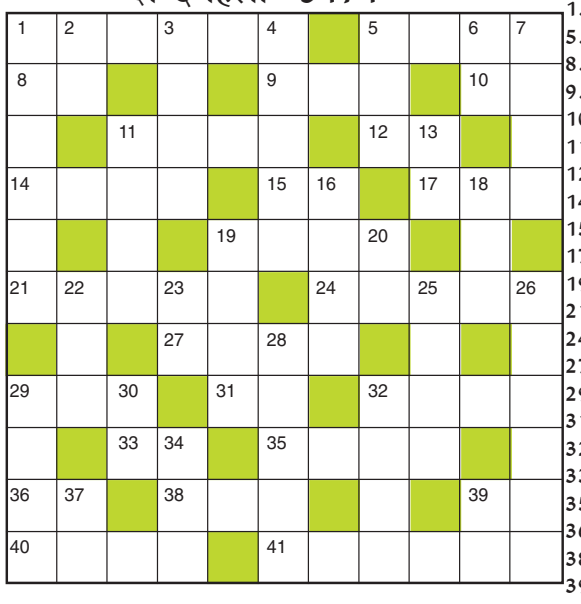

बाएँ से दाएँ

1. अत्यावश्यक-6
5. कारागार,जेल-4
8. पानी,नीर-2
9. मीन,मत्स्य-3
10. लक्ष्मी,कमला-2
11. कलाकार,फनकार-4
12. मर्द,मादा का विलोम-2
14. हसरत,मुराद-4
15. कैद में,अवरुद्ध,रुका-2
17. भूमि,धरती-3
19. मतवासा,मदहोश-4
21. फिल्मी दुनिया-3,3
24. दुर्भाग्यशाली-5
27. ठोकर लगना,भिड़ना-4
29. दौंडी पीटना-3
31. सांप,सर्प-2
32. दाल-4
33. हूर,अप्सरा-2
35. गाड़ी चलाने वाला-4
36. पिता का छोटा भाई-2
38. पुत्र,बेटा-3
39. टॉटी,नलका-2
40. ललचाना,तड़फाना-4
41. टाऊन हाल, नागरिक भवन-2,4

ऊपर से नीचे

1. ईश्वर,अनश्वर-3,3
2. तेलहन-2
3. सुखद वस्तु, वर देना-4
4. करधनी,कमर पेटी-5
5. गलीचा-3
6. दिन-2
7. समस्या का हल-4
11. धरोहर,थाती-4
13. मिट्टी,धूल-2
16. चमकना-4
18. वायुसेना का एक विमान-3
19. इतराना-4
20. परत-2
22. जाप करना-3
23. किवाड़,द्वार-2
25. उदाहरणतः-4
26. परवरिश-3,3
28. राग छेड़ना-5
29. भेंट,मेल-मिलाप-4
30. दिया,दीपक-2
32. औषधालय, दवाखाना-4
34. खाली होना-3
37. छोटी सवारी गाड़ी-2
39. नया,नवीन-2

शब्द पहेली -3170 का हल

	बि	रा	द	री		ज	य	मा	ला	
बि	ल		श		का	य	म		श	व
रा		म	ह	क	ना		ज	रा		र्त
द	र	द	रा			सा		ग	रि	मा
र		हो		ब	सु	ध	र		या	न
	कु	श	ल		दा		जा	य	ज	
मि	ली		क	रा	मा	त		म		अ
ला	न	त		त			प	रा	धी	न
ब		ल	ता		अ	च	र	ज		ब
ट	ब		ली	न	ता		र्त		मी	न
	स	ला	म	त		मि	त्र	व	त	

झारखंड हाईकोर्ट से पूर्व मुख्यमंत्री को नहीं मिली राहत, SC में होनी है सुनवाई

गिरफ्तारी के खिलाफ चुनौती देने वाली हेमंत सोरेन की रिट खारिज

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड हाईकोर्ट से पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को राहत नहीं मिली है। उनकी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका को हाई कोर्ट ने शुक्रवार को खारिज दी है। इस रिट पिटिशन पर दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाई कोर्ट ने 28 फरवरी को फैसला सुरक्षित रख लिया था। एक्टिंग चीफ जस्टिस एस. चंद्रशेखर और जस्टिस नवनीत कुमार की खंडपीठ ने हाइब्रिड मोड में याचिका को खारिज कर दिया। इस मामले में 6 मई को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होनी है। हेमंत सोरेन की ओर से वरीय अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अधिवक्ता पियूष चित्रेश ने बहस की थी जबकि ईडी की ओर से एएसजीआई एसवी राजू और अमित दास ने बहस की। हेमंत सोरेन की ओर से दलील दी गई थी कि जिस मामले में उनकी गिरफ्तारी हुई है, वह शिड्यूल ऑफिंस नहीं है। उनके खिलाफ मनी लॉड्रिंग का भी मामला नहीं बनता है। बगड़ाई अंचल की जिस जमीन की बात की जा रही है, उसके दस्तावेज में उनके नाम का भी जिक्र नहीं है। हालांकि, ईडी की ओर से दलील दी गई थी कि समन के बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पावर और पोजिशन का गलत इस्तेमाल कर साक्ष्य को नष्ट कराने की कोशिश की थी। झारखंड हाई कोर्ट द्वारा इस मामले में 28 फरवरी को फैसला सुरक्षित रखने के बाद फैसला आने में देरी के खिलाफ हेमंत सोरेन ने सुप्रीम कोर्ट में भी याचिका दाखिल की है, जिसमें कहा गया है कि फैसला नहीं आने से वह लोकसभा चुनाव प्रचार में भाग नहीं ले पा रहे हैं। हेमंत सोरेन को 31 जनवरी को ईडी ने गिरफ्तार किया था, जिसके खिलाफ उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में

शर्तों के साथ अपने चाचा के श्राद्धकर्म में हेमंत को शामिल होने की इजाजत

मीडिया से नहीं कर सकते बात, न ही दे सकेंगे किसी तरह का राजनीतिक भाषण : धीरज

इस मामले में झारखंड हाईकोर्ट के वरीय अधिवक्ता धीरज कुमार ने कहा कि झारखंड उच्च न्यायालय में रंगन मुखोपाध्याय के अदालत में पूर्व मुख्यमंत्री झारखंड हेमंत सोरेन के औपबंधिक जमानत याचिका को खारिज कर दिया। न्यायालय ने सभी पक्षों को सुनने के बाद ये फैसला दिया। उन्हें पुलिस कस्टडी में ही 6 मई को श्राद्धकर्म शामिल होने को कहा गया है। इस दौरान वे न तो मीडिया से बातचीत कर सकेंगे और न ही किसी प्रकार का राजनीतिक भाषण दे सकेंगे।

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड हाईकोर्ट से पूर्व सीएम हेमंत सोरेन को बड़ी राहत मिली है। जस्टिस आर मुखोपध्याय की अदालत ने शुक्रवार को उन्हें अपने चाचा के श्राद्धकर्म में 6 मई को कुछ शर्तों के साथ शामिल होने की अनुमति दे दी है। हालांकि वह पुलिस कस्टडी में इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस दौरान वह मीडिया से भी बात नहीं कर सकेंगे। इससे पहले अदालत ने हेमंत सोरेन को अपने चाचा के अंतिम संस्कार में औपबंधिक जमानत देने से इनकार कर दिया। गौरतलब है कि 31 जनवरी को ईडी ने उन्हें जमीन घोटाला मामले में पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया था। बता दें कि कुछ दिनों पहले ईडी की विशेष अदालत ने पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की औपबंधिक जमानत याचिका खारिज कर दी थी। उन्होंने अदालत से अपने चाचा के निधन पर जमानत याचिका दायर कर श्राद्धकर्म में शामिल होने की इजाजत मांगी थी। बता दें कि हेमंत सोरेन के पिता शिबू सोरेन के बड़े भाई का निधन हो गया था। वह लंबे अरसे से बीमार चल रहे थे।

हेमंत से जुड़े जमीन घोटाला मामले में कई लोग हो चुके हैं गिरफ्तार : ज्ञात हो कि हेमंत सोरेन से जुड़े जमीन घोटाला मामले में अब तक कई लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। कुछ दिन पहले ईडी ने इस मामले में 4 लोगों को गिरफ्तर किया था। इसमें एक जेएमएम नेता भी शामिल थे। इससे पहले अंचल अधिकारी भानु प्रताप, आर्किटेक्ट विनोद सिंह, राजकुमार पाहन, अफसर अली खां, मो सद्दाम, प्रदीप बागची, इम्तियाज अहमद, फयाज, तल्हा खान की गिरफ्तारी हो चुकी है। बाद में जेएमएम नेता अंतु तिर्की, ठेकेदार बिपिन सिंह, जमीन कारोबारी प्रियरंजन सहाय, इरशाद की गिरफ्तारी हुई थी।

जेपीएससी सिविल सेवा 2017 के पीटी रिजल्ट को चुनौती

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट में झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) संयुक्त असैनिक सेवा बैकलॉग प्रतियोगिता-2017 के तहत राज्य पुलिस सेवा, कारा सेवा, नियोजन सेवा में नियुक्ति को लेकर पीटी के रिजल्ट को चुनौती देने वाली आलोक रंजन की याचिका की सुनवाई शुक्रवार को हुई। मामले में जस्टिस एसके द्विवेदी की कोर्ट ने जेपीएससी को चार सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।

याचिकाकर्ता के अधिवक्ता शुभाशीष रसिक सोरेन एवं अधिवक्ता अविनाश कुमार ने पक्ष रखा। उन्होंने कोर्ट को बताया कि जेपीएससी ने संयुक्त असैनिक सेवा बैकलॉग प्रतियोगिता-2017 के तहत 10 पदों के लिए विज्ञापन संख्या 27/ 2017 निकली थी। इसके लिए वर्ष 2024 में पीटी परीक्षा ली गई थी। इसके बाद जीपीएससी ने आंसर की एवं संशोधन संशोधित आंसर की निकला था लेकिन दोनों में ही त्रुटि थी। इस कारण जीपीएससी की पीटी रिजल्ट भी त्रुटि पूर्ण है। इसलिए रिजल्ट को लेकर एक एक्सपर्ट कमेटी बनाई जाए। याचिकाकर्ता का कहना था कि एक प्रश्न के कारण उसका चयन नहीं हो सका।

हाईकोर्ट से राज्य के महाधिवक्ता और अपर महाधिवक्ता को राहत

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट ने राज्य के महाधिवक्ता एवं अपर महाधिवक्ता पर आपराधिक अवमानना मामला चलाने से संबंधित कोर्ट के स्वतः संज्ञान पर शुक्रवार को फैसला सुनाया। हाई कोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने महाधिवक्ता राजीव रंजन और अपर महाधिवक्ता सचिन कुमार को मामले में राहत देते हुए उनके खिलाफ अवमानना याचिका को सुनवाई योग्य नहीं माना। हाई कोर्ट ने 23 जनवरी को सभी पक्षों को सुनने के बाद मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया था। हाई कोर्ट के जस्टिस एसके द्विवेदी की अदालत ने 01 सितंबर, 2021 को एक मामले में सुनवाई के दौरान स्वतः संज्ञान लेते हुए इन दोनों पर अवमानना का मामला चलाने का निर्देश दिया था। साथ ही अदालत ने हाई कोर्ट रूल के अनुसार अवमानना का मामला चलाने के लिए मामले को वर्ष 2021 में खंडपीठ में भेज दिया था। साहिबगंज की महिला थाना प्रभारी रूपा तिर्की की मौत मामले में याचिकाकर्ता ने अदालत में महाधिवक्ता और अपर महाधिवक्ता के खिलाफ अवमानना चलाने के लिए हस्तक्षेप याचिका (आईए) दाखिल की थी।

KOLHAN/ODISHA

डॉली साहू हत्याकांड में पति को 7 साल की सजा

JAMSHEDPUR : कदमा के डॉली साहू दहेज हत्याकांड में अभियुक्त पति सोनू सिंह को जमशेदपुर कोर्ट ने सात साल के कारावास और दस हजार जुमार्ने की सजा सुनाई है। मृतका डॉली साहू का फांसी से लटका शव 24 सितंबर 2020 को कदमा थाना क्षेत्र के अनिल सूर पथ स्थित ससुराल में पाया गया था। शव पर काफी चोट के निशान थे, फिर भी पुलिस दहेज हत्या का केस नहीं करके अस्वाभाविक मौत का केस कर रही थी। छत्तीसगढ की रहने वाली मृतका के पिता अनिल साहू ने अपनी बेटी की दहेज के लिए हत्या का आरोप लगाया था। 2019 में बेटी की शादी के बाद से ही उसे पति और ससुराल वाले दहेज के लिए मानसिक और शारीरिक रुप से प्रताड़ित करते थे। उनलोगों ने दो लाख रुपये की मांग की थी। उनका दामाद शराब पीकर अक्सर बेटी के साथ मारपीट करता था। आरोपी पति सोनू सिंह घटना के बाद से फरार था। कोर्ट के आदेश पर कदमा थाने में दहेज प्रताड़ना और दहेज हत्या का मामला दर्ज हुआ। आगे चलकर आरोपी पति ऑटो चालक सोनू सिंह की गिरफ्तारी हुई। इस मामले में ससुरालवालों के खिलाफ अनुसंधान जारी है।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के सहप्रभारी बने रिंकू

JAMSHEDPUR : भाजपा, अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अनवर हयात ने शुक्रवार को लोकसभा चुनाव के लिए राज्य भर में प्रभारी, संयुक्त प्रभारी एवं सहप्रभारी की घोषणा की है। इसमें जमशेदपुर लोकसभा के लिए इरशाद अहमद अंसारी को प्रभारी और रविंदर सिंह रिंकू, इलयास अली वारसी एवं बलबीर सिंह बबलू को सहप्रभारी नियुक्त किया गया है।

रेलवे मेंस कांग्रेस के भवन पर चला बुलडोजर, ध्वस्त

JAMSHEDPUR : चक्रधरपुर रेल मंडल प्रशासन ने शुक्रवार को रेलवे मेंस कांग्रेस के भवन को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। टाटानगर स्टेशन परिसर में बने रेलवे मेंस कांगेस के कार्यालय परिसर में निर्मित अक्षय भवन को ध्वस्त किया गया है। बीते दिनों रेल प्रशसन ने इस भवन को सील कर दिया था। इसके बाद से ही यह तय हो गया था कि रेल प्रशासन इस भवन को किसी भी समय धराशायी कर सकता है।

रेलवे अंडरपास से परेशान लोगों ने डीआरएम से लगाई गुहार

POTKA : पोटका प्रखंड स्थित हाता में रेलवे फाटक बंद करके एक माह पहले रेलवे अंडरपास से आवागमन शुरू किया गया है, जिससे स्थानीय निवासी काफी परेशान हैं। रेलवे लाइन के नीचे कोई शेड नहीं होने और अंडरपास की सड़क जर्जर होने से बेतहाशा धूल उड़ती है। इसी बात को लेकर स्थानीय निवासियों ने डीआरएम से गुहार लगाई है। शुक्रवार को हलुदपुकुर (हल्दीपोखर) रेलवे स्टेशन में विभिन्न समस्याओं को लेकर मुखिया देवी कुमारी भूमिज के नेतृत्व में महिलाओं ने डीआरएम के नाम स्टेशन मास्टर मणिकांत कुमार को मांग पत्र सौपा है।

राज्य स्तरीय बाल साहित्य व सारस्वत महोत्सव 16 जून से, तैयारी को लेकर हुई बैठक

ROURKELA : शहर में 16 जून को राज्यस्तरीय बाल साहित्य एवं सारस्वत महोत्सव की तैयारी शुरू हो गयी है। पार्वती-गोविंदा साहित्य संसद एवं रश्मिप्रभा संस्थान के तत्वावधान में होने वाले इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए वरिष्ठ बालसाहित्यकार त्रिलोचन माथन के नेतृत्व में तैयारी बैठक आयोजित हुई। बैठक में बाल साहित्य महोत्सव में राज्य के सभी जिलों से प्रतिनिधि भाग लेंगे। इस अवसर पर प्रकाशित होने वाली स्मारिकाओं में राज्य के सभी जिलों के बाल साहित्यकारों की रचनाओं को प्रकाशित करने की पहल शुरू कर दी गयी है। इसके साथ ही प्रदेश के बाहर से चयनित बाल साहित्यकारों की रचनाएं भी रखी जा रखने की निर्णय लिया गया है। इस महोत्सव के दौरान राज्य के हर जिले से एक बाल साहित्यकार को प्रोत्साहित किया जायेगा।कार्यक्रम के आयोजन को लेकर आयोजन समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये। आयोजन समिति के कार्यकारी अध्यक्ष प्रशांत पति, उपाध्यक्ष उपेन्द्र बस्तिया और प्रकाश सेठी, महासचिव शशधर पांडा, संगठनात्मक संपादक-गौतम दास और कोषाध्यक्ष मनोज नंदा, साथ ही आयोजन समिति कार्यकारी परिषद के सदस्य प्रताप पांडा, रंकनिधि सेठी, प्रताप नंदा, विजयिनी जेना, गीतारानी बेहरा, श्वेत कुमार बेहरा, केलुह चरण बडजेना, सत्यब्रत दास सहित जनसंपर्क संपादक महेंद्र मिश्र उपस्थित थे।

भांजा ने मामा की पत्थर से कूचकर की हत्या

BANAI : बणई के बलांग पुलिस स्टेशन के उपमंडल, गौडुनीपोश गांव, पातला शाही में हत्या का मामला शुक्रवार को सामने आया है। भांजा ने मामा की पत्थर से मारकर हत्या कर दी है। हत्या के बाद भांजे ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। मामूली विवाद को लेकर मामा -भांजा के बीच बहस हो गई। बहस बढ़ने पर भांजा ने उग्र होकर मामा का जान से मार डाला। यह जघन्य हत्याकांड सुबह 6 बजे हुआ। दरअसल लहुणीपाड़ा थाना अंतर्गत केनापाली गांव के मामा सुबन कंसारिया गौडुनी पोस गांव में अपने भांजे धीबर के घर घूमने गए थे। मामूली बात को लेकर मामू-भांजे के बीच झगड़ा हो गया और जमकर बहस हो गई। घटना के बाद भांजे ने थाने जाकर आत्मसमर्पण कर दिया और घटना की जानकारी दी। जानकारी के मुताबिक पुलिस ने जहां मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, वहीं भांजे धीबर से पूछताछ जारी है।

ऑटो पलटने से लक्ष्मण मुंडा के 6 समर्थक घायल

ROURKELA : विधायक के नामांकन जुलूस में शामिल होकर लौटने के दौरान ऑटो पलट गई। बणई विधायक लक्ष्मण मुंडा के जुलूस में शामिल थे। ऑटो में 10 लोग सवार थे, जबकि 6 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को राउरकेला सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है। लहुणीपाड़ा थाना गुढ़ियाली के पास हुआ यह हादसा है। सभी घायल बलांग थाना अंतर्गत फकीरमुंडा इलाके के रहने वाले हैं।

जोएल ने लोकसभा व कुसुम-भवानी-नरसिंह ने विधानसभा चुनाव के लिए दाखिल किया नामांकन

SUNDARGARH : बीजेपी के दिग्गज आदिवासी नेता जोएल ओराम ने सुंदरगढ़ लोकसभा सीट के लिए नामांकन पत्र दाखिल किया है। उनके साथ पार्टी के विधानसभा उम्मीदवार सुंदरगढ़ से कुसुम टेटे, तलसरा से भवानी भोई और राजगांगपुर से नरसिंह मिंज ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है। सुबह जोएल अपने गांव लहुणीपाड़ा ब्लॉक केंदूडीही में घर के कुल देवी, ग्राम देवी और बाबा बनेश्वर के मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद अपना नामांकन पत्र जमा करने के लिए सुंदरगढ़ के लिए रवाना हुए। सुंदरगढ़ पहुंचने के बाद अधिष्ठात्री देवी समलेश्वरी के मंदिर में पूजा की और एक विशाल जुलूस के साथ आए और सुंदरगढ़ जिलापाल और रिटर्निंग अधिकारी को नामांकन पत्र सौंपा। उनके साथ उनकी पत्नी झींगिया ओराम और अन्य वरिष्ठ भाजपा नेता भी थे। इसी तरह, अतिरिक्त जिलापाल और रिटर्निंग ऑफिसर (सामान्य प्रशासन) के समक्ष सुंदरगढ़ विधानसभा के उम्मीदवार कुसुम टेटे, अतिरिक्त जिलापाल और रिटर्निंग ऑफिसर (राजएसबी) के लिए राजगांगपुर विधानसभा के उम्मीदवार नरसिंह मिंज,उपजिलापाल और रिटर्निंग ऑफिसर के पास तलसरा विधानसभा के उम्मीदवार भवानीशंकर भोई ने अपना नामांकन दाखिल किया।

छठे चरण में राज्य के 81.90 लाख वोटर करेंगे मतदान

PHOTON NEWS RANCHI : छठे चरण में झारखंड के चार लोकसभा सीट पर चुनाव होना है। गिरिडीह, धनबाद, रांची और जमशेदपुर लोकसभा के प्रत्याशियों का नॉमिनेशन जारी है। नामांकन की अंतिम तिथि 6 मई है। प्रत्याशियों के नाम वापसी की अंतिम तिथि 9 मई है। वहीं 25 मई को इन चार सीटों पर मतदान होना है। चुनाव की तैयारी में सभी दलों के नेता जोर-शोर से लगे हुये है। धनबाद लोकसभा क्षेत्र में सबसे ज्यादा जनसंख्या है। यहां 35 लाख की आबादी है, जिसमें 22 लाख, 79 हजार वोटर हैं। गिरिडीह में सबसे कम 18 लाख 60 हजार मतदाता हैं। वहीं रांची लोकसभा क्षेत्र में 21.88 लाख वोटर हैं, जो अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। वहीं जमशेदपुर सबसे कम 28 लाख 75 हजार आबादी वाला लोकसभा क्षेत्र है। यहां कुल 18,62,913 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इन चार लोकसभा में 6 जिला और 24 विधानसभा आते हैं। इन चार लोकसभा में 1.25 करोड़ आबादी है और 81 लाख 90 हजार वोटर हैं। जिसमें 41 लाख 94 हजार पुरुष मतदाता, 39 लाख 95 हजार महिला मतदाता और 289 थर्ड जेंडर मतदाता हैं। 2019 लोकसभा चुनाव में रांची लोकसभा में 19.10 लाख मतदाता थे। जो 29 अप्रैल 2024 तक बढ़कर 21.88 लाख हो गए हैं। इन पांच सालों में रांची लोकसभा में 14.52 % मतदाता बढ़े हैं।

जय इंस्टीट्यूट ऑफ कॉमर्स ने इंटर कॉमर्स के टॉपरों को किया सम्मानित

RANCHI : राजधानी रांची के रातू रोड के लाहकोठी में स्थित जय इंस्टीट्यूट ऑफ कॉमर्स ने इंटर कॉमर्स के टॉपरों को शुक्रवार को सम्मानित किया। फर्स्ट स्टेट टॉपर प्रतिभा शाह 94.8, सेकंड स्टेट टॉपर दीया कुमारी 94.4 और फर्स्ट स्कूल टॉपर सौम्या दुबे 90.4 को एक समारोह आयोजित कर इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर जय सर और सूरज सर ने गुलदस्ता देकर सम्मानित किया। बता दें कि तीनों जय इंस्टीट्यूट ऑफ कॉमर्स की ही स्टूडेंट हैं। इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर जय और सूरज ने बताया कि पिछले 7 साल से लगातार स्टेट टॉप टेन में हमारे इंस्टीट्यूट के बच्चे आ रहे हैं। यह हमारे लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि बच्चे बेहतर करते हैं तो परिवार के साथ-साथ शिक्षकों को भी अच्छा लगता है और गर्व महसूस होता है।

पिठोरिया में भू-माफिया ने एक शख्स को बेरहमी से पीटा, एफआईआर दर्ज

कई लोगों ने रड, केबल तार व पिस्टल के बट से मारकर किया घायल

PHOTON NEWS PITHORIYA : शुक्रवार को पिठोरिया थाना क्षेत्र के ओयना गांव में भू-माफिया ने जमशेदपुर निवासी रामप्रवेश चौधरी को रड, केबल तार और पिस्टल के बट से बेरहमी से पीटा। उनके चेहरे,आंख और पीठ पर चोट लगी है। पीड़ित रामप्रवेश चौधरी ने जमीन कारोबारी मुकेश शर्मा, रविशंकर विद्यार्थी और जतरू उरांव सहित 7-8 अज्ञात लोगों पर पिठौरिया थाना में एफआईआर दर्ज कराई है। इस संबंध में पिठोरिया थाना प्रभारी गौतम कुमार राय ने बताया कि मामले पर केस कर दिया गया है। जल्द ही आरोपियों पर कार्रवाई की जाएगी। पीड़ित ने बताया है कि साल 2008 में निबंधन कार्यालय रांची से अपनी सास लाली देवी के नाम से जमीन मालिक मो नसीम पिता : मरहूम अब्दुल हमीद से 06 डिसमिल जमीन खरीदी थी। इसका खाता नं- 37 प्लॉट नं- 552, रकबा 06 डिसमील मौजा ओयना थाना नं- 46 है। बुक नं० 1 वॉल्यूम नं 447 पेज नं.- 341 से 362 डीड नं.- 13774/12149 वर्ष 2008 है। खरीदारी के बाद जमीन पर शांतिपूर्वक दखल और काबिज रहते हुऐ कांके अंचल कार्यालय कांके से दाखिल खारिज करवा लिया तथा मेरी सास लाली देवी के नाम से रसीद निर्गत करवा लिया। हर साल मालगुजारी लगान देते आ रहा हूं। 27 अप्रैल को अपनी जमीन के कुछ बाकी हिस्सों पर बउंड्री कराने के लिए ईंट्टा-बालू गिरवाने के लिए गया था। उसी समय जमीन कारोबारी रविशंकर विद्यार्थी, जतरू उरांव, और मुकेश शर्मा एवं अज्ञात 7 व्यक्ति आए और घेरकर मारपीट शुरू कर दी। हमलोग घबरा कर थाना भागने लगे तो वे लोग अपनी गाड़ी को आगे की तरफ लगा दिए और गाड़ी से उतार कर मुझे तथा मेरे और दो दोस्तों को पिस्टल दिखा कर रोक कर केबल के तार, पिस्टल के बट और रड से बेरहमी से पीटा।

तपिश का सितम : 5 तक जारी रहेगा हीट वेव का असर, 8 तक बारिश की संभावना

6 मई से लोगों को गर्मी से मिलेगी राहत

गर्मी से बचने की कोशिश करतीं युवतियां।

इन इलाकों में पारा अब भी 40 के पार

राज्य के कई जिलों में तापमान में गिरावट दर्ज कई है। सबसे अधिक गिरावट बोकारो में 4.6 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है, जिसके बाद यहां का तापमान 38.8 डिग्री सेल्सियस रहा है। अब भी राज्य में सात जिले ऐसे हैं, जहां का तापमान 40 डिग्री के आंकड़े को पार कर रहा है। राज्य में सबसे अधिक तापमान 43.7 डिग्री बहरागोड़ा का दर्ज किया गया है। इसके बाद सरायकेला का तापमान 43 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पश्चिमी सिंहभूम 42.3, गोड्डा-42.1, जामताड़ा, 41.2 पाकुड़ 41.7, साहिबगंज 40.2 पर रहा।

PHOTON NEWS RANCHI : तेज धूप ने आमजनों की परेशानी बढ़ा दी है। सुबह 9 बजे के बाद से ही लोगों का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। मौसम विज्ञान केंद्र की मानें तो आने वाले दिनों में गर्मी से लोगों को थोड़ी राहत मिल सकती है। मौसम विज्ञान केंद्र की मानें तो 5 मई तक राज्य में हीट वेव का असर देखा जायेगा। 6 मई से राज्य में बारिश की संभावना है। 5 मई तक राज्य में पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, पाकुड़ और गोड्डा में हीट वेव का असर देखा जायेगा। 6 मई से राज्य के उत्तर पूर्वी हिस्से में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है। राज्य में 8 मई तक बारिश होने की संभावना है। बारिश के साथ ही राज्य में तेज हवाओं और वज्रपात का असर देखा जायेगा। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। इसमें मुख्य रूप से दुमका, देवघर, पाकुड़, गोड्डा, गिरिडीह, जामताड़ा, पाकुड़ साहेबगंज में बारिश होने की संभावना है। वहीं, 7 और 8 मई को राज्य के अधिकांश हिस्से में बारिश की संभावना व्यक्त की गयी है। तापमान की बात करें तो आने वाले दो दिनों के दौरान तापमान में कमी दर्ज की जायेगी। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार तापमान में आने वाले तीन दिनों के दौरान चार डिग्री तक की गिरावट दर्ज की जायेगी।

सेवा का अधिकार देने के मामले में झारखंड बना अव्वल राज्य

- 16 हजार से अधिक आवेदनों में 15812 का तय समय पर निबटारा, 96.32 फीसदी सेवा कार्य संपन्न
- तय समय पर जारी हुई 13605 पोस्टमार्टम रिपोर्ट
- होल्डिंग टैक्स के 80 फीसदी से अधिक मामले निबटाए गए

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड राज्य सेवा देने की गारंटी अधिनियम के तहत तेजी से आम नागरिकों को स्वाएं दी जा रही है। इसमें झारखंड राज्य अव्वल है। अब तक तय समय में सेवा का अधिकार के तहत 13605 पोस्टमार्टम रिर्पोट जारी किए गए। वहीं होल्डिंग टैक्स से जुड़े 80 फीसदी से अधिक मामले निपटा दिए गए। तय समय पर 81.82 फीसदी को क्रशर लाइसेंस दे दिया गया है। स्वास्थ्य चिकित्सा में तय समय पर 98.34 फीसदी लोगों के मामलों का निष्पादन कर दिया गया। श्रम विभाग से जुड़े 92.32 फीसदी लोगों को तय समय पर सेवा दी गई। वहीं परिवहन विभाग से जुड़े 91.38 फीसदी काम तय समय पर निपटाए गए। बता दें कि झारखंड राज्य सेवा देने की गारंटी अधिनियम के तहत विभिन्न सेवाओं से जुड़े कुल 16 हजार से अधिक आवेदन आए थे, जिसमें से 15812 मामलों का निबटारा कर दिया गया। तय समय पर सेवा देने का आंकड़ा 96.32 फीसदी रहा। 101 आवेदन अस्वीकृत किए गए, जबकि 121 आवेदन के निपटारे के लिए प्रोसेसिंग की प्रक्रिया जारी है।

तेजप्रताप के ससुर की ओर इशारा कर बोले
रूडी रोहिणी के 'सारण की बेटी' पर हमला

छपरा। सारण लोकसभा से इखढ प्रत्याशी राजीव प्रताप रूडी ने गुरुवार को नामांकन किया। इसके बाद छपरा के राजेंद्र स्टेडियम में 'जन आशीर्वाद सभा' का आयोजन किया गया। मंच पर केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, बिहार भाजपा के बड़े नेताओं के साथ ही राजद प्रमुख लालू यादव के समधी चंद्रिका राय भी मौजूद थे। बड़ी बात यह रही कि चंद्रिका राय खुद राजीव प्रताप रूडी से 2019 के लोकसभा चुनाव में हार चुके हैं। भाजपा प्रत्याशी के साथ मंच पर बैठने का मौका चंद्रिका राय ने नहीं गंवाया। जनसभा को संबोधित करने का मौका मिला तो उन्होंने लालू परिवार पर जमकर निशाना साधा। 3 मिनट के भाषण में चंद्रिका राय ने रोहिणी और मीसा भारती को बाहरी

उम्मीदवार बताया। चंद्रिका राय के बाद भाजपा प्रत्याशी व सारण सांसद राजीव प्रताप रूडी सभा को संबोधित करने आए। उन्होंने रोहिणी आचार्य के बाहरी होने का मुद्दा उठाया। साथ ही बिना नाम लिए चंद्रिका राय की बेटी ऐश्वर्या राय के मामले को लेकर लालू परिवार पर हमला किया। सभा को संबोधित करते हुए चंद्रिका राय ने कहा कि सारण लोकसभा में यह लड़ाई बाहरी और भीतरी लोगों के बीच है। राजीव प्रताप स्थानीय उम्मीदवार हैं। जबकि रोहिणी आचार्य विदेशी उम्मीदवार हैं। लालू यादव राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय

अध्यक्ष हैं। उन्हें सभी जगह जाना चाहिए, लेकिन पिछले 15 दिनों से सिर्फ सारण में कैंप किए हुए हैं। यह उनके परिवारवाद का परिचायक है। उन्होंने आगे कहा कि मैं आपसे कहना चाहता हूं कि ये लोग सारण और पाटलिपुत्र में अपने आपको बेटी-बहू कह रहे हैं। जबकि पाटलिपुत्र स्थित ससुराल में कभी नहीं गए हैं। ये दोनों लोग (रोहिणी-मीसा) सिर्फ लालू और राबड़ी की बेटी हैं। यह परिवारवाद का नमूना है। राजीव प्रताप रूडी ने कहा कि चंद्रिका राय और बिना नाम लिए उनकी बेटी ऐश्वर्या राय का जिक्र किया। उन्होंने राजद प्रत्याशी रोहिणी आचार्य के नामांकन के दौरान दिया गया चुनावी हलफनामा भी दिखाया। कहा कि इनका पता दीघा, पटना है और वह खुद को सारण की बेटी बताती हैं। जबकि मंच पर मौजूद चंद्रिका राय जी की बेटी, असल में छपरा की बेटी हैं। उनके साथ आप लोगों ने क्या किया। रूडी ने कहा कि किसी की बेटी के बारे में बोलना भाजपा कार्यकताओं के संस्कार में नहीं है। लेकिन यह बातें करते हुए मुझे बहुत तकलीफ हो रही है। क्योंकि ये लोग लगातार मेरे बारे में, सम्राट चौधरी के बारे में बोल रहे हैं।

संक्षिप्त डायरी

एनडीए प्रत्याशी विजय लक्ष्मी कुशवाहा शनिवार को नामांकन करेंगी दाखिल

सीवान। लोकसभा सीट के लिए 6 अप्रैल तक नामांकन किया जा सकेगा। अब तक कुल 5 उम्मीदवारों ने अपना नामांकन पर्चा दाखिल कर दिया है। इसमें निर्दलीय प्रत्याशी हिना शहाब, राजद प्रत्याशी अवध बिहारी चौधरी सहित अन्य प्रत्याशियों शामिल है। वहीं 4 मई को जदयू प्रत्याशी विजय लक्ष्मी कुशवाहा अपना नामांकन पर्चा दाखिल करेंगी। नामांकन के पहले सीवान के गांधी मैदान में चुनावी जनसभा का भी आयोजन किया जाएगा। इसमें प्रदेश के कई बड़े नेता शामिल होंगे। जानकारी देते हुए जदयू जिला अध्यक्ष चंद्रकेतु सिंह ने बताया कि नामांकन और सभी को लेकर सारी तैयारी कर ली गई है। सभा में पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी, बिहार के दोनों उप मुख्यमंत्री विजय सिन्हा और सम्राट चौधरी, चिराग पासवान, पूर्व सांसद आनंद मोहन, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे, लेसी सिंह, जमा खान, जनक चमार, अमरेन्द्र कुमार पांडे, जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा सहित कई नेता शामिल होंगे। जन सभा समाप्त होने के बाद विजय लक्ष्मी कुशवाहा नामांकन पर्चा दाखिल करेंगी।

राहुल गांधी ने बदला लोकसभा सीट तो भड़के सम्राट

पटना। लोकसभा चुनाव में रायबरेली से इस बार राहुल गांधी चुनाव लड़ने जा रहे हैं। हमेशा से राहुल गांधी अमेठी से चुनाव लड़ते रहे हैं। इस बार इनकी सीट बदली गई है। कांग्रेस ने अमेठी से किशोरी लाल शर्मा को कैंडिडेट बनाया है। वहीं, अब इस पर सियासत तेज हो गई है। इस मामले पर डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा ने राहुल गांधी पर जोरदार निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि जिस अमेठी की सीट पर उनका पूरा खानदान चुनाव लड़ रहे थे। वहां से राहुल गांधी, सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी भाग खड़ी हुई है। उप मुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने राहुल गांधी के रायबरेली से चुनाव लड़ने पर कहा कि भारत में कहीं भी चुनाव लड़े, उनको जनता का समर्थन नहीं मिलने वाला है। उन्होंने कहा कि जिस इंडिया गठबंधन ने उनको प्रधानमंत्री पद के लिए उम्मीदवार के तौर पर लाया था उनको कहीं समर्थन नहीं मिल रहा है। यह विपक्ष के नेता के तौर पर भी कुछ नहीं कर सके हैं। उन्होंने कहा कि यह चुनाव पूरी तरीके से हारेंगे और राहुल गांधी रिजेक्ट हो चुके हैं। तेजस्वी पर पलटवार करते हुए कहा कि उनके पास बोलने को कुछ नहीं है। उनके शासनकाल में दलितों के साथ क्या नहीं हुआ। उनके शासन काल में बच्चों के साथ बलात्कार हुआ। लेकिन, आज तक एक शब्द उनके मुंह से नहीं निकाला। उन्होंने कहा कि ये लोग सामंती प्रथा को लाना चाहते हैं। क्योंकि, यह चार्टर विमान में अपना बर्थडे मनाते हैं और केक काटते हैं। आरक्षण खत्म करने के तेजस्वी के आरोप पर बिहार सरकार के मंत्री जमा खान ने कहा कि वह सिर्फ आरोप लगा सकते हैं। क्योंकि, वह जान चुके हैं कि वह बुरी तरह से हार रहे हैं। 40 सीट पर हम लोग जीत रहे हैं। वहीं, राहुल के वायानाड छोड़कर रायबरेली से लड़ने पर जमा ने कहा कि उनको पता चल चुका है कि वह हार रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की ओर से एनडीए के लोगों को दलित विरोधी कहने पर पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने एतराज जताया है। उन्होंने कहा है कि इसीलिए जमुई में महादलित परिवार के महिला को गाली दी गई। राहुल गांधी के रायबरेली से चुनाव लड़ने पर उन्होंने कहा कि पांच जगह से भी अगर चुनाव लड़ेंगे तो हार जाएंगे।

नालंदा के मिर्चायगंज में पानी की किल्लत

नालंदा। के नूरसराय प्रखंड अंतर्गत मामूराबाद पंचायत के मिर्चायगंज गांव में डेढ़ सौ घरों की आबादी जल संकट से जूझ रही है। पानी के लिए गांव में हाहाकार मचा हुआ है। जिनकी सूद लेने वाला कोई नहीं है। नल जल के लिए गांव में पाइप तो बिछा दी गई है लेकिन घरों में कनेक्शन नहीं दिया गया है। जिसके कारण ग्रामीणों को पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। गांव के लोगों को पानी के लिए बगल गांव के निजी बोरिंग का सहारा लेना पड़ रहा है। गांव में एक चापाकल भी लगी थी, लेकिन पानी का लेयर नीचे जाने के कारण वह भी फेल हो चुका है। लोगों को अपने नित्य क्रिया के लिए भी परेशानियों का सामना उठाना पड़ रहा है। पानी की समस्या को लेकर ग्रामीणों ने विरोध दर्ज कराते हुए कहा कि गांव में बोरिंग कराया जाए ताकि उन लोगों की समस्या दूर हो सके। छोटे बच्चों से लेकर घर की महिलाएं,बड़े,बुजुर्ग पानी जमा करने में ही लगे रहते हैं। मवेशियों को भी अब रखना चुनौती बन रही है। अगर हम लोगों की पानी की समस्या दूर नहीं हुई तो हम लोग वोट नहीं करेंगे। इस मौके पर राहुल कुमार, रविंद्र पासवान, बालक यादव, आनंद साव, सुबोध राम, दीपक कुमार, नंदू पंडित, महेंद्र पंडित, मिथिलेश पंडित, शिव पासवान, धर्मेंद्र मिस्त्री, नरेश पासवान, रावण यादव, साधु यादव, धर्मेंद्र राम, वीरेंद्र राम, धर्मेंद्र यादव, विजय पासवान, विनय पासवान, रंजय यादव समेत अन्य ग्रामीण मौजूद रहे। वहीं पीचईडी के कनीय अभियंता नीरज कुमार शर्मा ने बताया की पानी का पाइप प्रॉपर तरीके से नहीं बिछाए जाने के कारण ऊंचे स्थान वाले घरों में नहीं पहुंच पा रहा ग्रामीणों के द्वारा बिछाए गए पाइप को बीच में ही जगह-जगह काट दिया गया है। जिसके कारण पानी का फ्लो सभी घरों में नहीं पहुंच रहा है। जल्द ही इन समस्याओं को दूर कर लिया जाएगा।

तेजस्वी का प्रधानमंत्री पर तंज कहा- बेरोजगारी और महंगाई पर नहीं बोलते बीजेपी के लोग

दरभंगा। पीएम मोदी के दरभंगा दौरे से पहले नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सियासी वार किया है। तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को चुनावी प्रचार में निकलने से पहले दरभंगा में मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दरभंगा आ रहे हैं। उनके हिसाब से तो दरभंगा एम्स बन चुका है। तो कल वे एम्स का मुआयना करेंगे कि कितना बढ़िया अस्पताल चल रहा है।

सबका इलाज हो रहा है की नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि लगातार 10 साल नरेंद्र मोदी जी प्रधानमंत्री रहे हैं। इन्होंने केवल लोगों को ठगने का काम किया है। केवल झूठ बोला है। तेजस्वी ने कहा कि पीएम मोदी का बेरोजगारी और महंगाई पर ध्यान नहीं है। तेजस्वी यादव ने हमारी 17 महीने की सरकार में हम लोगों ने एम्स के लिए नई जमीन दी। साथ ही डीएमसीएच के विस्तार का फैसला लिया। ताकि 2500 बेड का सुपर स्पेशलिटी अस्पताल हो जाए, ठीक उसी तर्ज पर जैसे पीएमसीएच बन रहा है। जब हम स्वास्थ्य मंत्री थे। उसी वक्त हमलोगों ने निर्णय लिया था। तेजस्वी ने कहा कि दरभंगा एयरपोर्ट का टर्मिनल अभी तक ढंग से बनकर तैयार नहीं हुआ है। प्लेन आ रही है, लेकिन टिकट की कीमतें पूरे देश में सबसे महंगी हैं। अमित शाह आ रहे हैं। तो कभी प्रधानमंत्री आ रहे हैं। यानी उनके जो स्थानीय व एलाइंस के नेता है, सभी बेकार है।

अमेठी के बाद रायबरेली भी जाना बंद करेगी कांग्रेस

बेगूसराय। बीजेपी के फायर ब्रांड नेता गिरिराज सिंह ने अमेठी से गांधी परिवार के बदले किशोरी लाल शर्मा को टिकट दिए जाने पर कांग्रेस पर जोरदार तंज कसा है। इसके साथ ही उन्होंने असदुद्दीन ओवैसी पर भी जोरदार हमला किया है। शुक्रवार को बेगूसराय में पत्रकारों से बात करते हुए गिरिराज सिंह ने कहा कि गांधी परिवार जहां से चुनाव हारती है वहां दोबारा नहीं जाती है। अमेठी से गांधी परिवार हार गया, राहुल गांधी हार गए तो अमेठी को छोड़ दिया। इस बार रायबरेली भी हारेंगे तो वहां छोड़ देंगे। गिरिराज सिंह ने

कहा मैं पहले से कहा रहा हूं कि जैसे बहादुर जफर शाह मुगलिया सल्तनत के अंतिम बादशाह थे, उसी तरह से रायबरेली भी गांधी फैमिली की अंतिम कहानी है। राहुल गांधी अमेठी से भी चुनाव हारकर भागेंगे। असदुद्दीन ओवैसी द्वारा हैदराबाद में वफादारों का राज रहने और राजकारों के पाकिस्तान भाग जाने संबंधी बयान दिए जाने पर गिरिराज सिंह ने कहा कि ओवैसी के पास शब्द की कमी है। वह किसी को सम्मान देना नहीं जानते हैं, मोदी तुमको भी हराएंगे और अमित शाह तुमको भी हराएंगे कहना अहंकार है। गिरिराज सिंह ने कहा कि जो व्यक्ति लोकसभा के अंदर राष्ट्रीय गान और राष्ट्रीय गीत में खड़ा नहीं होता है। ओवैसी के संसद में इस अवसर पर खड़ा रहने का कहीं रिकॉर्ड नहीं है। जो व्यक्ति राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान में खड़ा नहीं रहता है, वह अपने को वफादार की सूची में नाम बता रहे हैं।

हैदराबाद में मजदूर बनकर रह रहा था पशु तस्करों ने एसएचओ को मारी थी गोली

समस्तीपुर। के बहुचर्चित मोहनपुर एसएचओ नंद किशोर यादव हत्याकांड में पुलिस ने एक और बदमाश को हैदराबाद से गिरफ्तार किया है। इस अपराधी पर सरकार ने 25 हजार का इनाम घोषित कर रखा था। गिरफ्तार आरोपी की पहचान नालंदा जिला के चिकसौरा थाना क्षेत्र के भवानी गांव के रहने वाले तनिक प्रसाद के पुत्र अनुज कुमार के रूप में की गई है। यह बदमाश हैदराबाद के पतनचेरू में छुपकर एक चावल फैक्ट्री में मजदूर के रूप में काम कर रहा

था। इस हत्याकांड में अब तक एसआईटी की टीम ने इससे पूर्व 9 अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। गिरफ्तार अपराधी पर 25 हजार रुपये का इनाम भी घोषित था। मोहनपुर थानाध्यक्ष नंद किशोर यादव हत्याकांड में 10वें अपराधी की गिरफ्तारी की पुष्टि पुलिस अधीक्षक विनय तिवारी ने की है। उन्होंने कहा कि इस मामले में फरार एक और बदमाश को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा रहा है। गत वर्ष 15 अगस्त 2023 की तड़के सुबह लगभग 2:30 बजे उजियारपुर थाने के शहबाजपुर गांव के पास पशु तस्करों ने छापेमारी के दौरान मोहनपुर ओपी के थानाध्यक्ष नंदकिशोर यादव को गोली मार दी थी। बाद में उपचार के दौरान पटना में उनकी मौत हो गई थी। इस मामले में उजियारपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। ये लोग चोरी किए गए पशु को दो तरह से खपाते थे। जो पशु दूधारू नहीं होते थे, उसे कसाई बाजार में भेज देते थे। वहीं जो पशु दूधारू होते, उसे विभिन्न एजेंट के माध्यम से बेचने का काम करते थे। गिरोह के सदस्य अलग-अलग तरीके से इस काम को अंजाम देते थे। गिरोह के सदस्य हथियार से लैश होकर पशु चोरी के लिये पहुंचते थे।

तेजस्वी मधेपुरा के एचएस कॉलेज मैदान में करेंगे सभा

मधेपुरा। के उदाकिशुनगंज में शुक्रवार को चुनावी सभा करने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पहुंचेंगे। राजद जिलाध्यक्ष जयकांत यादव ने बताया कि हरिहर साहा कॉलेज मैदान में पूरी तैयारी कर ली गई है। सभा में तेजस्वी दोपहर 1:50 बजे पहुंचेंगे। उनके साथ विकासशील इंसान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश सहनी भी मौजूद रहेंगे। इसके साथ ही राजद प्रत्याशी प्रो कुमार चंद्रदीप उनका स्वागत करेंगे और सभी नेता उनके लिए वोट देने की अपील करेंगे।मालूम हो कि मधेपुरा सीट पर इस बार जदयू ने निवर्तमान सांसद दिनेशचंद्र यादव को मौका दिया है। 2019 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने राजद के शरद यादव को 3 लाख से अधिक मतों से पराजित किया था। वहीं इस बार राजद ने लोकसभा और राज्यसभा सांसद रहे स्व डॉ आरके यादव रवि के बेटे प्रो कुमार चंद्रदीप को टिकट दिया है। वह पहली बार चुनाव लड़ रहे है। सभा करने आएंगे।

नाराज शराबी पति ने पत्नी को हथियार से किया घायल

जमुई। के टाउन थाना क्षेत्र में मुर्गियां चक गांव में शुक्रवार की सुबह घरेलू विवाद के कारण नाराज शराबी पति ने पत्नी को धारदार हथियार से मारकर घायल कर दिया। घटना की जानकारी स्थानी लोगों ने डायल 112 से पुलिस को दी। मैके पर पहुंची 112 पुलिस की टीम ने घायल महिला को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं आरोपी पति घटन के बाद से फरार चल रहा है और गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। घायल महिला की पहचान टाउन थाना क्षेत्र के शिरा नवादा निवासी गणेश चौधरी की पत्नी उषा देवी के रूप में की गई है। बताया जाता है कि घरेलू विवाद से नाराज होकर उषा देवी को उसके पति गणेश चौधरी ने शराब के नशे में हथियार से मार कर घायल कर दिया। इलाज कर रहे डॉक्टर देवेंद्र कुमार ने बताया कि महिला के सिर पर हमला किया गया है।

बेतिया में आम के बगीचे में मिला युवक का शव

बेतिया। में एक युवक का शव आम की डाली से लटका हुआ मिला है। घटना जिले के नौतन थाना क्षेत्र के बुढवलिया गांव की है। इधर, घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दी है। मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है। थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टि मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है। उन्होंने बताया कि मृतक युवक की पहचान जगदीशपुर थाना क्षेत्र के पाठकजी के बजार निवासी सूर्य स्वर्गीय मोहन साह के बेटे सूरज कुमार(18) के रूप में की गई है। सूरज के माता-पिता नहीं हैं। वह दक्षिण तेल्हुआ के बुधवलिया में अपने जीजा बृजेश यादव के घर पर रहता था। युवक की मौत कैसे हुई है, इसको लेकर जांच-पड़ताल की जा रही है। डॉग स्क्वायड की टीम को भी बुलाया गया है। प्रथम दृष्ट्या यह मामला हत्या का लग रहा है। पुर में मजदूरी का काम करता था। खान के आम के बगीचा में पेड़ से लटका हुआ मिला है।

तेजस्वी बोले- मोदी जी रेपिस्ट क । प्रचार कर रहे

बिहार। के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने पीएम मोदी पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ मोदी जी के लिए सिर्फ बोलने के लिए है। असल काम है बलात्कारियों टिकट दो, बलात्कारियों को बचाओ, बलात्कारियों को विदेश भगाओ। गुरुवार को राहुल गांधी ने कर्नाटक के शिवमोगा में चुनाव प्रचार के दौरान भी ये बातें कही थीं। राहुल गांधी ने पीएम पर रेपिस्ट के लिए वोट मांगने का आरोप लगाते हुए कहा कि ह्यवही है मोदी की गारंटी।' दसअसल, तेजस्वी ने यह बयान पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के पोते प्रज्वल रेवन्ना को लेकर दिया था। कर्नाटक में भाजपा और जेडीएस साथ चुनाव लड़ रही हैं। प्रज्वल पर कई महिलाओं ने रेप और अश्लील वीडियो बनाने का आरोप लगाया है। प्रज्वल रेवन्ना का कथित तौर पर 3000 अश्लील

वीडियो वायरल हुआ है। जिसे लेकर कहा जा रहा है कि हासन सीट से सांसद प्रज्वल रेवन्ना ने कई महिलाओं के साथ जोर जबरदस्ती के साथ यौन शोषण किया और उनके साथ वीडियो बनाया। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। जिसकी जांच जारी है। इधर, हासन सीट पर चुनाव होने के बाद प्रज्वल रेवन्ना जर्मनी चले गए। विपक्ष का आरोप है कि वो भाग गए हैं। तेजस्वी यादव के बयान पर बीजेपी प्रवक्ता अरविंद सिंह ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि जैसा अन्न खाइएगा वैसा ही दिमाग हो जाएगा। घोटालों के पैसे के अन्न खाने की वजह से आपके मन में भी घोटाला हो गया है। 9वीं पास स्टूडेंट को इन

सब की जानकारी भी कम होती है। आपके परिवार और आप पर भी कद्दू की धारा दर्ज है। बीजेपी ने कहा कि किसी के पिता पर आरोप लगता है तो उसका बेटा दोषी नहीं होता है। उन्होंने कहा कि आपने बेटियों को अपहरण करने वालों का साथ रखा है। उस पर कुछ क्यों नहीं बोल रहे हैं। तेजस्वी यादव ने आगे कहा,भाजपा के पास कोई मुद्दा तो है नहीं। वे सिर्फ एक ही बात कहते हैं। जहां 5 लाख लोगों को रोजगार मिला। वो जंगलराज कैसे हो सकता है? 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओं' ये सिर्फ बोलने के लिए है। उनका (भाजपा) असल काम है 'बलात्कारियों को बचाओ, बलात्कारियों को विदेश भगाओ' रह गया है। महिला पहलवानों का जिक्र करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा महिला पहलवानों के साथ जो हो रहा था वो कौन सा राज था? हमने तो उत्तर प्रदेश के लोगों को भी नौकरी दी है। लोग वहां से भाग-भाग कर यहां (बिहार) आ रहे हैं। प्रधानमंत्री तो नुक्कड़ सभा करने पर आ गए हैं। हम कह रहे हैं कि ट्रंप-पुतिन बचे हैं, उन्हें भी बुला लीजिए। पीएम मोदी ने 14 अप्रैल को इसी प्रज्वल के समर्थन में मैसूर में रैली कर रहे थे। तब मोदी ने कहा था, 'आज भारतीय राजनीति में देवगौड़ा सीनियर मोस्ट नेता हैं। उनसे आशीर्वाद प्राप्त करना बहुत बड़ा सौभाग्य है। मोदी को मजबूती देगा। देश का भविष्य तय करेगा।' इसी का हवाला देते हुए पहले राहुल और अब तेजस्वी पीएम पर निशाना साधा है। राहुल ने कहा, ह्यकर्नाटक में सबसे बड़ा इश्यू प्रज्वल रेवन्ना का है।

बरेली, बदायूं में विपक्ष पर जमकर बरसे अमित शाह कहा- सपा-कांग्रेस परिवारवादी, ये जनता का भला नहीं कर सकते

बरेली। गृहमंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को बरेली में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। हार्टमैन रामलीला मैदान में दोपहर करीब दो बजे उन्होंने भारत माता की जय से अपने भाषण की शुरूआत की। शाह के निशान पर सपा और कांग्रेस रही। अखिलेश यादव और राहुल गांधी पर जमकर तंज कसे। अमित शाह ने कहा कि हमारे सामने इंडी गठबंधन चुनाव लड़ रहा है। इनके शहजादे राहुल गांधी ने चुनाव की शुरूआत भारत जोड़ो यात्रा से की थी। मगर चार जून के बाद कांग्रेस ढूंढ़ो यात्रा से इसका समापन होने वाला है। दो चरण के चुनाव में दूरबीन से भी कांग्रेस नजर नहीं आ रही है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव देश के अर्थतंत्र को दुनिया के तीसरे नंबर का अर्थतंत्र बनाने का चुनाव है। तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने का चुनाव है। आतंकवाद और नक्सलवाद समाप्त करने का चुनाव है। अमित शाह ने लोगों से पूछा कि अयोध्या में राम मंदिर बनना चाहिए था या नहीं। कहा कि कांग्रेस पार्टी 70 साल से राम मंदिर के मसले को अटका रही थी। नरेंद्र मोदी दूसरी बार प्रधानमंत्री बने। उन्होंने पांचवीं साल में 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा कर जय श्रीराम किया। शाह ने कहा कि सपा के मुखिया अखिलेश यादव, डिंपल और राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को निमंत्रण गया, लेकिन इनमें से कोई नहीं गया। क्योंकि इनका डर था तो वहां जाएंगे तो वोटबैंक खिसक जाएगा। ये लोग हमेशा तुष्टिकरण की राजनीति करते हैं। शाह ने कहा कि हमारी सरकार ने 130 करोड़ लोगों को कोरोना के दोनों टीके लगाकर देश को सुरक्षित करने का काम किया है। कहा कि संतोष गंगवार के लिए पार्टी ने कुछ अलग भूमिका सोची है, इसलिए छत्रपाल सिंह गंगवार को प्रत्याशी बनाया गया। गृहमंत्री ने कहा कि सपा की सरकार में पूरी यूपी दंगों की आग में झोंका हुआ था। 2010 और 2012 में बरेली में भीषण दंगे हुए। सपा और कांग्रेस वाले कहीं बरेली वालों के साथ खड़े नहीं हुए। 2017 साल में भाजपा की सरकार बनी। योगी आदित्यना मुख्यमंत्री बने। उन्होंने यूपी को दंगा मुक्त कराने का काम किया। वेस्ट यूपी से सपा के राज में पलायन होता था। योगीराज में गुंडों का पलायन हो रहा है। गृहमंत्री ने कहा कि सपा की सरकार में पूरी यूपी दंगों की आग में झोंका हुआ था। 2010 और 2012 में बरेली में भीषण दंगे हुए। सपा और कांग्रेस वाले कहीं बरेली वालों के साथ खड़े नहीं हुए। 2017 साल में भाजपा की सरकार बनी। योगी आदित्यना मुख्यमंत्री बने। उन्होंने यूपी को दंगा मुक्त कराने का काम किया। वेस्ट यूपी से सपा के राज में पलायन होता था। योगीराज में गुंडों का पलायन हो रहा है। उन्होंने कहा कि सपा और कांग्रेस परिवारवाद पार्टी हैं। अखिलेश यादव को यादव समाज मानता है हमारे नेता हैं, लेकिन कन्नौज से खुद अखिलेश चुनाव लड़ रहे हैं। मैनपुरी से डिंपल, फिरोजाबाद से अक्षय, बदायूं से आदित्य और आजमगढ़ से धर्मेंद्र यादव हैं। कहा कि सपा के समय में यूपी में देसी कट्टे बनाने कारखाने थे। आज कट्टों की जगह तोप और मिसाइल बनाने का कारखाना लगा, जो पाकिस्तान को गोले बरसाने का काम करेगा। अखिलेश यादव मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं। सोनिया राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनना चाहते हैं। ये लोग जनता का भला नहीं कर सकते हैं। सपा बसपा पर साधा निशाना बदायूं। गृहमंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को बदायूं के इस्लामिया इंटर कॉलेज मैदान में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कांग्रेस, सपा-बसपा पर जमकर निशाना साधा। परिवारवाद को लेकर अखिलेश यादव को घेरा। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव अपने आप को यादवों का नेता कहते हैं। मैंने उनसे पूछता हूं कि आपको अपने परिवार के सिवाय कोई यादव नहीं दिखता। अखिलेश, डिंपल, धर्मेंद्र, अक्षय और आदित्य चुनाव लड़ रहे हैं। पांचों यादवों इन्होंने अपने परिवार से दे दिए। बदायूं के यादवों का नंबर कभी लगने वाला है या नहीं।

संदिग्ध परिस्थिति में युवक की जहर खाने से मौत

बरेली। संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की जहर खाने से मौत हो गई। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों का आरोप है कि उसको किसी ने जहर देकर मारा है। थाना सुभाषनगर के श्याम कालोनी निवासी विनोद मिश्रा के २८ वर्षीय बेटे हर्षित मिश्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में जहर खाने से मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि उसे किसी ने जहर दिया। जिस कारण उसकी मौत हुई है। वहीं घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक ड्रायवरी करता था।

संक्षिप्त डायरी

छात्र का मोबाइल छीन कर भाग रहे दो लूटेरे दबोचे कोचिंग से पढकर आ रहा था छात्र, पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ की रिपोर्ट दर्ज

बरेली। कोचिंग से लौटते समय टेंपो से आ रहे छात्र से बाइक सवार युवकों ने मोबाइल छीन लिया। लेकिन पकड़ मजबूत होने के कारण बाइक सवार गिर गए। इस दौरान वहां से गुजर रहे छात्र के भाई ने व छात्र ने दोनों मोबाइल लूटेरों को पकड़ लिया। और पुलिस के हवाले कर दिया। थाना इज्जतनगर के फरीदापुर चौधरी निवासी वसीक अहमद का बेटा अवान अहमद कंपटीशन की तैयारी कर रहा है। देर शाम वह अपने भाई अल्तमस अहमद के साथ कोचिंग से पढकर वापस लौट रहा था। तभी दो युवक ने उसकेमोबाइल पर झपट्टा मार कर मोबाइल छीनने की कोशिश की। लेकिन मोबाइल पर पकड़ होने के कारण युवकों की बाइक गिर गई। दोनों भाईयों ने आरोपी युवकों को मौके पर पकड़ लिया। शोर सुनकर वहां भीड़ एकत्र हो गई। दोनों युवकों को पुलिस केहवाले कर दिया। पकड़े गए युवकों ने अपना नाम रितिक सागर पुत्र किशन लाल, विकास शर्मा पुत्र अजय शर्मा निवासीगण रोड नंबर छ रेलवे कालोनी इज्जतनगर बताया। दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

यात्री स्टैंड के नीचे ठेला लगाकर किया कब्जा, पुरानों की हालत हुई खस्ता

बरेली। चौकी चौराहे पर सासंद निधि से बनाए गए यात्री स्टैंड के नीचे एक दुकानदार ने ठेला लगाकर कब्जा कर लिया है, लेकिन नगर निगम के अधिकारी इधर ध्यान नहीं दे रहे हैं। यही कारण है कि इस यात्री स्टैंड की कुर्सी तक चुर गई है। यह स्टैंड सिर्फ खड़े होने लायक ही बचा है। कई बार लोग धूप से बचने के लिए इसका सहारा लेते हैं लेकिन उन्हें इसके नीचे खड़ा रहना पड़ता है। इस स्टैंड की कुर्सी और रेलिंग टूटने से मोटर साइकिल और ई-रिक्शा व साइकिल रिक्शा वाले दोपहर के समय खड़े रहते हैं। क्योंकि गाड़ी या रिक्शा रेलिंग न होने से अंदर चला जाता है। बता दें कि शहर भर में ऐसे कई यात्री स्टैंड हैं जिन पर लोगों ने कब्जा कर लिया है। चौकी चौराहा, चौपुला और पटेल चौक रोड पर बने यात्री स्टैंड पर खोखे और ठेले वालों ने कब्जा कर दुकान खोल ली है। इन कब्जेदारों की वजह से इन स्टैंडों की रेलिंग और कुर्सी तक गायब हो गई हैं। नगर निगम के अफसर शहर में नए स्टैंड बनाने पर जोर दे रहे हैं लेकिन पुराने किसी को याद नहीं है। देखरेख न होने की वजह से यह स्टैंड गिरने की कगार पर हैं और इन पर कब्जा हो गया है। इस मामले में विभागीय अधिकारियों से बात की तो उन्होंने बताया कि कई बार इन स्टैंडों को कब्जामुक्त कराया जा चुका है लेकिन ठेले और खोखे वाले मानने को तैयार नहीं हैं। अगर अब कोई ठेले या खोखे वाला यात्री स्टैंड के नीचे मिला तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

गन्दगी और मच्छरों के प्रकोप से नगर वासी परेशान। तीन सभासद चेयरमैन के विरोध मे उतरे

देवरनियां। नगर पंचायत देवरनियां मे इन दिनों गन्दगी और मच्छरों के प्रकोप से नगर वासी परेशान हैं। जिसको लेकर उनमे रोष है। उधर चेयरमैन की कार्यप्रणाली को लेकर पांच वार्ड सभासदों ने चेयरमैन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। नगर पंचायत देवरनियां मे सफाई व्यवस्था चरमा गयी है,हर तरफ गन्दगी के अम्बार लगे हुए हैं,मगर नगर पंचायत प्रशासन इस तरफ से बेखबर है। गन्दगी के कारण ही नगर मे मच्छरों का प्रकोप बना हुआ है,जिससे नगर वासी खासे परेशान तो हैं ही,साथ ही बीमारी फैलने का खतरा भी बढ गया है। जबकि अभी संचारी रोग अभियान चलाया गया था। मच्छरों के बचाओ के लिए दवाई का छिडकाव भी नहीं कराया गया है। जबकि नगर के वार्ड 12 के सभासद मोहम्मद जीशान,मोहम्मद वार्ड 10 के सभासद मोहम्मद खालिद, वार्ड तीन के सभासद अमित कुमार,और वार्ड 5 के सभासद रधुवीर, वार्ड नौ के सभासद तहसीन बेग ने नगर पंचायत चेयरमैन पर उपेक्षा का आरोप लगाया है। उनका कहना है,कि चेयरमैन ने काफी समय से बोर्ड बैठक नहीं बुलाई है। एक वर्ष मे सिर्फ.दो बार ही बोर्ड बैठक हुई है। और मच्छरों के बचाओ के दवाई छिडकाव भी नहीं कराया गया है। वार्ड मे 42 खम्बों पर लाइट नहीं लगी हुई हैं,जबकि वार्ड बारह मे नाली न बनाने को लेकर रोड का निर्माण अधुरा छोड दिया है। इधत चेयरमैन मोहम्मद कलीम अन्सारी ने सभासदों के आरोपों पर सफाई देते हुए कहा कि उनके द्वारा कोई उपेक्षा नहीं की जा रही है,दवाई का छिडकाव भी कराया गया है।

गला रेत कर पत्नी की हत्या, घटना को अंजाम देने के बाद अरोपी फरार दहेज में करता था दो लाख रुपये और बुलेट बाइक की मांग

बरेल। एक युवक ने अपनी पत्नी की चाकू से गला रेत कर हत्या कर दी। हत्या करने के बाद आरोपी पति फरार हो गया। जब पड़ोस में रहने वालों ने इसकी जानकरी मृतका के परिवार वालों को दी। परिवार वाले जब महिला की ससुराल पहुंचे तो घर में खून से लतपथ उसका शव पड़ा हुआ था। उन्होंने तुरंत ही इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। और आरोपी पति की तलाश शुरू कर दी है। थाना बहेड़ी निवासी जफर अली ने अपनी २२ वर्षीय बेटी फराह का विवाह अब से दो साल पहले नवाबगंज के जयनगर के रहने वाले मकसूद से किया था। शादी के बाद से ही मकसूद कम दहेज के ताने देकर उनकी बेटी को प्रताड़ित करता रहता था। वह उससे दहेज में दो लाख रुपये और बुलट बाइक की मांग कर उसे मारता पीटता था। आरोप है कि बुधवार को मकसूद ने फराह की चाकू से गला रेत कर हत्या कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद वह फरार हो गया। पड़ोसियों ने जब इसकी जानकारी परिवार को दी तो वह लोग उसकी ससुराल पहुंचे। जहां फराह का शव खून से लतथप पड़ा हुआ था। तुरंत ही परिवार वालों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों की तहरीर के आधार पर आरोपी पति की तलाश शुरू कर दी है।

गाली-गलौज का विरोध करना महिला को पड़ा भारी, दबंगों ने कीं अश्लील हरकतें

बरेली। घर के बाहर गाली गलौज कर रहे दबंगों का विरोध करना महिला के लिए महंगा पड़ गया। पहले तो दबंगों ने महिला से अश्लील हरकतें की, बचाव में आए परिवार को लाठी-डंडों से पीट दिया। पीड़िता ने एसएसपी कार्यालय पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। बता दें, मीरगंज थाना क्षेत्र में एक महिला ने आरोप लगाया है कि एक मई की शाम को करीब 8 बजे पास के रहने वाले पप्पू और नारायण दास उनके दरवाजे पर शराब के नशे में धुत होकर गंदी-गंदी गालियां देने लगे, जब महिला ने इसका विरोध किया तो दोनों लोगों ने उसे दरवाजे पर दबोच लिया। महिला के कपड़े फाड़ दिए और उसके साथ अश्लील हरकतें करने लगे। वहीं शोर मचाने पर उसके पति और ससुराल वाले आ गए तो दोनों लोग भाग गए। इसके बाद दोनों अपने साथियों संग लाठी-डंडे लेकर आ धमके और परिवार के साथ जमकर मारपीट की, जिसमें परिवार वालों के काफी चोटें आई हैं। पीड़िता ने अपने पति संग एसएसपी कार्यालय पहुंचकर मामले की शिकायत करते हुए कार्रवाई की मांग की है।

पत्नी को मायके छोड़कर आ रहे युवक की सड़क हादसे में मौत

बरेली। पत्नी को मायके छोड़कर अपने घर जा रहे युवक को तेज गति से जा रहे ट्रक ने टक्कर मार दी। जिससे युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आज युवक की पहचान भमोरा निवास खेमपाल के रूप में हुई है। अभी 2 महीने पहले ही उसकी शादी हुई थी। उसकी पत्नी का रो रो कर बुरा हाल है। थाना भमोरा के चाडपुर नवदिया निवासी 30 वर्षीय खेमपाल पुत्र राम मूर्ति गुरुवार को अपनी पत्नी कविता को बाइक से उसके मायके लोहारी गांव छोड़कर आ रहा था। इस दौरान भोलापुर के पास उसे तेज गति से जा रहे ट्रक ने टक्कर मार दी। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आज उसके शव की शिनाख्त होने पर जब इसका पता परिवार को चला तो कोहराम मच गया। 2 महीने पहले ही खेमपाल की शादी हुई थी। उसकी पत्नी कविता का रो-रो कर बुरा हाल है।

सांसद की कोठी के पीछे मिला युवक का शव, मचा क्षेत्र में हडकंप

मौके पर पहुंचे पुलिस के आला अधिकारी

बरेली। कांधरपुर में सांसद की कोठी के ठीक पीछे एक युवक की हत्या कर उसके शव को फेंक कर हत्यारे फरार हो गए। वहां से गुजर रहे लोगों ने जब युवक के शव को देखा तो कोहराम मच गया। घटना की सूचना से क्षेत्र में हडकंप मच गया। मौके पर पुलिस के आला अधिकारियों ने पहुंच कर शव क पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और जांच में जुट गई। परिजनों ने किसी से भी रंजिश की बात से इनकार किया है। थाना कैंट के झील गौटिया निवासी ३० वर्षीय हरीओम पटेल पुत्र स्वर्गीय शिव प्रशाद रेता बजरी की दुकान पर मजदूरी करता था। रात को सात बजे के बाद वह खाना खाने के बाद टहलने की बात कह कर घर से निकला। आज सुबह परिवार वालों को सूचना मिली की उसका शव आंवला सांसद धर्मेंद्र कश्यप की कोठी के पीछे खाली प्लाट में पड़ा हुआ है। जब इसका पता परिवार को चला तो कोहराम मच गया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के परिवार को जब इसका पता चला तो कोहराम मच गया। मृतक दो भाई और दो बहनों में सबसे छोटा था। उसका बड़ा भाई लाल करण साऊदी अरब में काम करताा है। मृतक अपनी मां विद्रा देवी और भाभी निरलेश के साथ रहता था जब इसका पता परिवार को चला तो कोहराम मच गया। शरीर पर चोट के निशान हाथ पैर बंधे थे रस्सी से मृतक हरिओ की हत्या करने से पहले उसके हाथ पैर को बांध कर उसका टाउचर किया गया। उसको मारापीटा भी। जिससे उसके मुंह और शरीर पर चोट के निशान थे। और उसके बाद उसका गला पर भी निशान थे मारने पीटने के बाद उसकी गला दवा क हत्या कर दी। अर्धनग्न था शव हरिओम केदोनो हाथ पैर रस्सी से बंधे हुए थे। उसकी शर्ट भी नहीं थी। अंदाजा लगाया जा रहा है मामला प्रेम प्रसंग का हो सकता है। आरोपियों ने उसे पकड़ लिया होगा और उसके बाद उसको टाउचर करने के बाद मार दिया। फिलहाल पुलिस कई विंदुओं पर जांच कर रही है। परिवार ने किसी से भी रंजिश होने से इनकार किया है।

अखिलेश यादव ने बीजेपी को आड़े हाथों लिया कहा भाजपा संविधान बदलना चाहती है; इलेक्टोरल बॉन्ड और किसानों के मुद्दों पर भी घेरा

बरेली । आंवला लोकसभा एवं बदायूं लोकसभा में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव भाजपा पर जमकर बरसे उन्होंने गुरुवार को सपा प्रत्याशी आदित्य यादव के और आंवला प्रत्याशी नीरज मौर्य के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। चुनावी रैली के मंच पर पूर्व मंत्री शिवपाल सिंह यादव, सलीम इकबाल शेरवानी और पूर्व विधायक आबिद रजा समेत तमाम पदाधिकारी भी मौजूद रहे। अखिलेश यादव ने जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा पर जमकर निशाना साधा। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के लोग संविधान और हमारी आपकी जान के पीछे पड़े हैं। ये संविधान बदलना चाहते हैं। जिन्होंने वैक्सीन लगवाई, वो लोग भी भाजपा के खिलाफ मतदान करेंगे। ये भाजपा वाले आपदा में अवसर देख रहे थे। इलेक्टोरल बॉन्ड के नाम पर जो वसूली की है। ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स का डर दिखाकर इनकी सरकार से न केवल संविधान को खतरा है बल्कि इनके फैसलों से जान का भी खतरा है। दस साल में इनकी बातें झूठी निकलीं। यही दिल्ली वाले आते थे, कहते थे आमदनी दोगुनी कर देंगे। लेकिन किसी की आय दोगुनी नहीं हुई क्या? सपा मुखिया ने कहा कि भाजपा के लोग कहते है कि 80 करोड़ लोगों को राशन बंटवा दिया और दूसरी तरफ कह रहे हैं कि हम गरीबी रेखा से लोगों को बाहर निकाल रहे हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि हम पौष्टिक आटा के साथ डाटा भी निशुल्क देंगे। अखिलेश ने कहा कि बीते 10 साल में एक लाख किसानों ने आत्महत्या की है। भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि इन्होंने हमारे किसानों का कर्ज माफ नहीं किया। बड़े-बड़े उद्योगपतियों और खासमखास लोगों का कर्ज माफ किया। अखिलेश ने पेपर लीक मुद्दों पर भी सरकार को घेरा।

हिन्दू विवाह पर सर्वोच्च अदालत का स्वागतयोग्य फैसला

ललित गर्ग

हाल के वर्षों में, भारत में हिन्दू विवाह परम्परा एवं संस्कृति से अनेक विसंगतियां एवं विकृतियां जुड़ गयी है, डेटिंग संस्कृति की शुरूआत के साथ, लव-मेरिज का प्रचलन बढ़ा है। संभावित दूल्हा और दुल्हन अपने दम पर जीवनसाथी चुनना पसंद करते हैं। आज के रोमांटिक-रिश्ते वास्तव में विवाह नहीं हैं, बल्कि एक नई प्रथा है, जिसके विपरीत प्रभाव से परिवार-संस्था बिखरने लगी है। विवाह के साथ प्रीवेडिंग का प्रचलन भी अनेक विकृतियों का वाहक बना है, बड़े-बडे. भव्य आयोजन एवं होटल संस्कृति ने भी विवाह की पवित्रता को धुंधलाया है। आयोजनों में शराब एवं अन्य नशों का बड़ा प्रचलन भी दुर्घटनाओं का कारण बना है। जिनके कारण विवाह होने से पहले ही उसमें दरारें पड़ते हुए देखी गयी है।

देश की सर्वोच्च अदालत ने हिन्दू विवाह को लेकर बड़ा फैसला देकर न केवल हिन्दू विवाह के संस्कारों एवं पारंपरिक रिवाजों को पुष्ट किया है बल्कि उन्हें कानूनी दृष्टि से आवश्यक स्वीकार किया है। आज जबकि हिन्दू विवाह की पवित्रता एवं परम्परा तथाकथित आधुनिक जीवन एवं प्रभाव के कारण धुंधली होती जा रही है, पाश्चात्य संस्कृति की आंधी में हिन्दू विवाह की पवित्रता समाज में समय के साथ घटी है और उसमें सुधार एवं सुदृढ़ता की जरूरत है। जो लोग विवाह को मात्र एक पंजीकरण मानते हैं, उन्हें चेत जाना चाहिए। उन्हें सात फेरों का अर्थ समझना होगा। बिना सात फेरों, हिन्दू रीति-रिवाजों एवं वैवाहिक आयोजनों के कोर्ट की दृष्टि में भी विवाह मान्य नहीं होगा। हिंदू विवाह पर कोर्ट का ताजा फैसला न केवल स्वागतयोग्य है बल्कि इसके दूरगामी परिणाम सुखद होंगे। इससे हिन्दू संस्कृति एवं संस्कारों को बल मिलेगा। पारिवारिक-संस्था को मजबूती मिलेगी।

हिंदू विवाह से जुड़ा यह फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि शादी ह्यगाने और डांसह्ल, ह्यशराब पीने और खानेह्ल का आयोजन या अनुचित दबाव डालकर दहेज और गिफ्ट्स की मांग करने का मौका नहीं है। विवाह कमर्शियल ट्रांजैक्शन नहीं है। यह एक गंभीर बुनियादी सांस्कृतिक एवं पारिवारिक आयोजन है, जिसे एक पुरुष और एक महिला के बीच संबंध बनाने के लिए मनाया जाता है, जो भविष्य में एक अच्छे परिवार के लिए पति और पत्नी का दर्जा प्राप्त करते हैं। यह भारतीय हिन्दू समाज-व्यवस्था की एक बुनियादी इकाई एवं मजबूत सांस्कृतिक एवं पारिवारिक आयाम है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि बिना सात फेरों के हिन्दू विवाह को मान्यता नहीं मिल सकती है अर्थात शादी के लिए हिन्दू विवाह अधिनियम में जो नियम और प्रावधान बनाए गए हैं उसका पालन करना होगा। इस तरह कोर्ट ने अपने फैसले में हिंदू विवाह अधिनियम 1955 के तहत हिंदू विवाह की कानूनी आवश्यकताओं और पवित्रता को स्पष्ट किया है। अधिनियम के अनुसार, एक हिंदू विवाह किसी भी पक्ष के पारंपरिक संस्कारों और समारोहों के अनुसार संपन्न किया जाएगा। समारोहों में सप्तपदी (दूल्हा और दुल्हन द्वारा पवित्र अग्नि के चारों ओर संयुक्त रूप से सात कदम उठाना) शामिल है, और जब वे सातवां चरण एक साथ लेते हैं तो विवाह पूर्ण और बाध्यकारी हो जाता है। कुल मिलाकर हिन्दू विवाह एक संस्था है, संस्कार है और विवाह कोई व्यावसायिक लेन-देन नहीं है।

कोर्ट ने जोर दिया है कि हिंदू विवाह की वैधता के लिए

सप्तपदी (पवित्र अग्नि के चारों ओर सात फेरे) जैसे उचित संस्कार और उससे जुड़े समारोह जरूरी है। विवाद की स्थिति में समारोह के प्रमाण पेश करना जरूरी है। कोर्ट की सात फेरों और उससे जुड़े समारोह का मूल्य समझाने की यह कोशिश हिन्दू विवाह को न केवल मजबूती प्रदान करेंगी बल्कि आधुनिकता की आंधी में धुंधलाते मूल्यों को नियंत्रित करने का काम करेगी। इसमें कोई शक नहीं कि विवाह संस्कार का मूल महत्व पहले की तुलना में कम हुआ है, अब विवाह बहुतों के लिए एक दिखावा, मजबूरी या समझौता भर रह गया है। न्यायमूर्ति बी नागरत्ना ने अपने प्रासंगिक एवं उपयोगी फैसले में बिल्कुल सही कहा है कि हिंदू विवाह एक संस्कार है, जिसे भारतीय समाज में एक महान मूल्य की संस्था के रूप में दर्जा दिया जाना चाहिए। पारंपरिक संस्कारों या सात फेरों जैसी रीतियों के बिना हुए विवाह को हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 7 के अनुसार हिंदू विवाह नहीं माना जाएगा। इस वजह से कोर्ट ने युवा पुरुषों और महिलाओं से आग्रह किया हैं कि वो विवाह की संस्था में प्रवेश करने से पहले इसके बारे में गहराई से सोचें और भारतीय समाज में उक्त संस्था कितनी पवित्र है, इस पर विचार करें।

प्रश्न है कि हिन्दू विवाह को लेकर कोर्ट को जागरूक होने एवं हिन्दू संस्कारों को मजबूती देने की जरूरत क्यों पड़ी? हिन्दू विवाह से जुड़े संस्कारों एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों को लेकर अनेक मामले कोर्ट की चौखट पर आते रहे हैं, हर बार कोर्ट सजगता, दूरदर्शिता एवं विवेक से विवाह-संस्था से जुड़े मामलों पर अपना नजरिया प्रस्तुत करती रही है। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने पिछले दिनों यह माना कि हिंदू विवाह अधिनियम के अनुसार, हिंदू विवाह को संपन्न करने के लिए कन्यादान का समारोह जरूरी नहीं है। उस फैसले में भी सप्तपदी के महत्व को दशार्या गया था। मध्यप्रदेश की एक परिवार अदालत के फैसले में महिला पक्ष को यह समझाया गया था कि सिंदूर लगाना एक विवाहित हिंदू महिला का धार्मिक कर्तव्य होता है। सर्वोच्च न्यायालय के ताजा फैसले में ऐसी ही समझाइश की कोशिश झलकती है। कुल मिलाकर, न्यायालय का संदेश यह है कि फिजूल के तमाशे-दिखावे से बचते हुए विवाह के मूल अर्थ को समझना चाहिए। हिंदू विवाह को लेकर अब ज्यादा स्पष्टता की जरूरत है और विशेषतः हिन्दू संस्कारों एवं संस्कृति को बल देने की भी। क्योंकि भारत में परिवार संस्था कायम है तो इसका कारण हिन्दू संस्कार एवं परम्पराएं ही हैं। इस तरह कोर्ट ने अपने फैसले में हिंदू विवाह अधिनियम 1955 के तहत हिंदू विवाह की कानूनी आवश्यकताओं और पवित्रता को स्पष्ट किया है।

हिन्दू विवाह एक आदर्श परम्परा एवं संस्कार है। हिंदू धर्म में विवाह को सोलह संस्कारों में से एक संस्कार माना गया है। विवाह = वि $ वाह, अतः इसका शाब्दिक अर्थ है - विशेष रूप से उत्तरदायित्व का वहन करना। पाणिग्रहण संस्कार को सामान्य रूप से हिंदू विवाह के नाम से जाना जाता है। अन्य धर्मों में विवाह पति और पत्नी के बीच एक प्रकार का करार होता है जिसे विशेष परिस्थितियों में तोड़ा भी जा सकता है परंतु हिंदू विवाह पति और पत्नी क बीच जन्म-जन्मांतरों का सम्बंध होता है जिसे किसी भी परिस्थिति में नहीं तोड़ा जा सकता। अग्नि के सात फेरे लेकर और ध्रुव तारा को साक्षी मान कर दो तन, मन तथा आत्मा एक पवित्र बंधन में बंध जाते हैं। यह दो परिवारों का भी मिलन है। हिंदू विवाह में पति और पत्नी के बीच शारीरिक संम्बंध से अधिक आत्मिक संम्बंध होता है और इस सम्बंध को अत्यंत पवित्र माना गया है।

हिन्दू विवाह का न केवल पारिवारिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व है, बल्कि उसका गहन आध्यात्मिक महत्व भी है। हिंदू धर्म ने चार पुरुषार्थ (जीवन की चार बुनियादी खोज), यानी धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष निर्धारित किया है। विवाह संस्कार का उद्देश्य ह्यकामह्ल के पुरुषार्थ को पूरा करना और फिर धीरे-धीरे ह्यमोक्षह्ल की ओर बढ़ना है। एक पुरुष और महिला के जीवन में कई महत्वपूर्ण चीजें शादी से जुड़ी होती हैं; उदाहरण के लिए, पुरुष और महिला के बीच प्यार, उनका रिश्ता, संतान, उनके माता-पिता, उनके जीवन में विभिन्न सुखद घटनाएं, सामाजिक स्थिति और समृद्धि। हिंदू समाज में एक विवाहित महिला को अत्यंत सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। उसके माथे पर कुमकुम-सिन्दूर के साथ एक महिला की दृष्टि, उसके गले में एक मंगलसूत्र पहने हुए, हरी चूड़ियाँ, पैर के अंगूठे के छल्ले और छह या नौ-यार्ड साड़ी स्वचालित रूप से एक पर्यवेक्षक के मन में उसके लिए सम्मान उत्पन्न करता है। हिंदू विवाह के सात वचनों में से, कम से कम तीन ऐसे हैं, जहां जोडे अपने बुजुर्गों की देखभाल करने का वादा करते हैं। पांचवां वचन अपनी संतान पैदा करने और उसकी देखभाल करने का है।

हाल के वर्षों में, भारत में हिन्दू विवाह परम्परा एवं संस्कृति से अनेक विसंगतियां एवं विकृतियां जुड़ गयी है, डेटिंग संस्कृति की शुरूआत के साथ, लव-मेरिज का प्रचलन बढ़ा है। संभावित दूल्हा और दुल्हन अपने दम पर जीवनसाथी चुनना पसंद करते हैं। आज के रोमांटिक-रिश्ते वास्तव में विवाह नहीं हैं, बल्कि एक नई प्रथा है, जिसके विपरीत प्रभाव से परिवार-संस्था बिखरने लगी है। विवाह के साथ प्रीवेडिंग का प्रचलन भी अनेक विकृतियों का वाहक बना है, बड़े-बडे.भव्य आयोजन एवं होटल संस्कृति ने भी विवाह की पवित्रता को धुंधलाया है। आयोजनों में शराब एवं अन्य नशों का बड़ा प्रचलन भी दुर्घटनाओं का कारण बना है। जिनके कारण विवाह होने से पहले ही उसमें दरारें पड़ते हुए देखी गयी है।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

संपादकीय

आदर्श संहिता उल्लंघन मामले में पहली कार्रवाई

निर्वाचन आयोग ने प्रधानमंत्री के बांसवाड़ा में दिए भाषण पर भाजपा से जवाब मांगा है। कांग्रेस और वामदलों ने नरेन्द्र मोदी के भाषण को विभाजनकारी और महाहानिकर बताते हुए आयोग से शिकायत की थी। इसी पर संज्ञान लेते हुए आयोग ने नोटिस दिया है। किसी पदेन प्रधानमंत्री के विरु द्ध आदर्श संहिता उल्लंघन मामले में यह पहली कार्रवाई है। आयोग का अपनी याददाश्त के आधार पर ऐसा दावा है। दूसरी तरफ, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और उनकी पार्टी के नेता राहुल गांधी के विरु द्ध भाजपा की शिकायतों पर जवाब मांगा गया है। ये जवाब 29 अप्रैल तक दिए जाने हैं। इस तरह से आयोग ने निष्पक्षता एवं पारदर्शिता का एक कठिन पड़ाव पार कर लिया है। उसे इसका श्रेय मिलना चाहिए कि उसने संहिता उल्लंघन पर प्रधानमंत्री तक को नहीं बख्शा। यह आरोप भी कमजोर हुआ है कि आयोग विपक्ष और कमजोर दलों के नेता को ही निर्देशित करने में आगे रहता है। पर उसका निर्णायक इम्तिहान दोनों दलों के जवाब पर की जाने वाली कार्रवाई में होगा जो आयोग की शक्ति और क्षेत्र को परिभाषित करने वाला होगा। सार्वजनिक जीवन में गरिमा-मयार्दा और नियम-कायदे का आग्रही तबके ही नहीं, पूरे देश ने देखा-सुना कि बांसवाड़ा में और फिर अलीगढ़ तक में खास समुदाय और धर्म के लोगों के बारे में क्या-क्या न कहा गया। माना कि चुनाव बाद एक प्रधानमंत्री के रूप में आप समुदाय-धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं करते पर यही भाव चुनावी सभाओं में भी रहना बुरा नहीं होता। यह सामान्य जन अपेक्षा है कि प्रधानमंत्री को तमाम विभाजनों और दोष-रेखाओं से ऊपर होना चाहिए। तब आयोग को भी रिकार्ड बनाने का मौका नहीं मिलता। चुनाव की घोषणा करते हुए आयोग ने भाषणों में सभ्यता के निर्वाह का अनुरोध दलों से किया था, जिसका पालन किसी ने नहीं किया। विपक्ष में स्थितिजन्य आक्रामकता स्वाभाविक ही होती है। सत्ता अपने व्यवहार से उसको परिमार्जित करती है। खरगे और राहुल सरकार की नीतियों की आलोचना के अधिकार के प्रयोग में सभ्यता भूलते रहे हैं। वे न केवल प्रधानमंत्री को निजी स्तर चोट पहुंचाने वाली भाषा का धड़ल्ले से प्रयोग करते सुने-देखे गए हैं, बल्कि तू-तड़ाक पर भी उतर आए हैं। यह भी रिकार्ड है कि नरेन्द्र मोदी देश के सर्वाधिक आलोच्य प्रधानमंत्री हैं। अगर यही एक परिपक्व लोकतंत्र की भाषा है तो यह वाकई बेहद पीड़ादायक परिदृश्य है।

चिंतन-मनन

संत की उदारता

संत बेनजोई के पास कई बालक शिक्षा ग्रहण करने के लिए आते थे। वह अपने सभी शिष्यों की शिक्षा पूर्ण करने के बाद ही उन्हें वहां से जाने की अनुमति देते थे। वह उद्दंड व शरारती शिष्यों को भी आज्ञाकारी और संस्कारी बनाकर ही दम लेते थे। एक बार उनके आश्रम में बहुत ही शरारती और बदतमीज लड़का आया। एक दिन वह चोरी करते हुए पकड़ा गया। बेनजोई ने उसे चोरी की बुराइयों से अवगत कराया और क्षमा कर दिया, लेकिन वह लड़का इतना बिगड़ैल था कि उस पर बेनजोई की शिक्षा का कोई प्रभाव नहीं पड़ा। उसने दोबारा चोरी की और एक शिष्य को बेवजह पीट दिया। यह शिकायत बेनजोई तक पहुंची तो उन्होंने उसे फिर बुलाकर प्रेम से समझाया और एक बार फिर क्षमा कर दिया। यह देखकर आश्रम के अन्य शिष्य आगबबूला हो गए। शाम की प्रार्थना के समय सभी शिष्य एकजुट होकर बोले, गुरुजी, यह बार-बार चोरी करता रहेगा, हमें पीटता रहेगा और आप उसे क्षमा करते रहेंगे। यह कैसा न्याय है? यदि आप इसे आश्रम से नहीं निकाल सकते तो हम सभी यह आश्रम छोड़कर चले जाते हैं।

इस पर बेनजोई विनम्रता से बोले, मैंने माना कि तुम सब अच्छे हो, संस्कारी हो। कभी किसी कुसंग में न रहने के कारण दुष्कर्मों से दूर हो। यह अबोध किशोर अपने दुर्व्यसनी पिता और भाइयों द्वारा ठुकराया हुआ है। इसे मैं सुधारने, संस्कारित करने के उद्देश्य से यहां लेकर आया हूं। मुझे यह भी मालूम है कि तुम यदि इस आश्रम से चले गए तो अन्य किसी शिक्षक से शिक्षा प्राप्त कर सकते हो, किंतु इस बिगड़ैल लड़के को कौन अपने यहां रखेगा? इसे सुधरने का मौका कैसे मिलेगा? वह किशोर भी यह सब सुन रहा था। उसकी आंखें भर आईं। वह उनसे क्षमा मांगते हुए बोला, गुरुजी, मुझे माफ कर दीजिए। फिर कभी आपको शिकायत का मौका नहीं मिलेगा। उसने अन्य शिष्यों से भी माफी मांगी।

संसद के अंगने में गरीबों का क्या काम

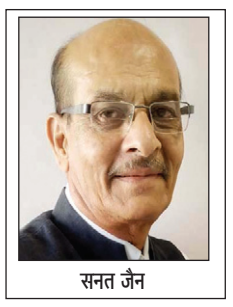

सनत जैन

संसद के अंदर साल दर साल करोड़पति सांसदों की संख्या बढ़ती चली जा रही है। चुनाव खर्च भी चुनाव आयोग बढाता जा रहा है। 2024 के लोकसभा चुनाव में चुनाव आयोग ने अधिकतम खर्च की सीमा 95 लाख तय कर दी है। जिस तरह से लोकसभा और विधानसभा के चुनाव हो रहे हैं। लोकसभा और विधानसभा का चुनाव लड़ना, मध्यम एवं निम्न वर्गीय ईमानदार व्यक्ति के लिये चुनाव लड़ने की बात सपने में भी नहीं सोच सकता है। लोकसभा में 2004 में 156 सांसद करोड़पति और अरबपति थे। 2009 में यह संख्या बढ़कर 315 हो गई है। 2014 में संख्या बढ़कर 443 हो गई। रही सही कसर 2019 के लोकसभा चुनाव में करोड़पतियों और अरबपति सांसदों की संख्या बढ़कर 475 हो गई। 2024 के लोकसभा चुनाव चल रहे हैं। इसमें भी अरबपति और करोड़पति उम्मीदवार बड़ी संख्या में सांसद का चुनाव लड़ रहे हैं। चुनाव आयोग द्वारा खर्च की अधिकतम सीमा प्रत्येक उम्मीदवार के लिए 95 लाख तय की गई है। राजनीतिक दल अपने उम्मीदवार के चुनाव खर्च के लिए अलग से खर्च करते हैं। राजनीतिक दलों द्वारा जिस तरह से पूंजीपतियों को टिकट दी जा रही है। राजनीतिक दलों में सामान्य कार्यकर्ता और नेता हैं, उसे राजनीतिक दलों की टिकट नहीं मिलती है। टिकट लेने के लिये पार्टी फंड में दान करने और स्वयं चुनाव खर्च उठाने वाले उम्मीदवारों को पंजीकृत राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक पार्टियों द्वारा टिकट दी जाती है। सांसद और विधानसभा के अंदर मध्य और निम्न वर्ग की आवाज उठाने वाला सांसद अथवा विधायक निर्वाचित होकर सदन में नहीं पहुंच रहे है। कुछ इसी तरीके की स्थिति जिला पंचायत, जनपद पंचायत और पार्षद के चुनाव में भी देखने को मिलने लगी है। पंचायत के चुनाव में भी लाखों और करोड़ों रुपए के खर्च होने की बात सामने आती है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुनाव लगातार महंगे होते चले जा रहे हैं। चुनाव में जब उम्मीदवार लाखों और करोड़ों रुपए खर्च करते हैं। चुनाव जीतने के बाद फिर वह धंधे तरह खर्च की भरपाई करने के लिए हर संभव कोशिश करते हैं। जिसके कारण जनसेवा भी एक धंधा बन गया है। जिसके फल स्वरुप चुनाव से धीरे-धीरे मध्य और निम्न वर्ग के लोग बाहर होते चले जा रहे हैं। संसद और विधानसभा जहां कानून बनते हैं। वहां केवल करोड़पति और अरबपतियों की संख्या बहुतायत में होने के कारण, निम्न एवं मध्यम वर्ग प्रतिनिधित्व अब सांसद और विधानसभा में करने वाला भी कोई नहीं रहा। पिछले 20 साल में यह स्थिति तेजी के साथ बदली है। पिछले 10 साल में संसद में 204 फीसदी की दर से करोड़पति और अरबपति सांसदों की संख्या बढी है। 2019 के लोकसभा चुनाव की बात करें, तो कुल 21 फीसदी सांसद ऐसे थे जिनकी संपत्ति एक करोड रुपए से कम थी यदि आरक्षण की व्यवस्था लागू नहीं होती, तो इनका भी चुना जाना संभव नहीं होता। राजनीतिक दल एसटी और एससी वर्ग के जो उम्मीदवार खड़ा करते हैं। उनके लिए पार्टी फंड से उन्हें चुनाव लड़ाया जाता है। ऐसी स्थिति में वह पार्टी में बंधक के रूप में रहते हैं। वह अपनी बात मुखर होकर पार्टी के अंदर भी नहीं कह पाते हैं। विधानसभा और लोकसभा में विहिप में बंधे होने के कारण उनकी अपनी अलग से कोई आवाज नहीं होती है। भारतीय लोकतंत्र के लिए यह सबसे बड़ी चिंता का है। 542 सांसदों में से यदि 475 सांसद करोड़पति और अरबपति हैं। शेष 21फीसदी सांसद आरक्षित वर्ग से आते हैं। जिसके कारण लोकसभा और विधानसभा में सभी वर्गों को समान प्रतिनिधित्व नहीं मिल पाता है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यही कहा जा सकता है, लोकतंत्र के अंगने में गरीबों का क्या काम है।

आम चुनाव और मुस्लिम तुष्टीकरण का विकृत खेल

आम चुनाव के मतदान के दो चरण समाप्त हो जाने के बाद सभी राजनीतिक दलों को जनता के मध्य अपनी स्थिति की वास्तविकता का कुछ सीमा तक पता चल गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार सत्ता में आने की सम्भावना वाली भारतीय जनता पार्टी को रोकने के लिए विपक्ष ने एक बार फिर मुस्लिम तुष्टीकरण का विकृत खेल खेलना प्रारम्भ कर दिया है। तथाकथित इंडी गठबंधन में शामिल दलों के नेता लगातार भड़काऊ और नफरत भरी बयानबाजी कर रहे हैं, जिसमें अब वोट जिहाद और तालिबान भी आ गया है। दिल्ली के मंडी हाउस इलाके में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के साथ आतंकी फंडिंग मामले में सजा काट रहे यासीन मलिक का फोटो लगाया गया है।

पोस्टर में यासीन मलिक की रिहाई के साथ कांग्रेस को वोट देने की अपील की गई है। हालांकि जानकारी मिलते ही दिल्ली पुलिस ने यह पोस्टर हटा दिया। आतंकी यासीन मलिक कुख्यात अलगवावादी है जिससे 2006 में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने मुलाकात की थी। अब मलिक आजीवन कारावास की सजा काट रहा है और अभी उस पर कई और मुकदमे चल रहे हैं। कांग्रेस केरल में प्रतिबंधित पीएफआई जैसे संगठनों का सहयोग ले रही रही है और सनातन विरोधी बयानों पर चुप्पी साधे हुए है।

मुस्लिम तुष्टीकरण का यह खुला खेल कांग्रेस ही नहीं अपितु भारत की सभी वामपंथी और अधिकांश क्षेत्रीय पार्टियां जमकर खेल रही हैं फिर चाहे वो उत्तर प्रदेश हो बिहार हो या पश्चिम बंगाल। विगत 10 वर्ष और अटल जी के कार्यकाल को छोड़ दें तो केंद्र तथा राज्यों में कांग्रेस व उसके गर्भ से निकले दलों व नेताओं ने ही सत्ता पर एकछत्र राज किया। ये सभी धर्मनिरपेक्षता के नाम पर भाजपा को हराने की बात करने वालों तथा कट्टरपंथियों का समर्थन कर मतदान को मजहब के आधार पर प्रभावित किया करते थे। भाजपा द्वारा धर्मनिरपेक्षता की सच्ची रेखा खींचने के बाद इन दलों के नेताओं के सामने अपना राजनीतिक अस्तित्व बचाने का संकट खड़ा हो गया है और ये वोट जिहाद की अपील कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश में अभी तक सपा, बसपा, कांग्रेस सहित विभिन्न दल अतीक अहमद, मुख्तार अंसारी जैसे माफिया को अपने राजनीतिक लाभ के लिए पाला पोसा करते थे अब उनके लिए फातिहा पढ़ रहे हैं और धूर्तता के साथ उन्हें गरीबों का मसीहा बताकर मुसलमानों का वोट मांग रहे हैं । पहले ये माफिया बूथ लूटकर व मतदान के समय बम, गोलियां दागकर वोट जिहाद किया करते थे अब उनके नेता व गुर्गे इनको शहीद बताकर मुस्लिम समाज को भड़का रहे हैं।

उत्तर प्रदेश के फरुर्खाबाद में कायमगंज के अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्र में इंडी गठबंधन के प्रत्याशी के समर्थन में पूर्व विदेशमंत्री सलमान खुर्शीद की भतीजी सपा नेता मारिया आलम खां ने वोट जिहाद का नारा देकर समाजवादियों की मुश्किल बढ़ा दी है। मारिया आलम खां ने कहा कि हर महिला और हर पुरुष वोट जिहाद करके संविधान बचाने की इस जंग को लड़ेगा।

प्रदेश में वोट जिहाद शब्द को लेकर राजनीतिक बयानबाजी अब काफी तल्ख हो गई है। सपा-कांग्रेस गठबंधन हो जाने के कारण इस बार सलमान खुर्शीद का परिवार चुनावी मैदान से भले ही दूर हो गया हो किंतु अपने सहयोगी दलों के उम्मीदवारों के लिए चुनाव प्रचार कर रहा है। सलमान खुर्शीद का परिवार कई बार विवादों के घेरे में रहा है। खुर्शीद की पत्नी लुईस खुर्शीद पर दिव्यांगों की सहायता करने के नाम पर घोटाला करने का मुकदमा चल रहा है।

सलमान खुर्शीद बाटला हाउस एनकाउंटर व प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर भी विवादित बयानबाजी कर चुके हैं। जब लुईस खुर्शीद को इस बात का आभास हो गया था कि इस बार उनके परिवार को टिकट नहीं मिलने जा रहा तब उन्होंने मीडिया के सामने अपने कार्यकर्ता से कहा था कि अगर कांग्रेस का कोई पदाधिकारी उनसे मिलने आए तो उसे चप्पल से मारें। अब उसी परिवार की भतीजी मारिया एक बार फिर वोट जिहाद की अपील कर रही हैं।

इसी प्रकार उत्तर प्रदेश के संभल से पूर्व सांसद डॉ. शफीकुर्रहमान वर्क के पोते एवं सपा प्रत्याशी जियाउर्रहमान वर्क अपनी नुक्कड़ सभा के वायरल वीडियो में मुख्तार अंसारी, अतीक अहमद और शहाबुद्दीन की मौत को कुबार्नी बता रहा है। वीडियो वायरल हो जाने के बाद वर्क पर मुकदमा दर्ज हो गया है। उसके बाद भी वह नहीं रुका और उसने चुनाव आयोग के अधिकारियों को धमकी देते हुए बयान दिया कि जब वक्त बदलेगा तब बदला लिया जाएगा। बहुजन समाजवादी पार्टी अपनी नैया पार लगाने व जनता के मध्य अपनी उपस्थिति को दर्ज कराने के लिए चुनावी मैदान में अपने युवा कोआर्डिनेटर, पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के भतीजे आकाश आनंद के नेतृत्व में रण मे उतरी है और कुछ-कुछ बदली बदली सी नजर आ रही है। पार्टी ने 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में अपनी जमीन को फिर से प्राप्त करने के लिए, सवर्णो को खुश करने के लिए रामनाम का विरोध नहीं किया था किंतु वह अब काफी पीछे छूट चुका है।

बसपा ने इस बार नया नारा दिया है,ह्ल बहुजन हिताय बहुजन सुखाय काह्ल किंतु पार्टी का एक मुश्त मुस्लिम मतों का लालच छूटा नहीं है इसलिए बसपा ने सबसे अधिक मुसलमानों को अपना उम्मीदवार बनाया है। बसपा के युवा नेता आकाश आनंद मुस्लिम तुष्टीकरण के लिए आक्रामक बयानबाजी कर रहे हैं जिसके कारण उनके खिलाफ सीतापुर जिले में केस भी दर्ज हो गया है। सीतापुर की एक जनसभा में आकाश ने अपनी सभी सीमाओं को लांघते हुए उत्तर प्रदेश सरकार की तुलना तालिबान से कर डाली। अतीक, मुख्तार अंसारी व शहाबुद्दीन जैसे माफिया का राजनीतिक लाभ के लिए उपयोग बसपा ने भी समय -समय पर किया है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

India leveraging AI technology to make gains

ARTIFICIAL intelligence (AI) is proving to be hugely beneficial to the Indian information technology (IT) services sector. The sector is developing tools and systems that it is passing on to clients across the world to enable them to reap the benefits of the rapidly emerging and maturing technology. This is becoming a new and critical line of product offerings that will enable the sector to remain at the forefront of emerging technology, grow fast and continue to be highly profitable.AI simulates the cognitive processes of the human brain, and generative AI (GenAI), on being fed enormous amounts of data, produces on-demand speech, text, images, audios and videos. These are critical for the country, as its technology sector earned substantial revenue of $254 billion in 2023-24, up 3.8 per cent from the previous year. Out of this, exports accounted for $200 billion (nearly 80 per cent); technology exports accounted for 28 per cent of the total exports.

Even as the Indian technology sector is helping its global clients use the newly emerging AI and GenAI to take it forward, it is developing tools and products for its own use, enabling it to cut costs and raise its efficiencies multifold. AI, in fact, has become critical as it is enabling the software sector to remain relevant and go forward technologically.

Infosys is a leader in reimaging work, workplace and workforce by leveraging AI so that it is able to get more value out of its staff. Not just Infosys but other IT leaders, such as HCLTech and LTIMindtree, have taken on board Copilot, Microsoft's AI-based conversational chat interface.Infosys has also incorporated the GenAI learning process into its platform, Lex, and it is being actively adopted by its employees. Additionally, an AI knowledge assistant of a higher order has been rolled out to all the company's leaders so that they can bring about improvements in the firm's sales process. As a result, processes that could take weeks can now be completed in days.Tata Consultancy Services (TCS), IBM and Wipro are following the same route. They are adopting AI processes in areas like human resource management, automating IT infrastructure and driving sales. IBM finds that, as a result of adopting AI in its own processes, it is able to raise value creation per unit of time by as much as 70 per cent. What is more, by becoming the first user of the GenAI processes developed by it, the vendor is able to debug the process and pass on a much better offering to its clients.

TCS found that the first step — getting its employees to understand GenAI — was in itself a big task. This is partly because as many as three lakh of its employees have by now been trained in basic AI skills.Wipro is going through a process of using an AI-powered enterprise chatbot to handle business queries, automate tasks and provide information to employees to enable them to do their work better. It is being used by companies in 53 countries to improve their knowledge management and boost productivity. The chatbot typically responds to employees in five seconds and is 95 per cent accurate.

GenAI is also helping another major part of software services, business process management (BPM), which responds to customer queries to deliver better and at a lower cost. With the use of GenAI, till now the main vehicle of BPM delivery, the call centre will be required only minimally. If things keep going this way, in the not-too-distant future, only a few centres will be needed to handle incoming calls. Technology should be able to predict incoming calls and proactively address customer concerns. With the use of GenAI, many Indian BPM companies have been able to shift away from low-end voice-based services. As a result, some of this work has shifted to the Philippines. Firms in India are now using AI-driven chatbots to handle a lot of their work, which earlier used to be handled by their staff.

As Indian IT firms train their staff to handle GenAI for their work and deliver it to customers, the level of skills in the country is rising rapidly.

Paradigm shift needed to improve water use efficiency

India is the largest user of groundwater, accounting for 25 per cent of the global withdrawals.

LATEST data released by the Central Water Commission paints a grim picture of the live storage in India's reservoirs, particularly in the southern states. The reservoir levels in South India have plummeted to just 17 per cent of their capacity amid a widespread heatwave. This does not augur well for the water security of the region and the country as a whole.India, which accounts for 4 per cent of the world's water resources, uses them for irrigation, and domestic and industrial purposes. Surface and groundwater, as per ease of availability, are put to various uses. There is, however, a shortage of water across states, leading to crop failure, deaths, closing down of healthcare facilities and industries. India has become 'water-stressed', with the per capita per year water availability being 1,545 cubic metres, less than the stipulated 1,700 cubic metres. At this rate, India is projected to become 'water-scarce' by 2050, when the availability will be less than 1,000 cubic metres.

Various states have made significant infrastructural investments in irrigation, but a lack of regular maintenance and quality service are causing bottlenecks. Water left untreated after domestic, industrial and other uses is causing surface and groundwater pollution. Groundwater is also getting polluted through an excessive use of chemical fertilisers and pesticides. The Centre had informed the Supreme Court in 2016 that about 33 crore people in 256 districts of 10 states were affected by drought. Appropriate practices, innovative technologies and positive participation of all stakeholders are required for moving towards sustainable and efficient water use management.

India started on a positive note after Independence by utilising surface water of rivers through multipurpose projects, hydroelectric and water harvesting dams. However, over the past four decades, about 84 per cent of the total addition to irrigation areas, 80 per cent of the drinking water needs and most of the industrial use is met from groundwater. India, consequently, is the world's largest user of groundwater, accounting for 25 per cent of the global withdrawals. As a result, the water table has been dipping at an average of 0.4 metre every year.

With water being a state subject, states/UTs need to do policy correction. The adoption of measures such as water conservation, groundwater recharge, conjunctive use of surface and groundwater, economic use of water through appropriate pricing and application of technologies and increasing water use efficiency through recycling can improve the situation. The implementation of measures like crop rotation and diversification, increase in drip and sprinkler irrigation and creating awareness can further bring water use efficiency.

The National Water Mission was launched in 2011 in order to conserve water, reduce wastage and ensure equitable distribution across and within states, besides introducing a framework for optimising water use efficiency by 20 per cent. Many interventions and schemes have been introduced under this mission. The 'Per Drop More Crop' scheme, introduced in 2015, promotes water use efficiency through micro irrigation, especially drip and sprinkler irrigation. However, only about 10 per cent of the net sown area has been covered under micro irrigation. The Sahi Fasal campaign — an awareness generation programme for educating farmers to adopt crops that are economically remunerative, environmental friendly and improve water use efficiency — has been launched. It is moving at a slow pace, but would bring dividends if implemented in right earnest. The Jal Shakti Abhiyan is being implemented since 2019, with multi-stakeholder participation, especially of women, to optimise harvesting of rainwater and integrating it with afforestation. Desilting of water bodies and revitalising of abandoned borewells have also been initiated. Progress under this initiative is dismal, with watershed development works progressing at a sluggish pace and intensive afforestation yet to begin.

Atal Bhujal Yojana was started in 2020 to deal with overexploited and water-stressed areas of seven states. The Union Ministry of Jal Shakti has circulated a Model Bill among all states/UTs to curb overexploitation and depletion of groundwater. Several states have enacted legislation, but implementation has been effected only in a few. Industries extracting groundwater in excess of 100 cubic metres/day are now required to get an annual water audit done and reduce water use by 20 per cent over the next three years. This is a step in the right direction

The Jal Jeevan Mission is on course to provide piped drinking water with a functional tap connection to each household in the country by the year-end. About 76 per cent of the rural households have been covered and those remaining and in urban areas are being targeted. Participatory irrigation management has brought efficiency and reduced the gap between the created and utilised irrigation potential. These actions are helping in moving towards demand-driven supply of drinking and irrigation water that would make consumers responsible for making timely payments that can be utilised for proper operation and maintenance of infrastructure.

The NITI Aayog has developed the Composite Water Management Index (CWMI), covering drinking water, irrigation, sanitation, source augmentation and restoration of water bodies and groundwater, watershed development, sustainable on-farm water use practices to access and further improve water management performance. These performance indicators, integrated with improved policy and governance, are providing useful information to states/UTs and Union ministries/departments to formulate and implement sustainable strategies and practices for efficient and sustainable water management.

There is a need for a paradigm shift in taking forward strategies and regulations and integrating these through the CWMI. However, the absence of holistic implementation and regular and participatory monitoring at the block, district, state and national levels is hindering the pursuit of sustainable supply and improved water use efficiency.

Covid vaccine row

Thorough probe a must to fix accountability

ASTRAZENECA (AZ), a leading pharmaceutical firm headquartered in the UK, has admitted that its Covid-19 vaccine can cause a side effect in 'very rare cases'. The disclosure came during the hearing of a case in the High Court of Justice in London. Fifty-one claimants have alleged that they — or their loved ones — suffered from TTS (thrombosis with thrombocytopenia syndrome) after receiving the AZ vaccine. This rare syndrome is characterised by blood clotting or abnormally low levels of platelets; its potentially life-threatening consequences include brain damage, heart attack, pulmonary embolism and amputation. The petitioners, who are seeking damages under the UK's Consumer Protection Act, reportedly possess documents substantiating their charge that the vaccine caused deaths or injuries.

The British case is of immense significance for India, where the AZ vaccine was manufactured and marketed as Covishield in partnership with the Pune-based Serum Institute of India. It was administered to almost 90 per cent of the eligible people in the country during the Covid years. Even though AZ has stated that patient safety is its highest priority, a thorough probe is required to allay the doubts and apprehensions of the Indian citizens who received Covishield shots. The matter has reached the Supreme Court, where a petitioner has sought directions to form a panel of medical experts to examine the vaccine's side effects.

During the pandemic, vaccine clinical trials were fast-tracked due to the urgent need to curb the virus' spread and save lives. This was driven by the overwhelming evidence that the benefits of vaccination exceeded the risks posed by the virus. However, the side effects, even if rare, have put a question mark over the safety of the AZ vaccine. The role of the regulatory authorities has also come under scrutiny. It is hoped that an in-depth inquiry will be carried out to pinpoint the lapses that imperilled the health of vaccine recipients. Fixing accountability and stressing the need for greater transparency should be the way forward.

Poor regulation plagues food safety

The rate of conviction has remained low despite an increasing number of failed samples

THE food regulator of Hong Kong recently suspended the sale of three spice blends manufactured by an Indian company. This was followed by a similar action against another Indian spice brand in Singapore. The regulatory action came after the detection of high levels of ethylene oxide, a carcinogen, in the spices exported from India. The Maldives, too, has taken such action, while the US Food and Drug Administration (FDA) and the Australian food authority are examining the reports of contamination.This is nothing new. Several hundred shipments of spices from India are refused entry for not meeting the quality norms in the US every year. Ayurvedic formulations are often red-flagged by the FDA and other regulators for containing excessive amounts of lead and other harmful heavy metals. Sometimes, the reverse also happens, as in the recent case of food company Nestle, which was found marketing baby foods with high sugar content in India, but not in markets in developed countries.

All these episodes follow a familiar pattern. The companies involved, be they Indian or multinational, deny any wrongdoing. They claim they are following the prescribed safety standards either in the country of origin or where they are exporting to, based on what suits them. The standard response of Indian regulatory authorities is that they are 'studying the situation', besides blaming foreign regulators for not sharing test reports with them.The export promotion agencies and industry bodies play the victim card — they argue that Indian exports are being singled out by Western countries which want to tarnish India's image. Such statements are supported by ministries and ministers concerned, in the name of the 'Make in India' dictum. Multinationals blamed for marketing potentially harmful products in India justify themselves by saying they are only following the standards laid down in India. In all this, the consumer remains a hapless spectator. For all the rest, it is business as usual once the din dies down.

No effort is made to address the issues at the crux of such episodes — loopholes in the food regulatory system like the opaque process of developing standards and rule-making, the near-absence of Good Manufacturing Practices, lax enforcement of standards and regulations and an inadequate analytical and testing system. The other important issues are governmental protection of the industry in the name of boosting export and discouragement of the representation of public health, consumer and civil society experts in food regulation.

Food companies involved in controversies wriggle out by saying they are following standards fixed by the Food Safety and Standards Authority of India (FSSAI), as has happened in the recent case of Nestle. Therefore, the method of fixing standards is critical. The FSSAI has a set of 26 scientific committees to provide inputs for setting standards for food products ranging from beverages to marine products. When the authority was formed in 2008, it packed these scientific panels with representatives of Indian and global food companies. Following an outcry in the media, courts and Parliament, the panels were reconstituted. Subsequently, too, food companies continued to dominate through industry chambers and associations, which were given a seat on the scientific panels.A few years later, this changed, and now the panels have working and retired scientists. Still, one can't say confidently that the rule-making process is free of the industry's influence. A cursory examination of the present composition of scientific panels shows that they still have members with past and present industry links. For example, the panel on beverages has a former global head of quality assurance at Coca-Cola as well as an official of the tea association among its members. Another committee has a scientist who is a member of the All-India Food Producers Association — a body of food companies.

The FSSAI should make public the 'conflict of interest' data of members of all rule-making committees because consumers should know who is setting the standards. The FSSAI's so-called partnership with the Confederation of Indian Industry and Hindustan Lever is also problematic at several levels. Instead of hobnobbing with those it is supposed to regulate, the FSSAI should be striving to gain public recognition as an impartial and independent regulator.

For years, consumer groups and public health experts have been demanding a distinct health label for food products high in salt, sugar and fats, but the food safety authority and the industry have constantly opposed this. On the other hand, the regulator is quick to meet industry demands and even endorse their products, which is not its mandate. The label for fortified food products, as demanded by the food industry, is an example. The 'F plus' logo is awarded to products with added vitamins, nutrients, etc. It has been given to wheat flour, salt, milk, edible oil and rice products, and the FSSAI has created a separate website displaying all these branded products with photos (instead of just a list of names). This amounts to the advertising of a certain category of products by the regulator at the taxpayer's cost.The implementation of the regulation is lax and compliance by the industry is poor, as found by audits of the Comptroller and Auditor General (CAG) of India and the Public Accounts Committee (PAC) of Parliament. The CAG found in 2017 that even 10 years after its formation, the FSSAI had no time-bound plan for the formulation of standards; it issued licences based on incomplete information; and 56 out of 72 food testing laboratories surveyed did not have necessary accreditation certificates. There was also an acute shortage of staff. The PAC recommended bringing about greater transparency in the formulation or revision of standards. The FSSAI is still far from reaching the level of transparency recommended. The panel also noted that the rate of conviction was very low despite an increasing number of failed samples — a clear demonstration of poor regulation.

Cognizant cuts 2024 revenue estimate

BENGALURU. Cognizant Technology Solutions has reduced its revenue projection for FY24 to $18.9 billion from $19.7 billion, representing a growth rate of -2% to 2%. This includes a 100-basis-point contribution from acquisitions. The Nasdaq-listed company, which follows a Jan to Dec fiscal, had previously guided for 2024 revenue to be between $19 billion and $19.8 billion. Cognizant reported subdued financial results for the March quarter, with a revenue of $4.8 billion. This represents a 1.2% constant currency decline compared to the year-ago period. The company's net profit also decreased by 6% to $546 million for the March quarter.

Nomination in joint MFs optional

MUMBAI. Markets regulator Sebi has said that investors holding mutual fund units jointly may not nominate someone or willingly opt out of nomination, as is the case when investments are in the name of a single investor. There were MF distributors and financial planners who had raised the issue with the regulator when a nomination in all MF accounts, held by a single investor or jointly, was made compulsory.

Adani Ent gets 2 Sebi notices over related party deals

MUMBAI. Adani Enterprises on Thursday said that it had received two show cause notices from markets regulator Sebi during the March quarter.

The notices alleged "non-compliance of provisions of the Listing Agreement and LODR (Listing Obligation and Disclosure Requirement) Regulations pertaining to related party transactions in respect of certain transactions with third parties and validity of peer review certificates of statutory auditors with respect to earlier years".

The management believes that there is "no material consequential effect of the show cause notices to relevant financial statements". The company also believed there was no such non-compliance with laws and regulations, it said in a regulatory filing on the exchanges.

In Jan 2023, US-based short seller Hindenburg Research had alleged serious corporate governance and other issues within Adani Group companies. As a result, over the next five weeks, the group's stocks were on a free fall, wiping out about 65% of the group's total market value. Following those allegations a case was also filed in the SC which then had asked Sebi to investigate the allegations made in the Hindenburg report. In Jan this year, the SC had passed its order in the investigation and had asked Sebi to complete two of the 24 issues it was looking into and were still incomplete then.

Adi & Nadir Godrej make open offer for Astec stake

MUMBAI. Adi and Nadir Godrej-led family group has made an open offer to acquire 26% from public shareholders of Astec Lifesciences as part of a settlement arrangement between them and the faction led by Jamshyd Godrej and Smita Crishna.

They are offering a price of Rs 1,070 apiece, which is at a discount to Astec's closing price of Rs 1,235 on the BSE on Thursday. At this rate, the total consideration to buy an additional 26% in Astec amounts to Rs 545 crore. The open offer has been triggered after Adi-Nadir group's move to acquire 33% in Godrej Industries from the Jamshyd-Smita faction. Godrej Industries is the holding company of the $7-billion Godrej conglomerate, which will be split into two groups as part of the arrangement.

Godrej Industries has an indirect holding in Astec Lifesciences and the open offer has been triggered because of the indirect change in shareholding of the latter. Anamudi Real Estates, which has 0.57% stake in Godrej Industries, will also become a part of Adi-Nadir group as part of the settlement. Rishad Naoroji, cousin of Adi, Nadir, Jamshyd and Smita, will retire from Anamudi and the Adi Godrej family will continue to be partners of the company.

Godrej Industries holds 65% in Godrej Agrovet, 24% in Godrej Consumer Products and 47% in Godrej Properties. Before the planned stake-purchase, the Adi-Nadir group's share in Godrej Industries was 31%. After completion of the transaction, their stake in Godrej Industries will increase to 65%. Astec's stock is down 5% over the last 12 months but has gained 20% so far this year, most of which has come in the last month itself.

Sanctions notwithstanding, India's Russian oil imports surge as Moscow pushes more oil overseas

Indian refiners imported a total of 1.96 million barrels per day (bpd) of Russian crude oil in April, the highest since July of last year, and nearly 19 per cent higher than volumes imported in March, as per commodity market analytics firm Kpler.

New Delhi. India's Russian oil imports jumped to a nine-month high in April as partly impaired Russian refining capacity due to Ukrainian drone attacks nudged Moscow's oil producers to push more discounted barrels for exports, according to vessel tracking data and industry watchers.

Notably, this surge in India's imports of Russian crude came despite the latest round of sanctions by the United States (US) against Russia's oil shipping syndicate, which had led to speculation that Indian refiners could turn extra cautious in taking deliveries. Trade sources, however, said that the sanctions at the most had a marginal and short-lived impact on Russian oil flows to India.Indian refiners imported a total of 1.96 million barrels per day (bpd) of Russian crude oil in April, the highest since July of last year, and nearly 19 per cent higher than volumes imported in

March, as per provisional ship-tracking data from commodity market analytics firm Kpler. Russia accounted for 40.3 per cent of the total 4.86 million bpd of crude oil imported into India in April. This is the first instance in seven months of Moscow having a share of over 40 per cent in New Delhi's oil imports. Russia's share had declined to around 33 per cent in the past four months from the peak level of nearly 46 per cent seen in May 2023, the data shows.

"The first wave of Ukrainian drone strikes (on Russian refining infrastructure) in late January-early February has pushed (Russia's) seaborne oil exports to 3.8 million bpd, so some 300,000 bpd higher than the 3.5 million bpd average of November 2023-February 2024. Not having the ability to refine that much domestically, Russia's oil producers have exported those surpluses and consequently Indian buyers had more to buy from," said Viktor Katona, head of crude analysis at Kpler. Limited impact of sanctions

The US has over the past few months sanctioned a number of vessels for evading the G7 price cap of $60 per barrel on Russian seaborne crude, apart from sanctioning a few fleet operators and vessel owners. Notably, Russia's state-owned shipping major Sovcomflot and 14 related tankers were sanctioned by the US in the last week of February.

Following that, Indian refiners had started refusing deliveries on Sovcomflot tankers in an evident bid to steer clear of any secondary sanction risk. The pause, however, was short-lived as the Sovcomflot tankers have started discharging crude at Indian ports after India received more clarity on the scope of the latest sanctions According to industry insiders, Indian refiners are still avoiding tankers explicitly sanctioned by the US and its allies, but are not following any blanket ban on Sovcomflot tankers, as was the case initially after Washington announced the latest round of sanctions.

Ship tracking data shows that at least two Sovcomflot tankers discharged oil at Indian ports over the past week. To be sure, India buys Russian oil on a delivered basis, which means that the responsibility of arranging shipping and insurance for the cargoes rests with the Russian suppliers and Indian buyers have no liability on that count.

43% consumers faced problems in health insurance claims: LocalCircles Survey

Mumbai. As many as 43 per cent of insurance policyholders had difficulties processing their "health insurance" claims in the past three years on an aggregate basis, says a survey.

"Challenges faced ranged from insurance companies rejecting claims by classifying a health condition as a pre-existing condition to only approving a partial amount," said the survey conducted by LocalCircles.

According to majority of those who commented on the subject, the process of claiming health insurance is extremely time consuming with many policyholders and their family members spending the last day of their hospital admission running around trying to get their claim processed.

"In several cases cited by policy holders on LocalCircles, it took 10-12 hours

after the patient was ready for discharge for them to actually get discharged because the health insurance claim was still getting processed," the survey said.

By the time the claim is approved, the patients are so tired that they have no energy to fight for any expenses that are disapproved by the insurance company. If they stay back at the hospital another day to do so, the cost of that additional night's stay has to be borne by them.

According to several patients, this is the experience where the insurance company has already provided a pre-approval to the hospital's TPA desk before admission of the patient, it said.

Despite some interventions by the Insurance Regulatory and Development Authority of India (Irdai), consumers continue to grapple with insurance companies to get their health claims. One of the top issues that consumers have been regularly writing about is that of rejection of health insurance claims including cancellation of policies by insurance companies.

To understand how people buy general insurance, the kind of policies they buy and where they face the most issues, LocalCircles conducted a national survey which received over 39,000 responses from citizens located in 302 districts of India.

Manufacturing activity 2nd highest in 3.5 yrs: Survey

NEW DELHI. Riding high on robust domestic demand, activity in the country's manufacturing sector in April recorded the second fastest expansion in three and a half years as companies reported higher intake of new orders and scaled up production, a survey showed on Thursday.

Despite slowing a tad from 59.1 in March to 58.8 in April, the HSBC India Manufacturing Purchasing Managers' Index (PMI) signalled the second-best improvement in the health of the sector for three-and-a-half years. The PMI was comfortably above both the neutral mark of 50 and its long-run average (53.9). The 50-point mark separates expansion from contraction.

Since the lifting of Covid-19 pandemic-induced curbs, the sector has staged a

smart recovery, thanks to robust domestic demand. The PMI survey is compiled by S&P Global from responses to questionnaires sent to purchasing managers in a panel of around 400 manufacturers.

Apple announces $110 billion stock buyback, biggest in history

Washington. Apple's AAPL.O quarterly results and forecast beat modest expectations on Thursday, as the iPhone maker unveiled a record share buyback program, sending its stock up 6 per cent in extended trade. Apple increased its cash dividend by 4 per cent and authorised an additional program to buy back $110 billion of stock. The buyback is the largest in the company's history.

Apple's quarterly revenue fell, but less than analysts had expected, and CEO Tim Cook said revenue growth would return to the current quarter. The results and guidance suggest the company may be regaining its footing in the smartphone market, despite stiff competition and regulatory challenges.

The surge in Apple's shares following its report lifted its stock market value by over $160 billion.Apple said fiscal second-quarter revenue fell 4 per cent to $90.8 billion, beating the average analyst estimate of $90.01 billion, according to LSEG data.For Apple's current quarter, which ends in June, Cook told Reuters the iPhone maker expects "to grow low-single digits" in overall revenue. Wall Street expected 1.33 per cent revenue growth to $82.89 billion, according to LSEG data. Long considered a must-own stock on Wall Street, Apple shares have underperformed other Big Tech companies in recent months, falling 10% this year as it struggles with weak iPhone demand and tough competition in China. Apple expects current-quarter services and iPad revenue to grow by double digits, CFO Luca Maestri told analysts on a conference call. The company expects gross margins of between 45.5 per cent and 46.5 per cent for the fiscal third quarter.Apple faces a raft of challenges across its business. Smartphone rivals such as Samsung Electronics 005930.KS have introduced competing devices aimed at hosting artificial-intelligence chatbots.On the regulatory front, Apple's services business, which contains its lucrative App Store and was one of the few areas of growth in the fiscal second quarter, is under pressure from a new law in Europe. In the United States, the Department of Justice in March accused Apple of monopolising the smartphone market and driving up prices.

For the fiscal second quarter, iPhone sales fell 10.5 per cent to $45.96 billion, compared with analyst expectations of $46 billion. Apple executives said in February that the year-ago fiscal second quarter had benefited from a $5 billion surge in iPhone sales as the company caught up from supply-chain snarls during pandemic lockdowns.

Sensex rises, Nifty hits record high amid volatile trade; Bajaj Finance soars

The S&P BSE Sensex rose over 75,000 in early trade, while the NSE Nifty50 hit a fresh record high of 22,794.70.

New Delhi. Benchmark stock market indices started Friday's trading session on a strong note, supported by positive global cues and a jump in shares of Bajaj Finance after the Reserve Bank of India (RBI) lifted restrictions on two of its lending products.

The S&P BSE Sensex rose over 75,000 in early trade, while the NSE Nifty50 hit a fresh record high of 22,794.70.

Around 10.05 am, the Sensex was up 173.35 points at 74,784.46, while the Nifty50 traded 68.70 points higher at 22,716.90. All the other broader market indices were also trading in positive

territory, but volatility remained on the higher side.Among sectoral indices, Nifty Financial Services rose due to the rise in shares of Bajaj Finance and Bajaj Finserv. However, Nifty Metal was the top gainer as it was the only sectoral index that rose over 1%.

The top five gainers on the Nifty50 were Bajaj Finance, ONGC, Bajaj Finserv, Coal India and Shriram Finance. On the other hand, the top losers were Bharti Airtel, L&T, Nestle India, Tech Mahindra and HDFC Life. Bajaj Finance shares gained as much as 7% in early trade, following a stock exchange filing on Thursday where it announced that the RBI had lifted restrictions on two lending products. Shares of Bajaj Finserv also gained as a result.

Prashanth Tapse, Senior VP (Research), Mehta Equities Ltd, said, ""The removal of restrictions on Bajaj Finance's eCOM adds to the upbeat market sentiment. Investors are eagerly awaiting the US jobs report for April and keeping an eye on Q4 corporate earnings from India Inc. Technical analysis points to Nifty potentially surpassing the psychological 23,000 mark, with significant support and resistance levels outlined."

"The recommended trades for Nifty and Bank Nifty are provided, along with optimistic sentiments regarding select stocks like COAL INDIA and TATA MOTORS. Also, IRCTC emerges as a standout pick due to its promising momentum prospects," he added.

Gandhis Opt Out Of Amethi, Rahul Gandhi To Contest From Raebareli

New Delhi: The Congress's 11th-hour, early-morning decision on Amethi and Raebareli contained a big twist. Rahul Gandhi, who was expected to make an all-out bid to win back Amethi, has been announced as the party candidate from Raebareli, the seat vacated recently by his mother Sonia Gandhi when she moved to Rajya Sabha.In Amethi, the family bastion which defected to the BJP five years ago, the Congress will be represented by Kishori Lal Sharma, a longtime loyalist of the Gandhi family. Priyanka Gandhi Vadra could not be convinced to contest from Raebareli -- which she had nursed for over a decade on her mother's behalf.Both candidates will file their papers today -- the last day for filing nominations for the fifth phase of election on May 20.The Congress decision was announced on Friday after weeks of suspense.There is concern that the switch of seat for Rahul Gandhi could play into BJP hands, given Union minister Smriti Irani's victory of 2019 in Amethi. The senior BJP leader is all set to defend the seat and has declared that the Congress delay was the result of cold feet, in view of her imminent victory.In an exclusive interview with NDTV earlier this week, she said the leadership "is aware that this is a losing seat for them, because if they were so confident of their victory, they would have announced teir candidate by now".Ms Vadra's decision not to contest could add to the party's discomfiture. Many leaders of the Congress suspect that it could create a negative perception that may add reflect on the outcome of the election across the country. Polling on 353 seats is still left, of which the Congress is contesting on 330 seats.Sources said Ms Vadra's reluctance stemmed from the fact that her victory from Raebareli could reinforce the BJP allegations of dynasty politics, since all three of them would be in parliament. Sonia Gandhi is already in Rajya Sabha and Rahul Gandhi has contested from Kerala's Wayanad.oon after the candidates were announced for both presitigious seats, Ms Vadra congratulated KL Sharma and said his "loyalty and dedication" will help him win the election."Our family has had a long association with Kishori Lal Sharma ji. His passion for public service is an example in itself. Today, it is a matter of joy that the Congress Party has made Shri Kishori Lal Ji a candidate from Amethi. Kishori Lal Ji's loyalty and dedication towards duty will definitely bring him success in this election," she said.A victory for Mr Gandhi in both Raebareli and Wayanad could lead to a conundrum for the party, since he would have to vacate one of two seats which have equal claims on him.If Raebareli is the decades-old family bastion, Wayanad is a Congress stronghold which had sent him to the Lok Sabha when Amethi had declined. But that is a bridge the Congress can cross another day.

Odisha Chief Minister Naveen Patnaik Declares Assets Worth 71 Crore

New Delhi: The BJP yesterday dropped its Kaiserganj sitting MP Brij Bhushan Singh, and instead named his son Karan Bhushan Singh as the Lok Sabha candidate from the constituency in Uttar Pradesh.Bri Bhushan Singh is accused of sexual harassment and inappropriate behaviour during his tenure as the President of Wrestling Federation of India.On BJP's decision to field his son Karan Bhushan Singh as its candidate from Kaiserganj, the #MeToo-accused said he was thankful to the party.

"I thank the party for this, everyone is excited in the area about Karan contesting the election," he said.Singh has been accused of touching women athletes inappropriately on the pretext of checking their breath, groping them, asking inappropriate personal questions, and demanding sexual favours.The top wrestlers, also including Olympic bronze medallist Bajrang Punia and Commonwealth Games gold medalist Vinesh Phogat, hit the streets last year to seek action against Singh.

Brij Bhushan Singh, who stepped down from the post amid a raging protest against him over the sexual harassment allegations by women wrestlers, has denied the charges.or the ruling BJP, it had been a tightrope act on an influential party MP.The BJP understands the political influence the six-time MP holds in the area. Therefore, it has chosen his son as his replacement, sources said.Sources in the BJP earlier told NDTV that the party leadership had spoken to him on the issue and that the heavyweight politician was still insisting on a poll pass.His elder son Pratik Bhushan Singh is an MLA. Karan Bhushan Singh currently heads the Uttar Pradesh wrestling body.

Bengal Governor Bars Entry Of Cops, State Finance Minister Into Raj Bhavan

Kolkata: West Bengal Governor C.V. Ananda Bose issued an order on Thursday night banning the entry of the police and Minister of State for Finance, Chandrima Bhattacharya, into the Raj Bhavan.

The move came hours after a temporary female staff at the Raj Bhavan filed a written complaint with the police accusing the Governor of outraging her modesty."For defamation and anti-constitutional media statements against Governor C.V. Ananda Bose, a junior gubernatorial appointee Chandrima Bhattacharya, Minister of State (Independent Charge), Department of Finance, has been banned entry into the Raj Bhavan premises in Kolkata, Darjeeling, and Barrackpore," read a statement issued by the Governor's office.

Ms Bhattacharya was the first to react after the allegation of molestation surfaced against the Governor."I wonder what is happening in the Raj Bhavan, and that too on a day when the Prime Minister is coming to the state," Ms

Bhattacharya saidThe statement issued by the Raj Bhavan also said that the Governor will not participate in any function The Governor has also banned the entry of police into the Raj Bhavan premises."The Attorney General of India has been contacted for advice on further legal steps against the Minister.

The Hon'ble Governor also banned the entry of police into the Raj Bhavan premises in the guise of conducting unauthorised, illegitimate, sham and motivated investigation to placate political bosses during elections," the statement read.In an earlier statement issued on Thursday evening, the Governor denied the molestation charge, calling it an attempt to gain electoral benefits.

"Truth shall triumph. I refuse to be cowed down by engineered narratives.

Minor's Rape: Court Denies Bail To Suspended Delhi Government Official's Wife

New Delhi: The Supreme Court on Thursday refused to grant default bail to the wife of suspended Delhi government official Premoday Khakha in a case of alleged sexual assault of a minor girl.

Mr Khakha, who served as Deputy Director in the Women and Child Development Department, is accused of raping a 16-year-old girl multiple times between 2020 and 2021, and his wife, Seema Rani, reportedly gave the minor survivor medicine to terminate her pregnancy.A bench of Justices C.T. Ravi Kumar and S.V.N. Bhatti refused to interfere with the February 26 decision of the Delhi High Court rejecting the bail pleas filed by the Mr Khakha couple. Earlier, the trial court had denied the plea for statutory bail, rejecting the contention that the charge sheet filed was based on an incomplete investigation. Both Mr Khakha and his wife remain under judicial custody.

However, in January this year, the top court granted anticipatory bail to Mr Khakha's daughter and son, noting that the duo have joined the investigation.A police source had said that Mr Khakha kept on raping the minor daughter of his friend for months, during which his wife also allegedly assisted him. "As his wife also aided him in the act and did not report the matter to the police, we have added Section 120-B (criminal conspiracy) in the FIR against his wife," the police source had said."The most shocking part is that when the victim got pregnant, she was threatened with dire consequences by the accused. When the accused narrated the matter to his wife, instead of helping the victim, the woman sent her son to buy abortion pills, which she gave to the victim," the source had said.most shocking part is that when the victim got pregnant, she was threatened with dire consequences by the accused. When the accused narrated the matter to his wife, instead of helping the victim, the woman sent her son to buy abortion pills, which she gave to the victim," the source had said.

Meet KL Sharma, Gandhi Family Loyalist To Contest From Amethi Against Smriti Irani

New Delhi: The nerve-wracking suspense around Congress' candidate for the Amethi Lok Sabha Seat came to an end today. The Congress party has fielded its trusted hand, KL Sharma, from the Amethi Lok Sabha constituency, earlier represented by Rahul Gandhi. On the other hand, top Congress leader Rahul Gandhi will contest from Rae Bareli seat, vacated by Sonia Gandhi. In Lok Sabha Elections 2024, KL Sharma will now compete against Smriti Irani, the present BJP MP from Amethi.

Sharma is originally from Ludhiana, Punjab. The Gandhi family is thought to be very close to KL Sharma who has been managing the work at Rae Bareli as Sonia Gandhi's agent for a considerable amount of time.

History With Rajiv Gandhi Along with Rajiv Gandhi, Kishori Lal Sharma stepped in Rae Bareli and Amethi in 1983. His bond with the Gandhi family became closer after Rajiv Gandhi passed away. Thereafter, he continued to be connected to the Gandhi family. Following Rajiv Gandhi's demise in

1991, Sharma continued to visit Rae Bareli and Amethi, occasionally to cater to the work of Sheila Kaul and other times that of Satish Sharma.

KL Sharma accompanied Sonia Gandhi to Amethi as she made her foray into active politics. KL Sharma assumed supervision of both the Rae Bareli and Amethi seats when Sonia Gandhi moved to Rae Bareli and left the Amethi seat for Rahul Gandhi. KL Sharma began overseeing the work related to the seats of Amethi and Rae Bareli. In addition to leading Amethi, it's believed that KL Sharma will continue to manage Rahul Gandhi's work from Rae Bareli. KL Sharma - A Loyal Congress Stalwart Although members of the Congress began to leave over time, KL Sharma has always been incredibly loyal and dedicated. He switched between being in charge of Bihar and joining the Punjab committee. At times, he continued to be an AICC member, while at other times, he held control of the electoral arena.

Court Grants Bail To 2 Accused Of Firing Shots At Asaduddin Owaisi's Car In UP

Prayagraj, UP: The Allahabad High Court has granted bail to the two persons who had allegedly fired shots at Lok Sabha Member of Parliament (MP) and All India Majlis-e-Ittehadul Muslimeen (AIMIM) Chief Asaduddin Owaisi's vehicle during the Uttar Pradesh assembly elections of 2022.Justice Pankaj Bhatia, while granting bail to the accused said that the accused Sachin Sharma and Subham Gurjar had not been named in the First Information Report (FIR).

They were linked with the offence only on the basis of the opinion expressed by the Investigating Officer after analysing the CCTV footage, the court added.The court further said that the evidence linking the applicants with the offence in question are prima facie weak evidence.

"The material of verifying and matching the identity of the persons seen in the CCTV footage with the actual photographs prima-facie appears to be missing from the case diary. Thus, the evidence

linking the applicants with the offence in question is prima-facie weak evidence at this stage," said the Court.The Court also added that in the three statements recorded so far, the names of the accused had not surfaced and that the victim as well as the two persons who were with him in the car did not know the accused.

However, the victim through his lawyer oved an intervention application before the Court.In the application, it was submitted that one f the accused, after being granted bail in 2022, had bragged before the media that he had no remorse and would not apologise at all.However, the Court said that the interview "prima-facice appears to be in the realm of speech or interview given by applicant no.1 before the telemedia and there being nothing more to suggest that actual threat was issued by the applicant to the victim".Gunshots were fired at AIMIM chief Asaduddin Owaisi's car in Pilkhuwa of Hapur district of Uttar Pradesh during the Uttar Pradesh assembly elections of 2022.

Pak Harbours "Most Dubious Track Record" On All Aspects: India At UN General Assembly

India's stern response came after Pakistan's UN envoy Munir Akram made lengthy remarks against India, including references to Kashmir, the Citizenship (Amendment) Act and the Ram Temple in Ayodhya.

United Nations: In a sharp retort, India has said Pakistan harbours a "most dubious track record" on all aspects, as it slammed "destructive and pernicious" remarks made by Islamabad's envoy in the UN General Assembly here.India's Permanent Representative to the UN Ambassador Ruchira Kamboj's stern response came after Pakistan's UN envoy Munir Akram made lengthy remarks against India, including references to Kashmir, the Citizenship (Amendment) Act and the Ram Temple in Ayodhya, during his address to the UN General Assembly meeting on 'Culture of Peace.'

"One final point…in this Assembly, as we endeavour to cultivate a culture of peace amid these challenging times, our focus remains steadfast on constructive dialogue. We thus choose to set aside the remarks from a certain delegation, which not only lack decorum but also detract from our collective efforts due to their destructive and pernicious nature," Ms Kamboj said on Thursday.We would strongly encourage that delegation to align with the central principles of respect and diplomacy that must always guide our discussions. Or is that too much to ask of a country that harbours a most dubious track record on all aspects in itself?" she said.

Ms Kamboj asserted that terrorism stands in direct opposition to the culture of peace and the core teachings of all religions, which advocate compassion,

understanding and coexistence."It sows discord, breeds hostility and undermines the universal values of respect and harmony that underpin cultural and religious traditions worldwide. It is essential for Member States to work together actively to nurture a genuine culture of peace and to view the world as a united family, as my country strongly believes," she said.Ms Kamboj further said that the world faces significant challenges from geopolitical tensions and uneven development. "The growing intolerance, discrimination and violence based on religion or belief indeed demand our urgent attention," she said.

"We are particularly concerned by the escalating attacks on sacred sites, including churches, monasteries, gurudwaras, mosques, temples and synagogues," she said, adding that such acts require a swift and united response from the global community.

It is crucial that our discussions therefore forthrightly address these issues, resisting political expediencies. We must tackle these challenges directly and ensure that they are central to our policy, dialogues and international engagements," she said.Ms Kamboj told the UNGA meeting that the doctrine of Ahimsa championed by Mahatma Gandhi continues to be a bedrock of India's commitment to peace."India is not only the birthplace of Hinduism, Buddhism, Jainism and Sikhism, but also a stronghold for Islam, Judaism, Christianity and Zoroastrianism. It has historically been a refuge for persecuted faiths, illustrating.

NEWS BOX

Edward Snowden's 'free speech' retort to Elon Musk's poll on dissent

World. Among many hits and replies to the post, one came in from whistleblower Edward Snowden, whose revelations about alleged espionage by the US National Security Agency (NSA) shook the world back in 2013."First of all, Americans' freedom of expression, which includes all manner of flag-trampling and other unlikable acts, is constitutionally-protected for a very good reason. Secondly, what are you going to do when they tear it down and replace it with this?," Snowden posted on X with a picture of fast food giant McDonald's in his reply.Elon Musk's post apparently referred to the ongoing pro-Palestine protests at university campuses across the United States and how those protesters should be treated.

Musk followed his online poll with a comment on his own post that read "I'm not saying they can't come back, but they have to experience that country for some period of time before returning."Meanwhile, Snowden seemed to be suggesting that it would rather be a good idea to take those using the right to free speech to McDonald's to eat.Edward Snowden had fled the US and was given asylum in Russia after leaking secret files in 2013 that revealed vast domestic and international surveillance operations carried out by the NSA, where he once worked.

Security measures tightened for Chinese nationals in Pakistan, to now travel with armoured vehicles

World. Movement restrictions have now been placed on Chinese nationals in the Khyber Pakhtunkhwa (KP) region, as per a report by Dawn. The KP government has mandated that Chinese citizens must travel accompanied by armoured vehicles while in the area.

This directive was announced by a senior police official during a meeting held on Wednesday. Tahir Ayub Khan, deputy inspector general of police in Hazara range said, "As we're adopting all possible measures for the safety of Chinese nationals, they shouldn't travel in the province without armoured vehicles in line with the government's directions".

The meeting, convened to address security concerns for the Suki Kinari hydropower project in the Malkandi area of Kaghan Valley, brought together various stakeholders, including security personnel, Chinese engineers, and project managers. Discussions centered on the implementation of stringent security measures to safeguard the lives of individuals involved in critical infrastructure projects, as reported by Dawn.

2,000 arrested as protests rock US colleges, Biden says 'order must prevail'

New Delhi. At least 2,000 people have so far been arrested in connection with the protests on college campuses against the Israel-Hamas war. According to the Associated Press, the arrests have been made across 35 campuses, since a tent encampment began at Columbia University on April 17. Meanwhile, a police officer involved with clearing protesters from a Columbia University building fired his gun inside the hall. However, no one was injured.

The demonstrators had seized Hamilton Hall on April 30, ramping up their presence on the campus from a tent encampment that had been there. Tensions on college campuses have been building for days as administrators turned to police to clear demonstrators by force, leading to clashes that have seized widespread attention.

Death toll from rains in southern Brazil climbs to 29, Lula visits region

SAO PAULO. The death toll from heavy rains in Brazil's southernmost state of Rio Grande do Sul rose to 29, local authorities said on Thursday evening, as the state government declared a state of public calamity to handle the dramatic situation.

The storms, which have caused the greatest devastation in the state in recent years, also left 60 people missing and 10,242 displaced in 154 cities, according to Rio Grande do Sul's civil defense.

"It's not just another critical case; it's the most critical that the state will probably have recorded in its history," state Governor Eduardo Leite said in a live broadcast on social media, adding that the situation is worse than last year's rains in the state.

More than 300,000 people have also been left without electricity after a dam at a small hydroelectric power plant burst on Thursday, the state's main utilities company said.President Luiz Inacio Lula da Silva flew over the affected areas and met with Governor Leite in Santa Maria on Thursday for an emergency meeting."I told the governor and my ministers that the federal government will make every effort. ... We will take care of this with great care and respect," Lula said during the meeting.

In a video posted on social media, Leite called for coordination in the efforts to rescue people, asking for "full force" as he declared a state of public calamity citing the risk faced by the state as a result of climate events.Lula told Leite in a call late on Wednesday he would send as many men as necessary to help deal with the situation, the president's office said.

Russian troops enter base housing US military in Niger: Report

The move by Russia's military puts US and Russian troops in close proximity at a time when the nations' military and diplomatic rivalry is increasingly acrimonious over the conflict in Ukraine.

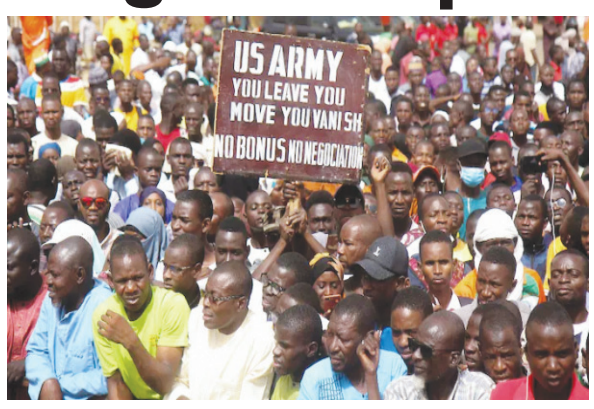

Washington. Russian military personnel have entered an air base in Niger that is hosting US troops, a senior US defense official told Reuters, a move that follows a decision by Niger's junta to expel US forces from the country.

The military officers ruling the West African nation have told the US to withdraw its nearly 1,000 military personnel from the country, which until a coup last year had been a key partner for Washington's fight against insurgents who have killed thousands of people and displaced millions more.

A senior US defense official, speaking on condition of anonymity, said Russian forces were not mingling with U.S. troops but were using a separate hanger at Airbase 101, which is next to Diori Hamani International Airport in Niamey, Niger's capital.

The move by Russia's military puts US and Russian troops in close proximity at a time when the nations' military and diplomatic rivalry is increasingly acrimonious over the conflict in Ukraine.

It also raises questions about the fate of US installations in the country following a withdrawal."(The situation) is not great but in the short-term manageable," the official said.The Nigerien and Russian embassies in Washington did not immediately respond to a request for comment.The US and its allies have been forced to move troops out of a number of African countries following coups that brought to power groups eager to distance themselves from Western governments. In addition to the impending departure from Niger, U.S. troops have also left Chad in recent days, while French forces have been kicked out of Mali and Burkina Faso.At the same time, Russia is seeking to strengthen relations with African nations, pitching Moscow as a friendly country with no colonial baggage in the continent.Mali, for example, has in recent years become one of Russia's closest African allies, with the Wagner Group mercenary force deploying there to fight jihadist insurgents.

Russia has described relations with the United States as "below zero" because of US military and financial aid for Ukraine in the war now approaching the end of its second year.The US official said Nigerien authorities had told President Joe Biden's administration that about 60 Russian military personnel would be in Niger, but the official could not verify that number.After the coup, the US military moved some of its forces in Niger from Airbase 101 to Airbase 201 in the city of Agadez. It was not immediately clear what US military equipment remained at Airbase 101.

Turkey Halts Trade With Israel Amid "Violence" Against Palestinians

Ankara. Turkey halted all trade activities with Israel due to the latter's "non-stop violence" against Palestinians in the Gaza Strip, the Turkish Trade Ministry said.The move follows Turkey's imposition of restrictions on an array of exports to Israel since last month, which Ankara said on Thursday would remain in effect until a ceasefire in Gaza is achieved.In a statement, the Ministry recalled that Ankara previously restricted the export of 54 product groups to Israel in April because the "massacre, humanitarian catastrophe, and physical destruction caused by Israel continued," and the Israeli government "ignored" international ceasefire efforts and blocked humanitarian aid, Xinhua news agency reported.It is observed that the Israeli government continues its aggressive behaviour and the humanitarian tragedy in Palestine worsens," the Ministry said.

"In this respect, the second phase of the measures taken at the state level has been initiated and export and import transactions with Israel have been suspended for all products," said the statement.Turkey will strictly and decisively implement these new measures until the Israeli government allows the uninterrupted and sufficient flow of humanitarian aid to Gaza, it added.On the other hand, the Turkish Trade Ministry is coordinating with Palestinian authorities to ensure that Palestinian people "who are forced to live under occupation" are not affected by these restrictions, the Ministry noted.Listen to the latest songs, only on JioSaavn.comAccording to the Turkish Statistical Institute, trade between the two countries amounted to $6.8 billion in 2023, with Turkish exports accounting for 76 per cent of the total.

Will accept Wisconsin poll results if everything is honest, says Donald Trump

Washington Former US President Donald Trump said he may not accept the 2024 election results in Wisconsin, a key battleground state in his matchup with President Joe Biden, leaving open the possibility of post-election turmoil.In an interview with the Milwaukee Journal Sentinel on Wednesday, Trump said that if he does not believe the result in November's election was legitimate, "you have to fight for the right of the country."The Republican presidential candidate's comments came on the heels of an interview this week with Time magazine in which Trump did not rule out the possibility of political violence around the election, saying "it depends on the fairness" of the process.On his way to an event on Thursday in Charlotte, North Carolina, Biden was asked whether he is worried Trump won't accept the election results.

"Listen to what he says," Biden said.

In the Journal Sentinel interview, Trump reiterated his baseless claims that he won Wisconsin - a Midwestern state he lost to Biden, a Democrat, by about 21,000 votes in 2020 - and that the election was tainted by fraud. Trump's campaign unsuccessfully sought to disqualify almost 240,000 ballots cast for Biden.Trump won Wisconsin over Democrat Hillary Clinton in 2016, and his rematch this year with Biden is expected to be tight. He held campaign rallies on Wednesday in Wisconsin and Michigan, another battleground state.Trump said in the newspaper interview that he will not hesitate to raise doubts about the election if he is convinced something is amiss with the results."I'd be doing a disservice to the country if I said otherwise," Trump said. "But no, I expect an honest election and we expect to win maybe very big."

Biden says 'order must prevail' during US college protests over war in Gaza

WASHINGTON. US President Joe Biden on Thursday rejected calls from student protesters to change his approach to the war in Gaza while insisting that "order must prevail" as college campuses across the country face a wave of violence, outrage and fear."Dissent is essential for democracy," Biden said at the White House.

"But dissent must never lead to disorder."The Democratic president broke days of silence on the protests with his remarks, which followed mounting criticism from Republicans who have tried to turn scenes of unrest into a campaign cudgel. By focusing on a law-and-order message while defending the right to free speech, Biden is grasping for a middle ground on an intensely divisive issue in the middle of his reelection campaign.

He largely sidestepped protesters' demands, which have included ending US support for Israeli military operations. Asked after his remarks whether the demonstrations would prompt him to consider changing course, Biden responded with a simple "no."Biden said that he did not want the National Guard to be deployed to campuses. Some Republicans have called for sending in troops, an idea with a fraught history. Four students were shot and killed at Kent State University by members of the Ohio National Guard during protests over the Vietnam War in 1970.

Tensions on college campuses have been building for days as demonstrators refuse to remove encampments and administrators turn to police to clear them by force, leading to clashes that have seized widespread attention.

Biden said he rejected efforts to use the situation to "score political points," calling the situation a "moment for clarity.""There's the right to protest, but not the right to cause chaos," Biden said shortly before leaving the White House for a trip to North Carolina. "People have the right to get an education, the right to get a degree, the right to walk across campus safely without fear of being attacked."

Biden's last previous public comment on the demonstrations came more than a week ago, when he condemned "antisemitic protests" and "those who don't understand what's going on with the Palestinians."

"He Respects Them": White House After Biden Calls Japan, India "Xenophobic"

White House Press Secretary Karine Jean Pierre asserted that the President's comments were part of a broader message emphasising the strength derived from America's immigrant heritage.

Washington. Hours after President Joe Biden termed India, Japan and other nations, "xenophobic," the White House clarified the President's intentions, emphasising his "respect" for allies and partners.White House Press Secretary Karine Jean Pierre asserted that the President's comments were part of a broader message emphasising the strength derived from America's immigrant heritage."Our allies and partners know very well how much this President respects them...He was making a broad comment speaking about this (US) country, speaking about how important it is to be a country of immigrants and how it makes our country stronger."The Press Secretary stressed that Biden's focus remains on bolstering diplomatic relationships with nations such as India and Japan, evident in his actions over the past three years."Obviously, we have a strong relationship with, India with Japan, and the President if you just look at the last three years has certainly focused on those diplomatic relationships," she added."The broader case that he was trying to make," Jean Pierre continued, "which most leaders and allies across the globe understand that when it comes to who we are as a nation, we are a nation of immigrants."Emphasising the significance of America's immigrant identity, she reiterated Biden's belief that diversity strengthens the nation. "That is in our DNA. You have heard the President say it, it makes us better, and we are stronger for it and that is a very important point to know," Jean Pierre said

The comments were made at a Washington, DC, fundraiser that marked the start of Asian American, Native Hawaiian and Pacific Islander Heritage Month, which celebrates diversity in the United States. "One of the reasons why our economy is growing is because of you and many others. Why? Because we welcome immigrants," Biden said, according to a pool report and a transcript sent out by the White House."Why is China stalling so badly economically? Why is Japan having trouble? Why is Russia? Why is India? Because they're xenophobic. They don't want immigrants," he continued. "Immigrants are what makes us strong. Not a joke. That's not hyperbole, because we have an influx of workers who want to be here and just contribute," he added.

White House National Security Communications Advisor John Kirby, also defended the President's comments, telling reporters that allies and partners like India and Japan understood that Biden "completely and utterly values the idea of alliances and partnerships."

Immigration is a polarising issue in US politics, and will almost certainly play a major role in the November presidential election. Illegal border crossings have contributed to an average 2 million influx per year since 2021, the highest level ever.a

Polls show broad public disapproval of how President Biden has handled the surge, and former president Donald Trump, who also faced criticism for his immigration policies, is running for office on promises to crack down and deport millions of people.

NEWS BOX

Video: On Bhuvneshwar Kumar's Last-Ball Wicket, Kavya Maran's Reaction Breaks Internet

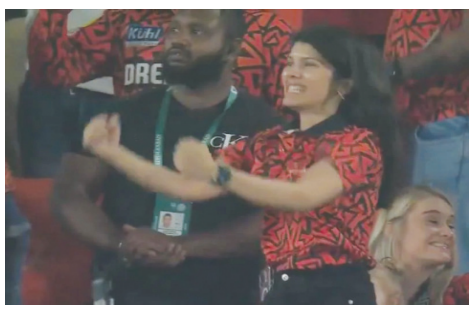

Sports Desk. Surnisers Hyderabad secured a thrilling 1-run victory against Rajasthan Royals, thanks to Bhunveshwar Kumar's heroics with the ball. The veteran seamer dismissed Royals' Rovman Powell on the last ball of the over to help his side secure a victory in the Indian Premier League (IPL) 2024 match on Thursday. As the victory brought an end to the Sunrisers' 2-game losing streak, the franchise's owner Kavya Maran, couldn't hide her delight in the stands. As the cameras focused on Maran, she could be seen jumping with joy, celebrating her team's victory against the table-toppers.

Bhuvneshwar was the Player of the Match for SRH, producing figures of 3/41 while picking three extremely important wickets for his side. The Hyderabad franchise, which remains in a tight battle for a spot in the playoffs, will truly be relieved with the win, and the importance of the result can be understood by looking at Maran's reaction.

The victory, which was Sunrisers' 6th in 10 matches, takes them a place above 5-time champions Chennai Super Kings to the 5th spot in the points table.

Bhuvneshwar, when asked about the thought process behind his final over approach, said he was only focussing on delivering two good balls."I think that's my nature, I wasn't thinking much about the result in the last over. There was no discussion in the last over, was just focussed on the process. Was thinking just about bowling two good balls, anything could have happened.

"You Weren't Batting With Mustafizur": MS Dhoni Faces Heat Over On-Field Act

Sports Desk. MS Dhoni faced a bit of criticism after he denied Daryl Mitchell a single during the final over of Chennai Super Kings' innings during the IPL 2024 match against Punjab Kings on Wednesday. On the third ball of the final over, Dhoni played the ball towards extra cover and Mitchell quickly went for a run. However, Dhoni was not interested and Mitchell ended up 'completing' two runs by the time the fielder picked the ball up and threw it back. While Dhoni did hit a mammoth six just two balls later, former India cricketer Aakash Chopra was not happy with Dhoni not giving an explosive batter like Mitchell the strike.

"In the end, Dhoni even refused to take a single. It's fine but Daryl Mitchell is Daryl Mitchell. You were not batting with Mustafizur, no disrespect, but he refused. He hit a six but the runs were never going to be enough, and that's exactly how it panned out," said Chopra on his YouTube channel.

Coming to the match, Punjab Kings kept their IPL 2024 playoff dreams alive with a big seven-wicket victory over Chennai Super Kings.CSK skipper Ruturaj Gaikwad said that they were "50-60 run short" in the encounter.

Sunil Gavaskar's "Karma" Remark After Umpiring Controversy In SRH vs RR Clash

Sports Desk. SunRisers Hyderabad on Thursday held their nerve till the end to register a 1-run win over Rajasthan Royals in the IPL 2024. RR needed 133 off the last six balls but fell short by just 1 run with Rovman Powell getting LBW off the last ball by Bhuvneshwar Kumar. SRH batted first and put up 201/3 in 20 overs while RR managed 200/7. The match also saw a controversial moment, which had the usually calm Kumar Sangakkara get into an animated chat with the umpire. It happened in the 15th over as with Avesh Khan bowling to Travis Head. Against a fullish delivery outside off, Head shuffled across and chased the ball. He lost balance in the process. Samson threw the ball in the stumps' direction. Replays showed that it was ambiguous, though the TV umpire Rohan Pandit gave it not out.

Irfan Pathan called the decision "horrible". "Horrible decision again from their umpire. There were two more frames to see. Head's bat was in the air," he wrote on x.On the next ball however, Head got bowled. "That is called Karma. Karma strikes," said Sunil Gavaskar on air during commentary.

"Thought We Would Lose Or Tie": SRH Star's Honest Admission On Last-Ball Thriller vs RR

The all-rounder also said that the victory is important, following their losses to Royal Challengers Bengaluru (RCB) and Chennai Super Kings (CSK).

Hyderabad (Telangana).

Following his side's one-run win over Rajasthan Royals (RR), Sunrisers Hyderabad (SRH) all-rounder Nitish Kumar Reddy said that when he realised that Bhuvneshwar Kumar was defending 13 runs in the final over, he got the confidence that the veteran pacer could pull off a match-winning performance. Vintage Bhuvneshwar was at works at powerplay and death as the veteran ended with three wickets and maintained his nerves to defend 13 runs in the final over, trapping a dangerous Rovman Powell lbw on the final ball to leave RR one-run short of a victory at Hyderabad on Friday.Following the game, Nitish said during the post-match press conference, "I was looking at who was going to bowl. When I saw that Bhuvneshwar was going to bowl, I got that confidence that he was going to pull it off. During his prime, he had done it so many times. I did not think we were going to win, I thought either we'd lose or tie. But that last-ball wicket, I felt so happy."

Nitish said that his role is to rebuild the innings following quick wickets and take the innings to 13th and 14th over without any further loss of wickets so that Heinrich Klaasen and Abdul Samad can come later and smash from ball one.

"From the last two matches, we are losing quick wickets and I have to go. My role is to carry on till the 13th and 14th over so that Klaasen gets a license to bang. There is no point that Klaasen and Samad are coming early, but not getting to score freely," said Nitish.

Nitish smashed RR spinner Yuzvendra Chahal for two fours and two sixes in the 13th over and said that he backed himself to attack the veteran spinner.The all-rounder also said that the victory is important, following their losses to Royal Challengers Bengaluru (RCB) and Chennai Super Kings (CSK). "Beating RR will boost our confidence, they are at the top of the points table," he concluded.

Coming to the match, SRH opted to bat first after winning the toss. After a slow start, opener Travis Head (58 in 44 balls, with six fours and three sixes) and all-rounder Nitish Reddy injected some momentum into the innings with a 96-run third-wicket partnership. Towards the back end of the innings, Nitish, who made an unbeaten 76* in 42 balls, with three fours and eight sixes, got fine support from Heinrich Klaasen, who overcame a brief slump in form to make an unbeaten 42 in 19 balls, with three fours and three sixes to guide SRH to 201/3 in their 20 overs.

Avesh Khan (2/39) and Sandeep Sharma (1/31) were among the wickets for RR.

In the run-chase, RR lost two quick wickets for just one run. Youngsters Yashasvi Jaiswal (67 in 40 balls, with seven fours and two sixes) and Riyan Parag (77 in 49 balls, with eight fours and four sixes) brought RR into the game with a 133-run third-wicket partnership. Towards the end, Rovman Powell (27 in 15 balls, with three fours and a six) almost won it for his side, but was trapped lbw on the last ball with two runs needed. SRH secured a last-ball one-run win.Bhuvneshwar Kumar (3/41) was the pick of the bowlers for SRH and got the 'Player of the Match' award. Skipper Pat Cummins and T Natrajan also secured two wickets. RR is at the top with eight wins and two losses, giving them 16 points. SRH is in the fourth spot, with six wins and four losses, giving them 12 points.

Riyan Parag hopes to finish games for RR after dramatic SRH loss: Not in my best form

New Delhi. Young all-rounder Riyan Parag, who has had a breakout IPL 2024 with the franchise, said he is not in his best form since he could not finish the game against SRH as RR suffered a dramatic one-run loss in the IPL 2024 match. Parag continued his golden run with the bat with a stellar 77-run knock but could not help his side get over the line in the last-over thriller in Hyderabad. Nitish Reddy's unbeaten 76 and Travis Head's quickfire 58 propelled Hyderabad to 201/3, with Heinrich Klassen's blistering 42 off 19 balls adding to the onslaught. Despite an early setback with Bhuvneshwar Kumar dismissing Jos Buttler and Sanju Samson for ducks, the Royals fought back with Yashasvi Jaiswal's 67 and Riyan Parag's 77, forging a crucial 134-run partnership. However, a late surge by Shimron Hetmyer was not enough as Sunrisers clinched victory, halting their two-game losing streak and climbing to fourth place with 12 points, while Rajasthan maintained their lead at the top with 16 points.After enduring years of criticism for his underperformance lower down the batting order, Riyan Parag has found a new lease of life batting at number four, a position he favors and excels in domestic cricket. In 10 matches, he has amassed 409 runs in nine innings at an impressive average of 58.42 and a blistering strike rate of 159.84, including four half-centuries. His unbeaten 84 remains his highest score in this role. "I got a lot of areas to improve. I am not in my best form, I would have finished the game otherwise. I got a lot of areas to perfect. I try to learn from my mistakes and not repeat them. Is it my best innings? No. I would say that if I get a hundred," Parag said during the post-match press conference.

After enduring years of criticism for his underperformance lower down the batting order, Riyan Parag has found a new lease of life batting at number four, a position he favors and excels in domestic cricket. In 10 matches, he has amassed 409 runs in nine innings at an impressive average of 58.42 and a blistering strike rate of 159.84, including four half-centuries. His unbeaten 84 remains his highest score in this role. "I got a lot of areas to improve. I am not in my best form, I would have finished the game otherwise. I got a lot of areas to perfect. I try to learn from my mistakes and not repeat them. Is it my best innings? No. I would say that if I get a hundred," Parag said during the post-match press conference.

Pat Cummins in awe of Bhuvneshwar after pacer stars in SRH's dramatic win over RR

New Delhi. SRH captain Pat Cummins was in awe of Bhuvneshwar Kumar after the veteran Indian pacer bowled a sensational final over to help Hyderabad pull off a one-run win over RR in a last-over IPL 2024 thriller. Needing two to win off the last delivery, Bhuvneshwar (3/41) trapped Rovman Powell (27) with a full toss to leave RR stranded at 200 for seven while chasing a target of 202. In a heartfelt Instagram post, Cummins lauded Bhuvneshwar Kumar's resilience and skill, emphasizing their partnership's pivotal role in securing a remarkable victory. "Love playing alongside this bloke! Brilliant fight back with bat and ball to chalk up a brilliant win," Pat Cummins captioned his picture with Bhuvneshwar Kumar on Instagram.avSRH captain Pat Cummins was a happy man after his team managed to snap a two-game losing streak. "It was an amazing game. That's T20 cricket. Anything can happen, Bhuvi executed that last ball. You try to take some wickets in the middle. Natarajan is a good yorker bowler, fortunately we got some wickets,"said the Australian pacer , who bowled a superb 19th over conceding just 7 runs. "We played some games here, thought 200 could have been chased down. He (Nitish Reddy) sums up the conditions pretty well, he's amazing, great in the field, gives some overs with the ball as well," Cummins added.Hyderabad embarked on a dream start with Bhuvneshwar Kumar dealing two significant blows in the very first over, setting the tone for an electrifying contest. However, despite their early success, Hyderabad encountered a few hiccups in the field, with missed catching opportunities proving to be costly. As momentum shifted, the bowlers allowed the opposition to regroup and establish a formidable partnership, reigniting the pressure on Hyderabad.Yet, displaying resilience, the bowlers managed to disrupt the partnership and tighten their lines, securing crucial wickets that swung the game back in their favour, much to the delight of the roaring crowd. In a nail-biting climax, it was the remarkable efforts of Pat Cummins and Bhuvneshwar Kumar who delivered under immense pressure, defending a mere 20 runs in the final two overs. Their spirited performance not only secured a thrilling victory propelling Hyderabad to the fourth position on the points table but also brought an end to their losing streak, showcasing their determination and fighting spirit till the very end.

Rohit Sharma Finally Breaks Long Silence On Losing Mumbai Indians Captaincy To Hardik Pandya

Rohit Sharma reflected on a whirlwind last few months during which he lost his IPL captaincy to Hardik Pandya before finding him as his deputy for next month's T20 World Cup.

New Delhi."Not everything goes your way," acknowledged Rohit Sharma on Thursday as he reflected on a whirlwind last few months during which he lost his IPL captaincy to Hardik Pandya before finding him as his deputy for next month's T20 World Cup. One of India's most admired cricketers, Rohit's removal as captain of Mumbai Indians surprised many in the fraternity and was a bitter pill to swallow for his legion of fans, many of whom also booed Hardik while he led the team out in the first few matches this IPL season.

"See, it is part of life. Not everything will go your way. It has been a great experience," the Indian skipper said during a media interaction where he was asked about his experience of playing under Pandya in the ongoing Indian Premier League.

There has been a lot of conjecture about Rohit's relationship with Pandya and how Mumbai Indians as a franchise handled the leadership issue, which many believe wasn't done in the best way, especially when it involved someone who has led the franchise to five IPL title triumphs.

Rohit is a tough cookie and the genial exterior concealed his real feelings as he said that playing under Pandya is no different from playing under any other captain."Before (also), I have not been captain and I have played under a lot of captains. It is no different or new to me," said Rohit, who has played under Mahendra Singh Dhoni, Virender Sehwag and Virat Kohli for India apart from being led by Adam Gilchrist, Harbhajan Singh and Ricky Ponting in franchise cricket.The 37-year-old received his share of flak for not scoring enough runs with the willow during the previous three seasons but he looked a different deal altogether in the 17th edition of the tournament."Whatever is there and you go by it and then try and do what is required from you as a player. I have only tried to do that in the last one month or so," Rohit doused any fire that the question would have ignited. India captain Rohit has scored 314 runs in 10 innings of IPL 2024 so far.

Diego Maradona's children call for moving body to mausoleum for safety and tribute

Diego Maradona's children filed a request with the Argentine Courts on Thursday to move the former football great's body "to a much safer place" and for fans "to pay tribute" in a mausoleum.

Buenos Aires. Children of the late football star Diego Maradona have asked a court in Argentina to authorize the transfer of his body from the private cemetery where he is buried to a mausoleum under construction in Buenos Aires to allow fans from around the world to pay tribute to him. They made the request to a court in San Isidro in a letter quoted on Thursday by local media in which they indicated that it comes from "all the heirs" of the soccer star, who died in 2020.

The mausoleum called "Memorial del Diez" under construction in the capital's neighborhood of Puerto Madero is "a much safer place than the current one ... so that all the Argentine people and citizens of the world can pay tribute to who was the greatest Argentine idol," read the letter. Maradona, who led Argentina to the World Cup title in 1986, is buried in the Jard-n de Bella Vista, a private cemetery in the town of San Miguel about 50 kilometers northwest of Buenos Aires. Puerto Madero, near the R-o de La Plata, is a bustling neighborhood in the capital with restaurants and bars that are frequented by tourists.

Court approval is needed because of an ongoing criminal case against eight medical workers who were involved in Maradona's care before his death. In their request, Maradona's children indicated that the pertinent examinations have been carried out on the body and requested the transfer with sufficient conditions of "security and confidentiality."Last Oct. 30, the day Maradona would have turned 63, his children announced the construction of the memorial in his honor after signing an agreement with the national authorities, Buenos Aires and the Puerto Madero corporation, which gave up a space free of charge. Maradona played in four World Cups from 1982 to 1994, and was the coach of the national team in 2010.

Rashmika Mandanna

Hides Her Face While Clicking Sun-kissed Selfies, Says 'Feel Super Duper Shy'

Rashmika Mandanna is undoubtedly one of the most loved celebrities in Tinsel Town. The actress has a different sense of charm, wit, and sensibility and also enjoys a massive fan following. She often posts fun moments, selfies, and videos of herself on her social media handle, which go viral in no time. However, the actress recently revealed that she is a camera-shy person.Rashmika took to her Instagram handle to share a bunch of sun-kissed selfies and wrote, "When you know you have good light on you, but taking selfies makes you feel super duper shy. ??." In the photos, while Rashmika looked cute, she almost hid her face in every pose. She donned a black-T shirt and flaunted her no-make up glow.

Rashmika Mandanna is undoubtedly one of the most loved celebrities in Tinsel Town. The actress has a different sense of charm, wit, and sensibility and also enjoys a massive fan following.With rich content-driven and commercial films to her credit, Rashmika Mandanna has come a long way. Having proved her mettle both in Bollywood and in South Industry, the actress enjoys a massive fan following.On the work front, she is currently basking on the success of her recently released film Animal. The actress shared screen space with Ranbir Kapoor for the same. Helmed by Sandeep Reddy Vanga, the film turned out to be a blockbuster at the box office.The actress will next be seen in Pushpa 2: The Rule. The film will feature Allu Arjun and Fahad Faasil in prominent roles. Recently, the actress spoke about the film and gave some insight into her character in the sequel.

In an interview with Pinkvilla, she shared, "It starts feeling like home. Like, when you finish one film, and towards the end of the film you get really connected with the cast and crew, right, so when you have the part 2 coming, again you're like, 'Hey, what's up!?' and you just, sort of like, it's party time." Speaking about her character, Rashmika said that now her character is Pushpa's wife. She mentioned that the sequel will have a "lot more masala" and will have more drama and conflicts.The makers recently released the first song from the film. Titled 'Pushpa Pushpa', the song turned out to be a massive hit. Pushpa 2: The Rule is slated to release on August 15, 2024.

Sonali Bendre

Opens Up About Her Link-up Rumours With Co-stars: 'We Were Not Even Asked'

Two years after making her digital debut with The Broken News, Sonali Bendre is returning to reprise her character as Amina, a credible journalist who believes and champions ethical journalism, in the second season of the show. The Zee5 series tackles the conflict between ethical and sensational news and its second season explores the consequences of how truth often gets sensationalised to grab eyeballs.Sonali, who began her acting journey with Aag in 1994, has also often been a victim of yellow journalism and tabloid culture. In an exclusive chat with News18 Showsha, she shares she has often been linked up with her male contemporaries back in the day and opens up on how that ended up making headlines.She tells us, "Gossips and newsmakers jumping to conclusions – be it about who you're seeing or the affairs you're having or even the fights you're having with your co-stars – come under the gamut of 'where did that come from?' And most of the time, such things that were written about me weren't true at all."While she believes that it's a trend that is prevalent even today, in the nineties, producers used to intentionally sell off such rumours to the newsmakers to increase the buzz surrounding their films. "These days, actors are at least asked if they would want link-up rumours with their co-stars to be floated around. During my time, we weren't even asked and those gossips would just be out there to promote the film and the actors had no choice."The 'Hum Saath Saath Hain' actor further adds, "There was a motive to link the lead pair up just to be in news. Itne shiddat ke saath yeh karte the ki I think they (such gimmicks) may have worked. But I found these things to be really strange." For the unversed, Sonali was linked with Suniel Shetty in the '90s.

Sonali agrees that 'perception building is important' in show business but she was told to manufacture a narrative about coming from a financially strong background to fit into the prototype of a film actor. "To what extent is one comfortable about building a perception is the question. Today, curating a rags to riches story for an actor is working. At my time, they told me to not give out the fact that I came from a middle-class family," she reveals.Though she was against lying about herself, her peers often had to succumb to these exercises. "We were supposed to say that we come from a rich background. But I've always maintained since the very beginning that I belong to a middle-class family because I thought it was obvious. I wasn't comfortable lying but I know that a lot of colleagues did do that. But what happens is that when you give out fake stories, you get caught up in them. And the moment there's a lie, people go about finding the truth," Sonali says.

Aditya Roy Kapur Poses With Kartik Aaryan Amid Ananya Panday Break Up Rumours, See Pic

Aditya Roy Kapur and Kartik Aaryan were seen posing together at an event on Thursday night. The duo's picture comes amid reports that Aditya and Ananya have broken up. Coincidentally, it is said that Ananya dated Kartik for a brief period.In the photo shared by Bollywood Hungama, Aditya and Kartik were seen suited up for the awards show. Coincidentally, both the actors were seen twinning in blue. The duo posed with director Kabir Khan. The filmmaker is currently making the movie Chandu Champion with Kartik. The photo soon found its way on Reddit and X. Check out the picture below:

Ananya was also present at the event but was seated on another table. She was seen posing with Heeramandi star Aditi Rao Hydari in a picture from the night. See the photo below:

Last month, Ananya Panday took the internet by storm with her cryptic post. Ananya on Monday took to her Instagram handle to share a quote which led to speculations about her alleged breakup with her rumoured boyfriend, Aditya.

If it is truly meant for you, it will come it will leave only for the back to your sake of teaching you the lessons you could only learn for you, On your own. If it is truly meant if you've pushed it in denial, even if you you're in denial, so beautiful could never be it will return even away, even if you're assume something truly yours – because if it's truly meant for you, it is never not a piece of you. It is never not intricately tied into the depths of your soul," read the quote shared by Ananya on her handle. She captioned it as "Monday Manifesting" alongside a thank you, an evil eye and a blue butterfly emoji.Ananya's post left fans wondering if all was not well between her and Aditya.

The Broken News 2 Review: Jaideep Ahlawat And Sonali Bendre in Top Form; Shriya Pilgaonkar Shines

The Broken News 2 plunges into the abyss of Indian journalism, where the rivalry between Awaaz Bharati and Josh 24/7 mirrors the battle between ethics and sensationalism. Amina Qureshi (Sonali Bendre) and Dipankar Sanyal (Jaideep Ahlawat) lead their respective channels, and the series navigates the murky depths of truth and manipulation. Season 2 starts with Radha Bharghava (Shriya Pilgaonkar) being dubbed anti-national and a terrorist as she grapples to deal with the consequences of trying to expose the truth about Operation Umbrella – a corrupt business deal between a cooperate and the state government. The deal, Radha unearths, will be used to monitor people's conversations and record them without their knowledge.

Led by the steadfast Amina and the ruthless Dipankar – Awaaz and Josh – offer a gripping backdrop for the complex lives and relationships within a newsroom. Sonali shines as Amina, especially portraying her nuanced relationship with colleague and friend, Radha Bhargava, with finesse. Moments where her morals and ethics come in between TRPs and standing up for friends, stand out. There are scenes in which Sonali conveys a lot, merely through her eyes. Jaideep Ahlawat delivers a standout performance as Dipankar Sanyal, yet again, seamlessly oscillating between his character's dual personas – that of a manipulative anchor and a loving father caught in a dysfunctional marriage. As the series progresses, more sides to Dipankar's personality come to the fore, taking viewers by surprise. Jaideep pours his soul into the character, effortlessly portraying the varied emotions that Dipankar goes through as his moral compass flickers.

The series also stands out in its portrayal of the moral dilemmas faced by its characters, particularly Radha, whose arc evokes conflicting emotions of empathy and reproach in the viewers. Shriya's portrayal of one who has been wronged by the system, is poignant and powerful and, without a shadow of doubt, the emotional core of the show. Props to the writers for scenes written well, with keen attention to details.